



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० ४४] नई दिल्ली, शनिवार, नवम्बर १, १९८० (कार्तिक १०, १९०२)

No. 44] NEW DELHI, SATURDAY, NOVEMBER 1, 1980 (KARTIKA 10, 1902)

इस भाग में अलग संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III--खण्ड १

PART III--SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संसदन और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-११००१, दिनांक अगस्त १९८०

सं० ए० ११०१६/१/७६-प्रशा० (III)--संघ लोक सेवा आयोग के मंबर्ग में के स० मे० के स्थायी महायक श्री वृष्णि लाल-II, को राष्ट्रपति द्वारा २६-७-८० में ३१-८-८० तक अध्यवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो। उमी मंबर्ग में अनुभाग अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

ए० वा० बालचन्द्रन
उप-सचिव,
प्रशासन प्रभारी
संघ लोक सेवा आयोग

प्रवर्तन निदेशालय

विदेशी मुद्रा विनियमन अधिनियम

नई दिल्ली-११०००३, दिनांक २७ सितम्बर १९८०

सं० ए० ११/६/८०—श्री ऐवेन्ड्र मनहोत्रा को दिनांक १२-५-८० से आगले आदेशों तक के लिए छृटी की रिक्ति में अस्थायी आधार पर प्रवर्तन अधिकारी के रूप में कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

डी० मी० मंडल
उप-निदेशक (प्रशासन)

गृह मंत्रालय

का० एवं प्र० सु० विभाग

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 13 अक्टूबर 1980

सं० एस०-१०/७४-प्रशासन-५—प्रत्यावर्तन हो जाने पर श्री एस० के० सक्षेत्रा, भारतीय पुलिम सेवा (1963-विहार) पुलिम अधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो/विशेष पुनिय स्थापना की सेवाएँ दिनांक 30-९-१९८० (अपग्राह) में बिहार सर्वार को वापस सौर्यी जाती हैं।

सं० ए०-१९०२१/८/८०-प्रशा०-५—राष्ट्रान्ति अपने प्रसाद से श्री अनन्द कुमार, भारतीय पुलिम सेवा (मध्य प्रदेश 1967) को दिनांक 4-१०-१९८० के पूर्वाह्नि से केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिम स्थापना में प्रतिनियुक्ति पर पुलिम अधीक्षक नियुक्त करने हैं।

की० ला० ग्रोवर
प्रशासनिक अधिकारी (स्था०)

महानिदेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिम बल

नई दिल्ली-११०००१, दिनांक 10 अक्टूबर 1980

सं० ओ० दो-१४४५/७९-स्थापना—महानिदेशक, केन्द्रीय रिजर्व पुलिम बल ने डाक्टर (श्रीमती) ज्योतिना त्रिवेदी को 15-६-८० के पूर्वाह्नि से केवल तीन महीने के लिए अथवा उम पद पर नियमित नियुक्ति होने तक इनमें जो पहले हो उम तारीख तक, केन्द्रीय रिजर्व पुलिम बल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप में नियुक्त किया है।

सं० ओ-दो-१४५५/७९-स्थापना—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिम बल ने डा० अनिल कौशल को 10-९-८० के पूर्वाह्नि से केवल तीन माह के लिए अथवा उम पद पर नियमित नियुक्ति होने तक, इनमें जो भी पहले हो उम तारीख तक, केन्द्रीय रिजर्व पुलिम बल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप में नियुक्त किया है।

ए० के० सूरी
सहायक निदेशक (प्रशासन)

महानिरीक्षक का कार्यालय

केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

दिल्ली-११००१९, दिनांक 6 अक्टूबर 1980

सं० ई०-२९०२०/२८/७९-सा० प्रशा०-१—राष्ट्रपति, श्री एन० एन० मोहने को 16-९-१९७६ से के० ओ० सु० ब० मूल रूप से सहायक कमांडेंट नियुक्त करते हैं।

सुरेन्द्र नाथ
महानिरीक्षक के० ओ० सु० ब०

रक्षा मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

भारत प्रतिभूति मुद्रणालय

नासिक रोड, दिनांक 4 अक्टूबर 1980

सं० १२८०/६०—दिनांक २७-६-८० के ऋत में सबश्री ए० एस० पालकर और जी० नागयनसामी को उप-नियंत्रण अधिकारी के पद पर भारत प्रतिभूति मुद्रणालय में तदर्थ रूप में ३१-१०-८० तक उन्हीं शतों के साथ नियुक्त करते हैं।

पी० एस० शिवराम
महाप्रबंधक
भारत प्रतिभूति मुद्रणालय

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय रक्षा लेखा नियंत्रक (नौसेना)

बम्बई, दिनांक 9 अक्टूबर 1980

सं० प्रशा०/१/१६००—श्री एम० बी० मुहम्मद अली सुपुत्र श्री इम्बीची कोया के०, कालीकट, जो इस कार्यालय में अस्थाई अनुभाग अधिकारी (लेखा) के पद पर नियुक्त थे वह १ मार्च १९८० से अनधिकृत गैरहाजिरी पर थे तथा इस कार्यालय द्वारा जो भी ज्ञापन उनके दिये गये पतों पर भेजे गये उनमें से किसी की भी प्राप्ति की सूचना श्री मुहम्मद अली ने नहीं दी, विभागीय नियमों के अधीन अनुशासनात्मक कार्यवाही के उपरान्त उन्हे ३ सितम्बर, १९८० से नौकरी से निकाल दिये जाने के आदेश उनके दिये हुए पतों पर भेजे गये, घूंकि वे रजिस्टर्ड निकाफे जिनमें उक्त कर्मचारी के नौकरी से निकाले जाने के आदेश थे और जो उनके दिये हुए पतों पर भेजे गए थे, विनाविनाश के बायस आ गये हैं, अतएव यह अधिसूचित किया जाता है कि श्री एम० बी० मुहम्मद अली सुपुत्र श्री इम्बीची कोया के० (कालीकट) को ३-९-१९८० से नौकरी से हटा दिया गया है।

श्रीमती विजयलक्ष्मी गुप्ता
रक्षा लेखा उप-नियंत्रक (नौसेना) (प्रशा०)

रक्षा मंत्रालय

डी० जी० ओ० एफ० मुख्यालय सिविल सेवा

आईनेन्स फैक्टरी बोर्ड

कलकत्ता, दिनांक 1, अक्टूबर 1980

सं० २२/८०/ए०/१—बार्थक्य निवृत्ति आयु प्राप्त कर, श्री विश्व रंजन गुप्ता, भौलिक एवं स्थायी महायक, स्थानापन्न

सहायक स्टाफ अफगान दिनांक 30-९-८० (आगाहा) से सेवा निवृत्त हुए।

डी० पी० चक्रवर्ती
ए० डी० जी० औ० ए० (प्रशासन)
कृत महानिदेशक, आईनेस फैक्टरिया

कलकाता, दिनांक 30 सितम्बर 1980

सं० 64/80/जी—वार्धक्य निवृत्ति आयु (58 वर्ष)
प्राप्त कर, श्री आर० एम० आप्टे, स्थानापन्थ महाप्रबन्धक,
ग्रेड-1/मौलिक एवं स्थायी उप-महाप्रबन्धक दिनांक 31
जनवरी, 1980 (आगाहा) से सेवा निवृत्त हुए।

वी० क० मेहता
महायक महानिदेशक,
आईनेस फैक्टरिया

वाणिज्य मंत्रालय
मुख्य नियंत्रक, आयात-नियंत्रित का कार्यालय
नई दिल्ली, दिनांक 23 सितम्बर 1980
आयात-नियंत्रित व्यापार नियन्त्रण
(स्थापना)

सं० 6/1225/77-प्रशा०(जी०)/5686—सेवा निवृत्ति की आयु होने पर, श्रीमती एस० क० कांडले, वर्ग-2 की स्थानापन्थ नियन्त्रक ने, मंयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-नियंत्रित के कार्यालय, बम्बई में 31 अगस्त, 1980 के पूर्वाह्न से उक्त पद का कार्यभार छोड़ दिया।

दिनांक 24 मितम्बर 1980

सं० 6/489/58-प्रशासन(राज)—सेवा निवृत्ति की आयु होने पर श्री आर० एम० बन्सल, बैन्द्रीय व्यापार सेवा के वर्ग-2 के स्थानापन्थ अधिकारी ने 31-८-८० के पूर्वाह्न से इस कार्यालय में उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-नियंत्रित के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

पी० सी० भट्टाचार्य,
उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-नियंत्रित

(वस्त्र विभाग)

हथकरघा विभाग आयुक्त का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 1 अक्तूबर 1980

सं० ए०-12025(1)/3/80-व्यवस्था-II(क)—राष्ट्रपति, श्री मोपुरी रेड्डापा नायू को 21 जून, 1980 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक के लिये बुनकर सेवा केन्द्र, मद्रास में

पहायक निदेशक ग्रेड-1 (डिजिट) के पद पर नियुक्त करते हैं।

ए० पी० शेषाद्री
मंयुक्त विकास आयुक्त (हथकरघा)

पूर्ण तथा निपटान महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 9 अक्तूबर 1980

सं० प्र०-1/1(1161)—महानिदेशक, पूर्ण तथा निपटान महानिदेशक श्री भोहर निह के सघ लोक सेवा आयोग द्वारा नियुक्ति के लिए चुने जाने पर उन्हे दिनांक 30-८-१९८० के पूर्वाह्न से पूर्ण तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में पहायक निदेशक (मुकदमा) (ग्रेड-II) के पद पर अस्थायी रिक्ति पर पूर्णतः अस्थायी आधार पर स्थानापन्थ रूप से नियुक्त करते हैं।

पी० डी० सेठ
उप निदेशक (प्रशासन)
कृत महानिदेशक, पूर्ण तथा निपटान

इस्पात और खान मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 6 अक्तूबर 1980

सं० 7674बी०/ए०-32013(4-डिलर)/78-19बी—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के निम्नोक्त वरिष्ठ तकनीकी महायकों (श्रीनिग) को छिलर के रूप में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, स्थानापन्थ क्षमता में, आगामी आदेश होने तक, प्रत्येक के सामने दर्शाई गई तिथि में पदोन्नति प्रदान की जा रही है:—

अम स०	नाम	कार्यभार ग्रहण करने की तिथि
1 श्री आर० मदागोपन	.	24-1-1980 (पूर्वाह्न)
2 श्री जे० ए० उण्ल	.	31-7-1980 (पूर्वाह्न)

दिनांक 7 अक्तूबर 1980

सं० 7751बी०/ए०-19012(3-नास० ए० पी०)/80-19बी—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के वरिष्ठ तकनीकी सहायक (नामायन) श्री एस० ए० पाडे को सहायक रमायनज्ञ के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, अस्थायी क्षमता में,

आगामी आदेश होने तक 11-7-1980 के पूर्वाह्न से पदोन्नति पर नियुक्त किया जा रहा है।

सं० 7761B/ए०-30013/2/78-19वी—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के निम्नोक्त अधिकारियों को उच्चके वर्ग में प्रत्येक के सामने दर्शायी तिथि भ स्थायित्व घोषित किया जा रहा है:—

क्रम सं०	नाम	पदनाम	रथायित्व होने की तारीख
1.	श्री जी० सी० भास्तरी	सहायक भूवैज्ञानिक	28-10-78
2.	श्री एस० सी० नौरियाल	,,	16-12-78
3.	कु० शुभ्रा भट्टाचार्य	,,	13-10-78
4.	श्री बी० आर० वेंकटेश	,,	6-11-79
5.	श्री एम० के० व्यगाकर	,,	16-10-78
6.	श्री पी० बी० शेशा राव	,,	21-12-77
7.	श्री श्यामल कुमार सेन गुप्ता	,,	7-6-79
8.	श्री बी० कनिष्ठकन	,,	18-10-79
9.	श्री रूपगोपाई मिन्हा	,,	15-4-79
10.	श्री विजय कुमार कोहलापुरी	,,	8-1-79
11.	श्रीमती शीबानी चक्रवर्ती (चौधरी)	,,	18-2-79
12.	श्री जगजीत गिह रायत	,,	9-12-78
13.	श्री के० राधाड्विष्णन	,,	9-12-78
14.	श्री अर्द्धल मस्तार खान	,,	6-5-79
15.	श्री एस० के० दे	सहायक भूभौतिकी	19-12-77
16.	श्री तुहीत कुमार मिन्हा	सहायक भूभौतिकी (यंत्रीकरण)	22-4-78
17.	श्री सुजीत राय	प्रेम प्रचालक	25-8-78

दिनांक 9 अक्तूबर 1980

सं० 7916गी०/ए०-32013(4-डिलर)/78-19वी—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के वरिष्ठ तकनीकी सहायक (डिलिंग) श्री जी० आर० पाण्डेय को डिलर के पद पर भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, स्थानापन्न अमता में, आगामी अदेश होने तक 24 जुलाई, 1980 के पूर्वाह्न से पदोन्नति पर नियुक्त किया जा रहा है।

बी० एस० कृष्णस्वामी,
महा निदेशक

भारतीय सर्वेक्षण विभाग
महासर्वेक्षक का कार्यालय

देहरादून, दिनांक 10 अक्तूबर 1980

सं० स्था०-1/5663/1117-एल०पी०आर०—भारत के महासर्वेक्षक, श्री, तारापद मिन्हा, महायक प्रबन्धक, सा० सि० नेवा (ग्रुप बी), 102 (पी०एल०ओ०) मुद्रण वर्ग (पू० म०) भारतीय सर्वेक्षण विभाग, कलिकाता को सेवा काल की समाप्ति पर दिनांक 31 अगस्त, 1980 (अपराह्न) से सरकारी सेवा में सहर्वं सेवा निवृत्त करते हैं।

इकावाल सिद्दिकी
मेजर इंजीनियर्स
महायक महासर्वेक्षक

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 6 अक्तूबर 1980

सं० 2/7/77-एस-दो—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री आर० पी० एस० चौहान, लेखाकार, आकाशवाणी मधुरा को 16-9-80 (पूर्वाह्न) से तदर्थे आधार पर प्रशासन अधिकारी, आकाशवाणी, गोरखपुर के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 9 अक्तूबर 1980

सं० 10/25/63—महानिदेशक, आकाशवाणी एतद्वारा श्री प० के० हजारिका, लेखाकार, आकाशवाणी, पारीघाट को 10-9-80 (पूर्वाह्न) से प्रशासनिक अधिकारी, आकाशवाणी कोहिमा के पद पर, पदर्थ आधार पर, स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

एम० बी० सेपाद्री
प्रशासन उपनिदेशक
कृते महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 7 अक्तूबर 1980

सं० 4 (58)/80-एस-I—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्रीमती भारती व्यास को आकाशवाणी, बम्बई में 29-8-80 से अगले आदेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० 4 (91) 80-एस-I—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री के० राजन को आकाशवाणी, कालीकट में 29-8-80 से अगले आदेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

हरीश चन्द्र जयाल
प्रशासन उपनिदेशक
कृते महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 6 अक्टूबर 1980

सं० 10/11/80-एम-नीन—महानिदेशक, आकाशवाणी, श्री एम० सी० विपाठी, वरिष्ठ इंजीनियर महायक, आकाशवाणी को आकाशवाणी के महायक अभियंता के संवर्ग में स्थानापन्न रूप से पदोन्नत करते हैं और उन्हे 6 मितम्बर, 1980 के पूर्वाह्न से अगले आदेश होने तक उच्च शक्ति प्रेपित्र, आकाशवाणी खामपुर में तैनात करते हैं।

दिनांक 7 अक्टूबर 1980

सं० 10/17/80-एम-नीन—महानिदेशक, आकाशवाणी, श्री टी० सन्ता, वरिष्ठ इंजीनियर महायक, आकाशवाणी को, आकाशवाणी के महायक अभियंता के संवर्ग में स्थानापन्न रूप से पदोन्नत करते हैं और उन्हे 15 मितम्बर, 1980 के पूर्वाह्न से अगले आदेश होने तक उच्च शक्ति प्रेपित्र, आकाशवाणी खामपुर, दिल्ली में तैनात करते हैं।

दिनांक 9 अक्टूबर 1980

सं० 10/1/80-एम-नीन—महानिदेशक, आकाशवाणी, श्री युक्तराज कुलश्रेष्ठ, वरिष्ठ इंजीनियर महायक, आकाशवाणी को आकाशवाणी के सहायक अभियंता के संवर्ग में स्थानापन्न रूप से पदोन्नत करते हैं और उन्हे 6 मितम्बर, 1980 के पूर्वाह्न से अगले आदेश होने तक उपग्रह दूरदर्शन केन्द्र, दिल्ली में तैनात करते हैं।

सं० 10/18/80-एम-III—महानिदेशक आकाशवाणी, श्री सी० एच० मेधी वरिष्ठ इंजीनियरी महायक आकाशवाणी को आकाशवाणी के महायक अभियंता के संवर्ग में स्थानापन्न रूप से पदोन्नत करते हैं और उन्हे 17 मितम्बर, 1980 के पूर्वाह्न से अगले आदेश होने तक आकाशवाणी डिग्रूगढ़ में तैनात करते हैं।

एच० एन० विवाद
प्रशासन उपनिदेशक
कृते महानिदेशक

सूचना और प्रमाण मवालय

(प्रकाशन विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 29 अगस्त 1980

सं० ए०/2025/2/80-प्रशासन-1—निदेशक, प्रकाशन विभाग एनद्वारा श्री बी० सी० मंडल, आर्टिस्ट जिनको भास्तीय कृपि अनुसंधान परियद में नियुक्ति के परिणामस्वरूप इस विभाग में कार्यमुक्त करदिया गया है, के स्थान पर रोज़गार समाचार एक्क में आर्टिस्ट श्री आर० के० शुक्ला को 650-30-740-35-810-द०००-35-880-40-1000 द० रो०-40-1200 रुपये के बेतनमान में प्रकाशन विभाग में स्थाना-

पन्न रूप से नदर्श आधार पर आर्टिस्ट के पद पर नियुक्त करते हैं। ये आदेश तत्काल लागू होंगे।

2 नदर्श आधार पर की गई यह नियुक्ति श्री शुक्ला को आर्टिस्ट के पद पर नियमित रूप से नियुक्ति का अधिकार प्रदान नहीं करती। यह मेवा इस घेड़ में वरीयता के लिए भी नहीं गिनी जाएगी।

ताराचन्द्र अग्रवाल
उपनिदेशक (प्रशासन)

ग्रामीण पुर्वनिर्णण मंत्रालय

विषणन एवं निरीक्षण निदेशालय

फरीदाबाद, दिनांक 7 अक्टूबर 1980

सं० ए० 19025/54/80-प्र०-III—संघ लोक सेवा आयोग की मंसूनियों के अनुसार श्री नमल चन्द्र भट्टाचार्य को इस निदेशालय के अधीन बम्बई में नारीख 10-9-80 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश होने तक स्थानान्न सहायक विषणन अधिकारी (वर्ग III) के रूप में नियुक्त किया गया है।

दिनांक 9 अक्टूबर 1980

सं० ए० 19023/65/78-प्र०-III—श्री आर० बी० कर्ण की इस निदेशालय में कालीकट में विषणन अधिकारी (वर्ग-I) के पद पर अल्पकालीन नियुक्ति को 31-12-80 तक या जब तक यह पद नियमित आधार पर भरा जाता है, दोनों में जो भी पहले घटित हो, बढ़ाया गया है।

बी० एल० मनीहार

प्रशासन निदेशक

कृते कृपि विषणन सनाहकार

भरत मरकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

नाभिकीय ईधन सम्मिश्र

हैदराबाद-500762, दिनांक 1 सितम्बर 1980

। आदेश

सं० ना० ई०स०/का० प्र० 5/2606/1032/1803—1. जब कि श्री के० शंकर जिरकालौंय गढ़न मंथव में कारीगर 'ब' के पद पर कार्यरत थे, उन्हे क्षेत्रीय निदेशक, कार्मिक शिक्षण केन्द्र, हैदराबाद द्वारा संचालित कार्मिक शिक्षक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में दिनांक 27-12-1979 से प्रतिनियुक्त किया गया, और इस पाठ्यक्रम में भाग लेने के लिये उन्हें नाभिकीय ईधन सम्मिश्र में दिनांक : 26-12-1979 पूर्वाह्न को पद भार में मुक्त कर दिया गया;

2. और जब कि कार्मिक शिक्षण केन्द्र के क्षेत्रीय निदेशक ने अपने पव सं० 1576, दिनांक 4-3-1980 के द्वारा सूचित किया कि श्री शंकर दिनांक 30-1-1980 से कक्षाओं में अनपस्थित रहे;

3. और जब कि श्री शंकर ने डा० ए० वेकटेश्वर राव द्वारा जारी किये गए दो अस्थम्भता-प्रमाण पत्र दिनांक : 21-1-80 और 29-2-80, अस्थम्भता-दिनांक 21-1-80 से 29-2-80 पर्यन्त और दिनांक 1-3-80 से 30-3-80 पर्यन्त प्रेषित किये जिसके अनुसार वे "स क्रामक-यजृत्-शोध", से पीड़ित थे, किन्तु उन्होंने प्रवकाश के लिये विधिवत् कोई आवेदन नहीं प्रस्तुत किया;

4. और जब कि दिनांक 9-5-1980 को नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र के प्रशासनिक अधिकारी ने एक तार में ज कर श्री शंकर को काम पर तत्काल आने के लिये कहा;

5. और जब कि श्री शंकर प्रनुदेशों के बाबजूद भी काम पर नहीं आई;

6. और जब कि उवत नार की डाक प्रति को टिप्पणी सं० ना० ई० स०/का० प्र० 5/2606/826, दिनांक 9-5-1980 उनके ज्ञात पते अर्थात् निवास सं० 3-5-303, विट्ठलवाड़ी, नारायण गुड़ा, हैदराबाद, को प्रेषित किया गया, जो डाक प्राधिकारियों द्वारा बिना वितरित किए हुए हन अभ्युक्तियों के साथ लीटा दिया गया, "सात दिनों से व्यक्ति नहीं मिला। अतः प्रेषक को बापस किया जाता है";

7. और जब कि श्री शंकर अनधिकृत रूप से नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र के प्रबन्धक मण्डल को बिना अपना अक्षत पता सूचित किये हुए काम से अनुपस्थित रहे;

8. और जब कि अनुशासनिक प्राधिकार ने श्री शंकर के बिरुद्ध नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र के स्थायी आदेशों के अनुच्छेद 41. 2(II) के अनुसार जांच करने का प्रस्ताव किया; और जापन सं० ना० ई० स०/का० प्र० 5/2606/1032/1388, दिनांक 13-7-1980 के अनुसार एक अभियोग पत्र पावती सह पंजीकृत डाक द्वारा उनके ज्ञात पते अर्थात् श्री के० शंकर, विट्ठलवाड़ी, नारायण गुड़ा, हैदराबाद पर भेजा गया;

9. और जब कि उपर्युक्त पते पर उक्त जापन स० ना० ई० स०/का० प्र० 5/2606/1388, दि० 13-7-80 को पावती सह पंजीकृत डाक द्वारा प्रेषित किया गया जो डाक प्राधिकारियों द्वारा बिना वितरण किये हुए हन अभ्युक्तियों के साथ बापस कर दिया गया, "सात दिनों तक जाने पर भी व्यक्ति नहीं मिला, अतः प्रेषक को बापस किया जाता है";

10. और जब कि उक्त श्री शंकर लगातार अनुपस्थित रहे और नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र को अपना अक्षत पता सूचित करने में सफल रहे;

11. और जब कि श्री शंकर स्वेच्छापूर्वक सेवा त्यागने के द्वषी रहे;

12. और जब कि नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र को अपना वर्षमान अना पता न सूचित किये हुए सेवा त्यागने के कारण, ग्रामीहन्ताकारी नंतु अहृत है कि नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र के स्थायी

आदेशों के अनुच्छेद 41 और/या केन्द्रीय नागरिक सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण व अपील) नियम 1965 के नियम 14 के अनुसार जांच करना युक्तियुक्त व व्यवहारिक नहीं है;

13. अतः अब, नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र के स्थायी आदेशों के अनुच्छेद 42 जिन्हें परमाणु ऊर्जा विभाग के आदेश सं० 22 (1)/68-प्र०II, दिनांक 7-7-1979 और/या केन्द्रीय नागरिक सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण व अपील) नियम 1965 के नियम 19 (II) के साथ संयोजित करने हुए व उनमें प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करने हुए अधोलिखानी गतद्वारा नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र के जिरकालाय गढ़न संयंत्र के कारीगर 'ब', उक्त श्री के० शंकर को मेंशाओं में तुरन्त प्रभाव से हटा देने का आदेश देते हैं।

ए० एन० कोडल राव
मुख्य कार्यपालक

श्री के० शंकर,
निवास सं० 3-5-303,
विट्ठलवाड़ी,
नारायण गुड़ा,
हैदराबाद-1

रिएक्टर अनुसन्धान केन्द्र

कलाशकम-603102, दिनांक 30 सितम्बर 1980

सं० ए० 32013/15/80/प्रा०-11817—रिएक्टर अनुसन्धान केन्द्र के परियोजना निदेशक ने इस केन्द्र के निम्नलिखित कर्मचारियों को 1 अगस्त, 1980 से अगले ग्रांदेंग तक के लिये रुपये 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में अस्थायी रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड ए० स० बी० नियुक्त किया है:—

क्रम सं०	नाम	वर्तमान पद
1. श्री सी० ए० दीक्षित	स्थायित् नक्षानकारी (सी)	
2. श्री ए० बाध्यम	अस्थायी फोरमैन	

ह० अपठनीय
प्रशासन अधिकारी

अन्तरिक्ष विभाग

सिविल इंजीनियरी प्रभाग

बंगलौर-560025, दिनांक 4 अक्टूबर 1980

शुद्धि पत्र

सं० 10/5/(37)/सि० ई० प्र० (एच०)---इस विभाग की दिनांक 22 अप्रैल, 1980 वी अधिसूचना

सं० 10/5(37)/79-सि० द० प्र० (एच०) में क्रमांक्या 1 से
सामने आई श्री १० जी० एस० सैना से संबंधित प्रविष्टियों
को लुप्त समझा जायेगा।

एम० पी० आर० पाण्डित
प्रशासन अधिकारी-II
कृते भूष्य अभियन्ता

इसरो उपग्रह केन्द्र

पीण्डा बंगलौर-५६००५८, दिनांक १ अक्टूबर १९८०

सं० ०२०२३(०६१)/ए/८०—निदेशक, इसरो उपग्रह
केन्द्र, निम्नलिखित व्यक्तियों को प्रन्यैक के नाम
के आगे दिये गये पदों पर और तारीखों के पूर्वान्तर में अन्तरिक्ष
विभाग के इसरो उपग्रह केन्द्र, बंगलौर में पूर्णतया अवश्य
सथा अनन्तिम रूप में आगामी आदेश तक नियुक्त करते
हैं:—

क्रम सं०	नाम	पदनाम	दिनांक
----------	-----	-------	--------

सर्वेशी

१. एम० जे० मिश्रियाक	वैज्ञानिक/इंजीनियर “एस बी०”	५-१-१९८०
२. एच० जी० भास्कर	वैज्ञानिक/इंजीनियर	२४-१-१९८०
३. डी० बी० ए० राघव मूर्ति	वैज्ञानिक/इंजीनियर “एस बी०”	१-२-१९८०
४. टी० वाई० मानगोली	वैज्ञानिक/इंजीनियर “एस बी०”	८-२-१९८०
५. एन० विश्वनाथ	वैज्ञानिक/इंजीनियर “एस० बी०”	५-६-१९८०
६. आर० श्रीधरन्	वैज्ञानिक/इंजीनियर “एस बी०”	१६-८-१९८०

एस० सुब्रह्मण्यम्,
प्रशासन अधिकारी-II

इसरो: शार केन्द्र

श्रीहरिकोटा सामान्य सुशिक्षां

कार्मिक तथा सामान्य प्रशासन प्रभाग

श्रीहरिकोटा-५२४१२४, दिनांक ७ जूलाई १९८०

सं० एस० सी० एफ०/पी० ए० जी० ए०/स्था० १-७२—
निदेशक शार केन्द्र, श्रीहरिकोटा में निम्नलिखित अधिकारियों
को इंजीनियर, एस० बी० के पद पर स्थानापन स्पष्ट में

प्रत्येक के गामने दी गई तारीख में आगामी आदेश तक
पदान्वति पर नियुक्त करते हैं:—

क्रम सं०	नाम	पदनाम	नियुक्ति की तारीख
गर्वश्री/कुमारी/श्रीमती			
१.	उमेश चन्द्र देवनाथ	इंजीनियर “एस बी०”	१-४-१९८०
२.	एन० कुमार	इंजीनियर “एस बी०”	१-४-१९८०
३	एम० पंग० राममूर्ति	इंजीनियर “एस बी०”	१-४-१९८०
४.	एम० जयवत्क्षमी	इंजीनियर “एस बी०”	१-४-१९८०
५.	पी० एम० राजेन्द्र प्रभाद	इंजीनियर “एस बी०”	१-४-१९८०
६.	आर० श्रीधरण	इंजीनियर “एस बी०”	१-४-१९८०
७.	एम० गोपाल	इंजीनियर “एस बी०”	१-४-१९८०
८.	बी० एम० मुकुरा शाव	इंजीनियर “एस बी०”	१-४-१९८०
९.	पी० एन० हेंगल	इंजीनियर “एस बी०”	१-४-१९८०

दिनांक ८ जूलाई १९८०

सं० एम० सी० एफ०/पी० ए० जी० ए०/स्था० १-७२—
निदेशक शार केन्द्र, श्रीहरिकोटा में श्री रामचन्द्र त्रिपाठी
को इंजीनियर एस० बी० के पद पर स्थानापन स्पष्ट में दिनांक
१७-४-१९८० में आगामी आदेश तक नियुक्त करते हैं।

आर० गोपालरत्नम्,
प्रधान, कार्मिक तथा सामान्य प्रशासन
कृते निदेशक

महानिदेशक, नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक ३० मितम्बर १९८०

सं० ए० ३२०१३/२/८०-ई० I —इस विभाग की दिनांक
३०-९-८० की अधिसूचना संख्या ए० ३२०१३/२/८०-ई०-I
के क्रम में राष्ट्रपति ने नागर विमानन विभाग के श्री आर०
एम० गोयला की निदेशक मंत्रालय (योजना और उपस्कर)
के पद पर की गई तदर्थ नियुक्ति को दिनांक ९-८-८० से
२-९-८० तक जारी रखने की स्वीकृति दी है।

सं० ए० ३२०१३/२/८०-ई० I —राष्ट्रपति ने श्री
आर० एम० गोयला, उपनिदेशक मंत्रालय (योजना और उपस्कर)
नागर विमानन विभाग को दिनांक २४-५-१९८० से ८-७-१९८०
तक उसी विभाग में निदेशक मंत्रालय (योजना और उपस्कर)
के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

२ इस विभाग की दिनांक १ जूलाई, १९८० की अधि-
सूचना सं० ए० ३२०१३/२/८०(ii)-ई० I रद की जाती
है।

दिनांक 3 अक्टूबर 1980

सं० ए० 32013/10/77-ई० I—इस विभाग की दिनांक 22-12-79 की अधिसूचना संख्या ए० 32013/10/77-ई० I के त्रैम में महानिदेशक नागर विमानन ने नागर विमानन विभाग के श्री ए० इल्हय० जे० जाफरी, स्थाई पुस्तकाध्यक्ष की सूख्या पुस्तकाध्यक्ष के पद पर की गई नदर्श नियमित की अवधि दिनांक 17-5-1980 ने 6 माह के लिये अप्रवाप्त के नियमित आधार पर भरे जाने तक, इनमें से जो भी पहले हो, बढ़ाने की मंजूरी प्रदान की है।

चितरंजन कुमार बन्स,
महायक निदेशक, प्रशासन

विदेश संचार सेवा

बम्बई, दिनांक 8 अक्टूबर 1980

सं० 1/96/80-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा श्री के० गणेशन को नियमित आधार पर 17 जून, 1980 के पूर्वान्त में आगामी आदेशों तक स्विचन समूह, बम्बई में स्थानापन्न रूप से महायक अभियन्ता नियुक्त करते हैं।

सं० 1/423/80-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा बम्बई शाखा के अधीक्षण, श्री के० कर्णाकरन को नियमित आधार पर 10 मार्च, 1980 के पूर्वान्त में आगामी आदेशों तक विदेश संचार सेवा की आवी शाखा में स्थानापन्न रूप से महायक प्रशासन अधिकारी नियुक्त करते हैं।

सं० 1/439/80-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा कलकत्ता शाखा के पर्यवेक्षक, श्री डी. पी० नासकर को नियमित आधार पर 31 मार्च, 1980 के पूर्वान्त में आगामी आदेशों तक उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से उप परियात प्रबन्धक नियुक्त करते हैं।

दिनांक 9 अक्टूबर 1980

सं० 1/98/80-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा नई दिल्ली शाखा के स्थानापन्न तकनीकी महायक, श्री जी० ए० छड़वाल को अल्याकालीन खाली जगह पर 21-4-80 से 17-6-80 (दोनों दिनों समेत) तक की अवधि के लिये उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से सहायक अभियन्ता नियुक्त करते हैं।

दिनांक 9 अक्टूबर 1980

सं० 1/154/80-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा श्री० ठी० ए०, पूना शाखा के तकनीकी महायक श्री बी० ए० डेहीड को बिल्कुल तदर्थ आधार पर 26-5-80 से 30-6-80 (दोनों दिनों समेत) तक उसी शाखा में अस्थाई रूप से सहायक अभियन्ता नियुक्त करते हैं।

सं० 1/287/80-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा नई दिल्ली शाखा के तकनीकी महायक श्री बी० बी० लाल को बिल्कुल तदर्थ आधार पर 28-4-80 से 28-6-80 (दोनों दिनों समेत) तक उसी शाखा में अस्थाई रूप से महायक अभियन्ता नियुक्त करते हैं।

सं० 1/344/80-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा कलकत्ता शाखा के पर्यवेक्षक श्री ए० के० चटर्जी को बिल्कुल तदर्थ आधार पर 16-6-80 से 9-8-80 (दोनों दिनों समेत) तक उसी शाखा में अस्थाई रूप से उप परियात प्रबन्धक नियुक्त करते हैं।

सं० 1/460/80-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा कलकत्ता शाखा के तकनीकी महायक श्री पी० मुखर्जी को अल्याकालीन खाली जगह पर 18-2-80 से 11-4-80 (दोनों दिनों समेत) तक की अवधि के लिये उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से महायक अभियन्ता नियुक्त करते हैं।

सं० 1/460/80-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा श्री पी० मुखर्जी, तकनीकी महायक, कलकत्ता शाखा को बिल्कुल तदर्थ आधार पर 5-5-80 से 28-6-80 तक उसी शाखा में अस्थाई रूप से महायक अभियन्ता नियुक्त करते हैं।

एच० एल० मलहोत्रा,
उप निदेशक (प्रशासन)
कृते महानिदेशक

बम्बई, दिनांक 8 अक्टूबर 1980

सं० 1/92/80-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा समूह, बम्बई के स्थायीवत् तकनीकी महायक श्री श्री ए० कु० महाजन को नियमित आधार पर 1सी अप्रैल, 1980 के पूर्वान्त में आगामी आदेशों तक उसी कार्यालय में स्थानापन्न रूप से महायक अभियन्ता नियुक्त करते हैं।

सं० 1/373/80-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा श्री ए० हरीदासन को नियमित आधार पर 22 जुलाई, 1980 के पूर्वान्त में आगामी आदेशों तक स्विचन समूह, बम्बई में स्थानापन्न रूप से महायक अभियन्ता नियुक्त करते हैं।

दिनांक 9 अक्टूबर 1980

सं० 1/321/80-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा श्री ए० मादीवन् को नियमित आधार पर 30 सितम्बर, 1980 के पूर्वान्त में आगामी आदेशों तक स्विचन समूह, बम्बई में अस्थाई रूप से महायक अभियन्ता नियुक्त करते हैं।

सं० 1/382/80-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा श्री गुरु इकबाल सिंह को नियमित आधार पर

4 अगस्त, 1980 के पूर्वान्त में प्राचीमी आदेशों तक तक नई दिल्ली शास्त्रा से अस्थायी रूप से गहायक अभियन्ता नियन्त्रण करने हैं।

सहायक, नई दिल्ली शास्त्रा, ना नियमित ग्राम्यांश पर 20 जून, 1980 के पूर्वान्त में प्राचीमी आदेशों तक इसी शास्त्रा के अन्तर्गत भए उस साथ गर्भान्तर नियन्त्रण करता है।

सं० 1/434/80-ग्राम्या०—विदेश सचार सेवा के महानियंत्रक एतद्वाग्म श्री बी० के० कोणिक, ग्राम्यांशी तकनीकी

पी० के० गोविन्द नायर
विदेशक (प्रशा०)
कृते गहानियंत्रक

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क तथा सीमा शब्द समाहर्तानिय

पुणे, दिनांक 4 अक्टूबर 1980

सं० 2/केन्द्रीय उत्पाद शुल्क पुणे/80—पुणे केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तानिय के अंतर्वाधिकार में केन्द्रीय उत्पाद शुल्क तथा नवण अधिनियम 1944 की धारा 9 के उल्लंघन के कारण न्यायालय द्वारा मिछ्दोष व्यक्तियों के नाम, पने तथा अन्य और दिखलाने वाला विवरण—

क्रम सं०	व्यक्ति का नाम और पता	अधिनियम की व्यवस्थायें अथवा उनके अधीन बनाये गये नियम, जिनका उल्लंघन हुआ।	न्यायालय द्वारा दिये गये दण्डादेश के विवरण	अभ्युक्तियां
1	2	3	4	5

4. (i) मैसर्ज पूना श्राक्षीजन एण्ड असिस्टीसीन कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड, 40/41, हडपसर इण्डस्ट्रियल इस्टेट हडपसर, पुणे-13	केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम 1944 के नियम 9, 52 (क), 53, 173 (क) तथा 226 केन्द्रीय उत्पाद शुल्क तथा नवण अधिनियम 1944 की धारा 9 के अधीन दण्डनीय है।	मिछ्दोष ठहराया गया तथा रूपये 1000/- का जुमना	प्रथम वर्ग के ज्युडिशियल मैजिस्ट्रेट, कन्टोनमेंट कोर्ट, पुणे द्वारा क्रिमिनल केस नं० 617/77 में दिनांक 20-3-80 को निर्णय फिया गया।
(ii) श्री जी०ग्ल० पुरस्वाणी, मैर्टेजिग डाक्टरेक्टर, द्वाग पूना श्राक्षीजन एण्ड असिस्टीनीन कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड, 40/41, हडपसर इण्डस्ट्रियल इस्टेट, हडपसर, पुणे-13।	—वही—	मिछ्दोष ठहराया गया तथा रूपये 1000/- का जुमना प्रमाणिया गया जिसके न देने पर हर एक के लिये (स्तम्भ सं० 2 में ii तक व्यक्तियों के लिये) 6 महीनों की साधारण बैंद्र।	—वही—
(iii) श्री गृष्म० एल० पुरस्वाणी, 52/4, मीरा मोमाइटी मलिनवरी पार्क, पुणे-1।	—वही—	—वही—	—वही—
(iv) श्री एम० एल० पुरस्वाणी, 125/8, मीरा मोमाइटी मलिनवरी पार्क, पुणे-1।	—वही—	—वही—	—वही—

1	2	3	4	5
2. (i) मैसर्ज पूना आक्सीजन एण्ड असिटीलीन कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड, 40/41, हुडपसर इण्डस्ट्रियल इंस्टेट, हुडपसर, पुणे-13।	केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम 1944 के नियम 9, 52 (क), 53, 173(क) तथा 226। केन्द्रीय उत्पाद शुल्क तथा लबण अधिनियम 1944 की धारा 9 के अधीन दण्ड- नीय है।	मिछदोष ठहरा कर रुपये 500 का जुर्माना।	प्रथम वर्ग के ज्यूडिशियल मैजिस्ट्रेट, पुणे द्वारा क्रिमिनल केम नं० 618/77 में दिनांक 20-3-80 को निर्णय किया गया।	
(ii) श्री जी० एल० पुरस्वाणी, मैनेजिंग डाइरेक्टर द्वारा पूना आक्सीजन एण्ड असिटीलीन कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड, 40/41, हुडपसर इण्डस्ट्रियल इंस्टेट, हुडपसर, पुणे-13।	-वही-	स्तम्भ सं० 2 में श्रम संख्या (ii) से (iv) तक के व्यक्तियों को मिछदोष ठहरा कर हर एक के लिये रुपये 500/- का जुर्माना, जिसके न देने पर 6 महीनों की साधारण कैद।	-वही-	
(iii) श्री एच० एल० पुरस्वाणी, 52/ 4, भीरा सोसाइटी, शंकर शेट रोड, पुणे-1।	-वही-	-वही-	-वही-	
(iv) श्री एम० एल० पुरस्वाणी, 125/ 8, भीरा सोसाइटी, सलिसबरी पार्क, पुणे-1।	-वही-	-वही-	-वही-	

एच० एम० सिंह,
समाहृती

ऊर्जा मंत्रालय (कोयला विभाग) कोयला खान अभियंक कल्याण संस्था धनबाद-826003, दिनांक 9 अक्टूबर 1980	में पूर्णतया अस्थाई तथा तदर्थ आधार पर रुपये 650-30- 740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०- 40-1200 के वेतनमान में छः महीने की अवधि के लिये अथवा पदों के नियमित आधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हो, उनके नामों के मामने दी गई सारीखों से नियुक्त करते हैं :—	
क्रम मं०	अधिकारी का नाम तथा पदनाम	
अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर के रूप में कार्यभार-ग्रहण करने की तारीख		
1	2	3

मर्वशी		
1. जी० पी० माथुर, अभियंक सहायक	3-10-80 (पूर्वांक)	
2. एम० आर० चक्रवर्ती, अभियंक सहायक	3-10-80 (पूर्वांक)	
3. एम० जी० लुला, पर्यवेक्षक	29-9-80 (पूर्वांक)	

केन्द्रीय जल आयोग
नई शिल्पी, दिनांक 9 अक्टूबर 1980
सं० ए-32014/1/80-प्रशा० पांच—अध्यक्ष, केन्द्रीय
जल आयोग एतद्वारा निम्नलिखित अधिकारियों को अतिरिक्त
सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर (इंजीनियरी) के ग्रेड

1	2	3
4 मी० एन० बजाज,		
पर्यवेक्षक	29-9-80	
5. के० एन० धर,	(पूर्वाह्नि)	
पर्यवेक्षक	22-9-80	
6. टी० एस० छिल्कर,	(पूर्वाह्नि)	
पर्यवेक्षक	22-9-80	
7. टी० एन० श्रीबास्तव,	(पूर्वाह्नि)	
पर्यवेक्षक	27-9-80	
8. एम० मी० जैन,	(पूर्वाह्नि)	
पर्यवेक्षक	26-9-80	
	(पूर्वाह्नि)	
के० एन० भडुला,		
अवधि सचिव		

विधि, न्याय एवं कम्पनी कार्य मंत्रालय
(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का वर्यलय

कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 445(2) के अधीन
सूचना

कम्पनी अधिनियम, 1956 के मामले में
और

राजश्री एक्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के मामले में।
बम्बई-400002, दिनांक 6 अक्टूबर 1980

सं० 12918/लिक्व०—कम्पनी पीटीएन सद्या 138 वर्ष
1979 में स्थित माननीय उच्च न्यायालय, बम्बई के आदेश
दिनांक 3-9-79 के द्वारा राजश्री एक्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड
का परिसमापन करने का आदेश प्रदान कर दिया है।

(ह०) अपठनीय
महायक कम्पनी रजिस्ट्रार
महाराष्ट्र, बम्बई।

कम्पनी अधिनियम, 1956 एवं मैसर्स समता फाइनेंस (रायपुर)
प्राइवेट लिमिटेड, रायपुर के विषय में।

ग्रालियर-474001, दिनांक 4 अक्टूबर 1980

सं० 1156/समापन/सी० पी०/4218—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 445 की उप-धारा (2) के अन्तर्गत सूचित किया जाता है कि मैसर्स समता फाइनेंस (रायपुर) प्राइवेट लिमिटेड, रायपुर को मध्य प्रदेश, उच्च न्यायालय, जबलपुर के आदेश दिनांक 2-5-1980 के द्वारा परिसमापन करने का आदेश दिया गया है तथा सरकारी समापक, इन्दौर को उक्त कम्पनी का समापक नियुक्त किया गया है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स बिलासपुर पेपर एण्ड बोर्ड मिल्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

ग्रालियर-474001, दिनांक 9 अक्टूबर 1980

सं० 1075/वाय/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप-धारा (5) के अनुमतण में एनद्वारा यह सूचना दी जाती है कि मै० बिलासपुर पेपर एण्ड बोर्ड मिल्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मै० सहयोगी फाइनेंस (सतना) प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

ग्रालियर-474001, दिनांक 9 अक्टूबर 1980

सं० 1170/वी० एम० वाई०/4248—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप-धारा (3) के अनुमतण में एनद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से नीन मास के अवसान पर मै० सहयोगी फाइनेंस (सतना) प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

सुरेन्द्र कुमार सर्केना
कम्पनी रजिस्ट्रार
मध्य प्रदेश, ग्रालियर

प्रसूप आई० टी० एन० एम०	तीर्थगं	8	श्री आर० डिगोआ
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की	"	9	मिरेम एस० ज० कोका
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना	"	10	मिरेम आय० फनडीम
भारत सरकार	चंद्रा	11	श्री इन्हू० आय० जेवंद
वार्षालय, सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)	"	12	श्री एम० क० बनानवान
अर्जन रेज-II, वम्बई	"	13	श्री ज० मेनेनझीम
वम्बई, दिनांक 30 मिनस्वर, 1980	पावना	14	मिरेम एल० गोनगाविंग
निर्देश मं० ग० आर०-II/296४-14/मार्च ४०—अत	"	15	श्री एच० सोरम
मुझे, प० एन० तेजाले.	"	16	श्री क० जी० मुवर्ना
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है।	छटा	17	रोज़ एन्टरप्रीनर्स (श्री एन० अवराव
और जिसकी मं० सी० एग० नं० बी०/1136, बी०/1137, 1138 और 1139 है तथा जो बादा में निधि है (आंग इसमें उपानुष्ठ अनुमूली में आंग पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीफर्नी अधिकारी के कार्यालय बादा में रजिस्ट्रेशन अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 31 मार्च, 1980।	"	18	मिरेम एम० डिसोझा,
को पूर्वोन्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वक उचित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से ऐसे द्वयभान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है—	भानवा	19	रोज़ एन्टरप्रीनर्स
(क) अन्तरण से हृ० किसी आय की नाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में मूल्यधा के लिए, और/या	"	20	मिरेम एम० डिसोझा
(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आमदारों को, जिन्हू० भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए भा छिपाने में स्विधा के लिए।	आठवा	21	श्री तिना मिस्त्री
अन. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्तरण में दै, उक्त अधिनियम का धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन ---	"	22	रोज़ एन्टरप्रीनर्स
1. श्री जार्ज डिसोझा। और श्रीमती अलिमा डिसोझा (अन्तरक)	तवा	23	श्री टी० एच० सरदार
2. रोज़ मिनार को-आपरेटिव हाऊस सो० लिमिटेड मलग्न अनुमूली के अनुमार्ग (अन्तर्ता)	"	24	श्री एफ० एम० दादालाजी
3. पहला 1 श्री एल० नीफ	"	25	श्री ज० जी० कश्त
,, 2 मिग पी० वॉर्म	"	26	रोज़ एन्टरप्रीनर्स
,, 3 रोज़ एन्टरप्रीनर्स	"	27	"
,, 4 रोज़ एन्टरप्रीनर्स	"	28	"
दूसरा 5 श्री एम० जी० अत्युर्की	ग्राउंड	29	डॉ० जी० डिसोझा,
,, 6 श्री एस० रवेन	"	30	मिस सो० परेरा
,, 7 श्री ए० इन्हू० ई० डिसोझा	"	31	मिसेस एफ० डिसोझा
		32	रोज़ एन्टरप्रीनर्स
		33	रोज़ एन्टरप्रीनर्स
		34	रोज़ एन्टरप्रीनर्स

(वह अक्षित, जिसमें अधिक्षेप मै सम्पत्ति है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों घरता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की वर्धित या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
वर्धित बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबृष्ट
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

अनुमूली जैमा कि विलेख नं० 330/1980 जाहन्ट
सव रजिस्ट्रार 4 भ्रान्दा दिनांक 31-३-1980 के रजिस्टर
किया गया है।

ए० एच० तेजाले,
गक्षम प्राधिकारी,
गहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण),
अर्जन रेज-II वम्बई

दिनांक : 30-9-1980
मोहर : {

प्रस्तुप आई. टी एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, वम्बई

वम्बई दिनांक 7 अक्टूबर 1980

निर्देश मा० ए० आर० /2965-३/अप्रैल 1980—अन
मुझे, मे० एवं नेतृत्वे

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इकत अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन मध्यम प्राधिकारी तो, यह विश्वास करने का कारण
है कि अन्दर गमाता जिगका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु संविधक है

ओर जिपका भा० एम० ना० 15। और 15। फ यनल एलाट ना०
90-मी० मी० एम० ना० 1690 है तथा जा० माताकूल (प०) मे०
मिथ्या है (आरडीमे० उाच्च ग्रनुमूली मे० और पूर्ण रूप मे० विभिन्न
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई मे०
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक 8 अप्रैल 1980

को पूर्वोक्त रापति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करना का कारण है कि यथाप्रवृक्ति संपत्ति का उचित बाजार
रुप ए० ए० ए० ए० ए० ए० ए० ए० म०, एम० दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह तिशत रुपयोग है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरीतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे० वास्तविक
रूप संक्षिप्त है किया गया है ---

(क) अन्तरण ने हृदृ किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर दिने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) एनी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए,

अत श्रव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं अन्तरिती की धारा 269-घ की उपचारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीत ---

१ मैमर्स जिवगत प्रेमजी पटें, गढ़ ब्रपनी।

(अन्तरक)

२ मानाकूल पुष्पाजनी को-अपराधिक द्वारा हाउरिंग सोसायटी
(ग्रन्तिर्गती)

३ १ श्रीमती देवी एच० बजाग

२ श्री रामनीरजन बजाग

३ श्री गंबाराम वी० परवानी

४ श्री पी० ए० कामदार

५ श्री नवनदन वी० शहा

६ श्री व्ही कै० बड़ाकिया

७ श्रीमती कौलामरानी मलहानी।

८ श्री वी० ए० हाथा

९ श्री ए० आर० नाथर

१० श्री मधुकर कै० शहा

११ श्री चिमनलाल पा० परमार

१२ श्री बाबूलाल पाचावाई

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग मे० सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके प्रत्येक ५ सप्ताह के गर्जन के लिए
कार्यवाही करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मे० कोई भी आक्षय --

(क) इस सूचना के ग्रजपत्र मे० प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद मे० समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों मे० से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सचिव के ग्रजपत्र मे० अग्रजन का दिन से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मे० हित-
बवृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताधरी के
पाग लिखित मे० किए जा सकेंग।

स्पष्टीकरण:—इसमे० प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क मा० विभागित
है, वहो अर्थ होगा जो उस अध्याय मे० दिया
गया है।

अनुसूची

अनुमूली जैसा कि विवेक ना० एम० 4380/75/वम्बई
उर्जाजिस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 8-4-1980 मे० रजि-
स्टर्ड किया गया है।

ए० एच० नजाले,
मध्यम प्रधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-II वम्बई

तारीख : 7-10-1980

मोहर :

प्रेरूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष(1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पूना

पूना-1, दिनांक 7 अक्टूबर 1980

निर्देश सं० ए० एम०/वाई०/प्रैल 1980 482—यतः
मुझे, ए० सी० चंद्रा,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० टी० पी० ए० नं० 3 एफ० पी० नं० 270
(आधा हिस्मा) है तथा जो धांडेघर ना० महाबलेश्वर जिला
सातारा में स्थित है (और इससे उपावड अनुसूची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय दुर्यम
निवंधक वाई० में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, दिनांक 13 अप्रैल, 1980।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिक्रिया के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा फ़ाया गया प्रतिक्रिया, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निर्दिष्ट में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(६) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(७) ऐसो जिसो आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में
सुविधा के लिए ;

अन. प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के
अनुमतण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिनियमों अर्थात् :—

1. श्री मधूमुद्दन केशव येवतीकर, अंडवोकेट, मथुर मालती-
बाई माहब श्रीमतीराव होलकर के संपत्ति श्रेमिंवयुटर,
पत्ता—राजेन्द्र नगर, हंदौर (मध्य प्रदेश) (अन्तरक)
2. श्री आशिक हुसैन शेरश्वली नानजी (2) आयाज
शेरश्वली नानजी गढ़ीया, पौ० पांचगणी ता० महाब-
लेश्वर, जि० सातारा (अन्तरिती)
3. श्री एम० वी० मथुरीकर 'चिमणबाग' पांचगणी-412805
जि० सातारा

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. श्री एम० वी० मायथोकर 'चिमणबाग' पांचगणी-
412805 जि० सातारा

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जाना है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
निए कार्यालयितानि करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आश्रेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अन्तिमों पर सूचना की
तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिनियमों में से
किसी अधिकत द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य अधिनियम द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो 'उक्त अधि-
नियम', के अध्याय 20-क में परिचालित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन और उसके ऊपर तीन मकान, पांचगणी
म्युनिसिपल टाउन प्लैनिंग स्कीम नं० 3, फायनल प्लाट
नं० 270 (आधा हिस्मा) जो धांडेघर गांव में ता० महा-
बलेश्वर जि० सातारा में स्थित है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख क्र० 360 जो 13-4-
1980 को दृष्ट्यम निवंधक वाई० के० दफतर में लिखा
है)।

ए० सी० चंद्रा,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज पूना।

दिनांक : 7-10-1980

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269प (1) के प्रश्नोत् मूल्यना

भारत सरकार

महाराष्ट्र, पदाधिक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 7 अक्टूबर, 1980

निर्देश मं० ए० एम०/वाई०/अप्रैल 1980—यतः मुझे, ए० सी० चंद्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं०टी० पी० एम० नं० 3 एफ०पी० नं० 270 (आधा हिस्सा) है तथा जो धारेंद्रधर ता० महाबलेश्वर जि० सातारा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुभूती में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दुर्घट निवंधक वाई० मे०, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 13 अप्रैल, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे वह विश्वास करने का कारण है कि वयापूर्वक सम्पत्ति ना उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रनारक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात्,—

1. श्री मधुसुदन केशव येवतकिर, एडवोकेट मर्यादा भालीव श्रीपत्रराव होलकर के संपत्ति ओरजेंट्रिक्युटर पता-राजेन्द्र नगर, इंदौर, (मध्य प्रदेश) (अन्तरक)

2. श्रो (1) जेरबानू जेरप्रल्ली नानजी, (2) जेरप्रल्ली नानजी गढिया पो० पांचगणी तह० महाबालेश्वर, जि० सातारा।

3. श्रो एम० वी० मायनकिर 'चिमनबाग' पांचगणी-412805 जि० सातारा।

(वह व्यक्ति जिसके अधियोग में सम्पत्ति है)

4. श्रो एम० ठड़ी० मायनकिर 'चिमण बाग' पांचगणी-412805 जि० सातारा।

(वह व्यक्ति जिसके अधियोग में सम्पत्ति है)

को वह मूल्यना जारी करने पूर्वीका सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आश्रेप:—

(क) इस मूल्यना के राजाव में प्रकाश की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तदन्वत्थी व्यक्तियों पर मूल्यना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस मूल्यना के राजाव में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अशोहस्त्राक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन और उसके ऊपर तीन मकान, पांचगणी म्पुनिसिपल टाउन प्लैनिंग स्टीम नं० 3 फाईसल प्लाट नं० 270 (आधा हिस्सा) जो धारेंद्रधर गांव में ता० महाबलेश्वर जि० सातारा में स्थित है।

(जैमा की रजिस्ट्रीकृत विसेक फ० 432 जो 13-4-1980 को दुर्घट निवंधक वाई० के दफ्तर में लिखा है)।

ए० सी० चंद्रा,

सक्षम प्राधिकारी,

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज पूना

दिनांक: 7-10-1980

मोहर:

पद्म प्राईटी टी० एन० एस०--

1 श्री अर्जुन कुमार मेहता

गांगार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

(अन्तर्गत)

धारा 269-प (1) के प्रधीन सूचना

2 श्रीमती राजेश्वरा देवी

भारत सरकार

(अन्तर्गत)

हायर न्यू, उठाय 6 भाष्कर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 16 मितम्बर 1980

निर्देश न० प्रा०-१५९/अर्जन— प्रत मुझे अमर मिह विगेन,

प्राष्टकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प्र के अधीन नवाचार प्राप्तिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानीय सम्पत्ति, दिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी न० ज्ञान भवि है तथा जो गुजराती मोहल्ला मुरादाबाद में स्थित है (और उसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विलिए हैं) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुरादाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 19 भार्च, 1980।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीन सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के अन्वेषण में अधिक है और अन्तररु (अन्तरकों) और प्रलैखिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया पतिष्ठत निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित गे वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण ने दूई किमी आय की बाबत, उस अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उपरे बचने में सुविधा दिए, और/या

(ब) ऐसी किमी आय या किमी धा या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आय हर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण में, मैं उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-प की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्ता:—

को यह घोषा जारी हरके पूर्णका गमनि हे अर्जेन के लिए कार्यवाहिया करना है।

उक्त घोषि 6 अर्जेन के अवधि में कोई भी आवेदन —

(क) इस घोषि में प्रकाशन की गारीब में 45 दिन की अवधि या अन्यमध्यी व्यक्तियों पर मूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, तो भी अवधि गारि में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किमी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस मूचना हे राजत्रि में प्रकाशन की गारीब में 45 दिन के गोतर रक्ताभावर भमणि में हितवद्व निमी गमन विवाह द्वारा नामांकनो के गम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण——इन्हे प्राप्ति गज्जो प्रीर तो ना, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही पर्यं होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक फिरा ग्रामजी उक्तादा मक्काई व गदर दरवाजा गुमावस्था रक्कई 255 05 वर्गमीटर वाके मोहल्ला गुजराती गहर मुरादाबाद व वह गारो मम्पति जो मेलडीड नया फार्म 37-जो सख्ता 774/80 में वर्णित है जिनका पजीकरण रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मुरादाबाद के कार्यालय में दिनांक 19-3-1980 को किया जा चुका है।

अमर मिह विगेन,
मक्कम प्राधिकारी,
महाक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जेन रेज, लखनऊ,

दिनांक 16-9-1980
मोहर.

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायलिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 20 सितम्बर 1980

निवेश सं० वी०-४७/अर्जन—‘आत’, मुझे, अमर सिंह विसेन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दो मंजिल मकान व भूमि है तथा जो गुजराती मोहल्ला मुरादाबाद में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण स्वप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कायलिय मुरादाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 19 मार्च, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने ता तारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उत्तरण में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः उक्त अधिनियम, की धारा 269-ष के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री अजय कुमार मेहता

(अन्तरक)

2. श्री विनोद कुमार

(अन्तरिती)

3. मुकिर

(यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायावाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी घोषणा:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरन्वारी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दृष्टव्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोलक्षणारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान पुखता दो मंजिला व सदर दरवाजा दबिनरुखा मय आराजी तहती 200.31 वर्ग-मीटर वाकै मोहल्ला गुजराती णहर-मुरादाबाद, तथा वह सारी तमाम सम्पत्ति जो सेलडीड और फार्म 37-जो संख्या 773/80 में वर्णित है जिनका पजीकरण सब रजिस्ट्रार कायलिय मुरादाबाद के कायलिय में दिनांक 19-3-1980 को किया जा चुका है।

अमरसिंह विसेन,
सक्षम प्राधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक: 20-9-1980
मोहर.

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधोन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रन्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 20 सितम्बर 1980

निदेश सं० बी०-१०/ग्रन्जन—अतः मुझे, अमर सिंह बिसेन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ७८ है तथा जो मो० रेहमखानी काशी-पुर नैनीताल में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट प्राधिकारी के कायलिय काशीपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 27 मार्च, 1980।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य से यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरीती (अन्तरीतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दनें के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहुए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री मूल प्रकाश

(अन्तरक)

2. श्रीमती बीनारानी, बीना अग्रवाल उर्फ शोभा अग्रवाल तथा श्रीमती रेखारानी

3. उपरोक्त अन्तरितोगण (अन्तरिती) (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ भी आशेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तारीखन्ती व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिचालित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

एक मकान दो मंजिला पक्का नं० ९७ वाके मोहल्ला रेहमखानी काशीपुर जिला नैनीताल व वह तमाम सम्पत्ति जो सेलडीड तथा फार्म ३७-जो संख्या ८५६ में वर्णित है जिनको पंजीकरण मब रजिस्ट्रार काशीपुर के कायलिय में दिनांक 27-३-१९८० को किया जा चुका है।

अमर सिंह बिसेन,
मक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रन्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक: 20-9-1980

मोहर:

प्रृष्ठ प्राइंट टी० एन० एस०—

प्रायोगिक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 11 अगस्त 1980

निवेश सं० पी० आर० 1145 ए० सी० क्य० 23-1/80-81—अतः मुझे एस० एन० मंडल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० एफ० ए० नं० 923 टी० पी० एम० 3,
सब प्लाट नं० ए० पैकी है तथा जो पालडी, अहमदाबाद
में स्थित है (और इससे उपावर्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदा-
बाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन 7 फरवरी, 1980।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दूर्घमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह
विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दूर्घमान प्रतिफल से, ऐसे
दूर्घमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तररु (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपचारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री रशिक लाल प्रिकमलाल शाह; द्वारा; उनकी
गठिल मुख्तार; श्री चीनुभाई चंदुलाल शाह; बी०-6,
आवारार एपार्टमेंट्स स्टै० ज्ञोवर्हर रोड, अहमदाबाद।
(अन्तरक)

2. संस्कार विकास मंडल मालीकी एसोसिएशन द्वारा;
श्री तद्धन सी० शाह, के०/आफ मैसर्ज गांधी एण्ड क०
17-19, दूसरी मजिल ई० बी० शोकीगा सेन्टर
अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजंत के
लिए कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अजंत के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास त्रिक्षिक
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
पर्याय होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका एफ० जी० नं० 923, टी० सी० एस० 3
माप 624 वर्ग गज, पैकी अविभाजित 1/2, जो पालडी
अहमदाबाद में स्थित है। और वह रजिस्ट्री अधिकारी अहम-
दाबाद द्वारा विधी रजिस्टर्ड है, जिसका बिक्री दस्तावेज
नं० 2506/7-2-1980 इस तरह मिलकल का पूर्ण वर्णन
इसमें दिया गया है।

एस० एन० मंडल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अहमदाबाद

दिनांक: 11-8-1980

मोहर:

प्रकृष्ट आई० टी० एस० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के व्यापक सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 11 अगस्त 1980

निदेश सं० पी० आर० नं० 1146 ए० सी० क्य० 23-1/

80-81—अतः मुझे एस० एन० मण्डल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के व्यापक सम्मति विवाहितों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है

और जिसकी सं० एफ० पी० नं० 923, टी० पी० एस० 3 सब प्लाट नं० १० ए० है। तथा जो पालडी, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 7 फरवरी, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का फँटह प्रतिशत अधिक है और अन्तररु (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में व्यापक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से तुझे किसी प्राप्त की बाबत, उक्त अधिनियम के व्यापक सम्मति करने के अन्तररु के वायिक्ष में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आप या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थी अस्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण में, म, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री रसिक लाल विकमला शाह द्वारा उनके भाई मुख्तार श्री चीनुभाई चंदुला शाह बी-6 एपार्टमेन्ट्स, स्टै० झोवर्इर रोड, अहमदाबाद।
(अन्तरक)

2. संस्कार विकास मण्डल मालिकी एसोसियेशन, द्वारा श्री तदण सी० शाह के०/आफ मैमस गांधी एण्ड कं० 17-19, दूसरी मंजिल, ई० बी० थेवीय सेन्टर, अहमदाबाद।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के व्यञ्जन के सिए कायदाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्यापे।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोइस्टाकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका एफ० पी० नं० 923, टी० पी० एस० 3, माप 624 वर्ग गज, पैकी 1/2 अविभाजित जो पालडी, अहमदाबाद में स्थित है। और वह रजिस्ट्री अधिकारी अहमदाबाद द्वारा विधि रजिस्टर्ड है, जिसका विक्री दस्तावेज नं० 2505/7-2-1980 इस तरह मिलकत का पूर्ण वर्णन इसमें दिया गया है।

एस० एन० मण्डल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, अहमदाबाद

दिनांक : 11-8-1980

मोहर :

प्रूप आईटी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 19 अगस्त, 1980

निर्देशांग० जी० एन० 1160ए० सी० क्य० 23-1/80-81—
अतः मुझे एम० एन० मांडल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के
प्रधीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है।

श्रीरजिसकी स० 4085, एन० जी० न० 7324 से 7332 प्लाट
न० 23 एस न० 40 है तथा जो बुगलाव एरिया, वी० न० 26,
कुबेरनगर अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबन्ध अनु-
सूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन 27 फरवरी, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से अधिक नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था कि या जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-प के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती चंद्रावती फतहचंद रामानी नवरंगपुरा टेली-
फोन एक्सचेंज के पीछे अहमदाबाद।
(अन्तरक)

2. (1) श्री श्यामसुन्दर गंगाराम सानतानी
(2) श्रीमती ईश्वरीबाई गंगाराम सानतानी दोनों
बंगलाव न० 26, बुगलोव एरिया, कुबेरनगर,
अहमदाबाद।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति के द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिन-
बद्द किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीकृताकारी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

इमारत जो 500 वर्ग गज जमीन पर खड़ी है, जिसका
सी० टी० सर्वे न० 4085, एन० जी० न० 7324 से 7432,
प्लाट न० 23, एस० न० 40 वह बुगलाव एरिया, कुबेर-
नगर, अहमदाबाद में स्थित है। नया रजिस्ट्रीशन न०
1180/27-2-80 से रजिस्ट्रीकृत श्रीकी दस्तावेज में पूर्ण
वर्णन दिया गया है।

एस० एन० माँडल
संक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद।

दिनांक : 19-8-1980

मोहर :

प्रश्नप्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 18 सितम्बर, 1980

निर्देश सं० जी० आर० नं० 1181/ए० सी० क्य० 23- /80-81—अतः मुझे मांगीलाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० नं० 82, 83-1, 83-2, 83-3, 84 और
89 सब प्लाट नं० 35 है तथा जो मेमनगर अहमदाबाद,
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण स्पष्ट
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदा-
बाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 14 मार्च, 1980।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य के उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से तुर्हि किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या प्रथ्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, आ
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित अवित्तियों ग्राहीतः:—

1. श्रीमती ईन्दुबेन मुरागवाला 11 यूनियन सोसायटी,
25, जगन्नाथ प्लाट, राजकोट।

(अन्तरक)

2. श्री मुधीर भाई हरीलाल देसाई सी-4-1 सफदरगंज
डेवलपमेंट एरिया नई दिल्ली-16।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन
लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अधीन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तक्सकंधी अवित्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्तियों में से
किसी अवित्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
ग्रन्थ अवित्त द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
मर्य होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक खुली जमीन का प्लाट माप 707 वर्ग गज तथा
सं० नं० 82, 83-1, 83-2, 83-3, 84 और 89 सब प्लाट
35 का, तथा जो मेमनगर अहमदाबाद में स्थित है। मिलकस
का पूर्ण वर्णन बिक्री दस्तावेज जो रजिस्ट्रेशन नं० 4383
दिनांक 14-3-80 द्वारा रजिस्ट्रेशन किया है इसमें दिया
गया है।

मांगीलाल
सभी प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)।
अर्जन रेज-1 अहमदाबाद।

दिनांक : 18-9-1980

मोहर :

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 मितम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०-II/एस० आर-III/2-80/1079/अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० पोर्शन नं० 202 है तथा जो डी० एल० एफ० हाऊस कनाट प्लेस न्य० दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक फरवरी, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूष्यमान प्रतिफल का पग्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अस्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्रोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अविक्तियों, अर्थात् :—

1. मैरासी डी० एल० एफ० युनाइटेड लिमिटेड 21-22 नरिन्द्रा प्लैस, पार्लियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली।
(अन्तरक)

2. श्री एस० पाल एन० आफ श्री एच० आर० नन्दा और मास्टर पुनीत नन्दा सन आफ एस० पाल, न० डी० एस० ई०-1, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अविक्त द्वारा अधोहस्ताक्षर के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

हिस्सा नं० 202 हितीयतल सामने की बिल्डिंग में 192.25 वर्गगज (जिसमें दीवारों की मोटाई शामिल) डी० एल० एफ० हाऊस एफ 40 कनाट प्लेस नई दिल्ली में निश्च प्रकार से स्थित है।

उत्तर: द्वारे की प्राप्ती

दक्षिण: रास्ते का हिस्सा

पूर्व: हिस्सा नं० 203

पश्चिम: हिस्सा नं० 201

आर० बी० एल० अग्रवाल,
सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज-II दिल्ली-110002

दिनांक: 4-10-1980

मोहर:

प्रकृष्ट प्राईंटी•एन•एस•---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, एच ब्लाक विकास भवन आई० पी० एस्टेट

नई दिल्ली, दिनांक 4 अक्टूबर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य० II/एस० आर-III/2-80

1069—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' भहा गया है),
की धारा 269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवास
करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 201 दिनीयतल है तथा जो डी० एल० एफ०
हाउस एफ-40 कनाट प्लेस नई दिल्ली में स्थित है (और इससे
उपाध्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्सी अधिकारी के कार्यालय, दिनांक 29 फरवरी 1980
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
प्रदृढ़ प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रत्यरूप के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिस्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या छन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ प्रत्यरिति द्वारा प्रकट महीं किया
गया था या किया जाना जाहिए था, लिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण में,
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-प (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1 मैं० डी० एल० एफ० युनाइटेड बिल्डिंग, 21-22
तरिन्द्रा प्लेस, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. मास्टर विकें कुमार गुप्ता, मास्टर राहुल गुप्ता
द्वारा आर० के० गुप्ता, 58 माडल बस्ती दिल्ली
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के नंबर में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तासंबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रश्नोहस्ताशी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण —इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के अन्तर्याम 20-क में परिभ्रान्ति
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अन्तर्याम में
दिया गया है।

हिस्सा नं० 207 दिनीयतल डी० एल० एफ० हाउस
कनाट प्लेस, नई दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

दिनांक : 4-10-1980

मोहर :

प्रसूप आई० टी० एन० एस० —
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, एच० ब्लॉक विकास भवन आई० पी० एस्टेट

नई दिल्ली, दिनांक 4 अक्टूबर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एस्य० I/एस० आर०-III/2-

80/1029—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन भक्षण प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 201 द्वितीयता है तथा जो डी० एल०
एफ० हाऊस एफ-40 कनाट प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है
(और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भार-
तीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन दिनांक फरवरी 1980

को पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वांकित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:

(क) अन्तरण से हृइ० किसी आय की आबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर बने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

4—306GI/80

1. मैसर्स डी० एल० एफ० युनाइटेड बिल्डर्स 21-22
नरेन्द्रा प्लेस पार्लियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली।
(अन्तरक)

2. श्री रवि नन्दा पुत्र श्री एच० आर० नन्दा मुनीत-
नन्दा पुत्र श्री रवि नन्दा और रजनीश नन्दा पुत्र
सतीश नन्दा जे०-२७ एन० डी० एस० ई०, नई
दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यान्वयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में निर्णायित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

ममूल वी

हिस्सा नं० 219 द्वितीयता आगे की बिल्डिंग क्षेत्र-
फल 656 वर्गमीटर डी० एल० एफ० हाऊस एफ-40 कनाट
प्लेस नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित हैं:—

उत्तर: दूसरे की प्रापर्टी

दक्षिण: सीढ़ीयां व रास्ते का हिस्सा

पूर्व: हिस्सा नं० 202

पश्चिम: खुला

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज I, नई दिल्ली

दिनांक: 4-10-1980

मोहर:

प्रूष प्राईंट टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-J, एच० ब्लाक विकास भवन आई० पी० एस्टेट

नई दिल्ली, विनांक 4 अक्टूबर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०-II/एस० आर० III/2-
80/1068—श्रः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 206 द्वितीयतल है तथा जो डी० एल०
एफ० हाऊस एफ-40 कनाट प्लेस नई दिल्ली में स्थित है
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के

अधीन विनांक फरवरी 1980

को पूर्वांक संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिक्रिया के लिए अन्तरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांक संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
प्रदृढ़ प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्ती
(अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(अ) अन्तरण से हृहृ किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिक्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मैसर्स डी० एल० एफ० युनाइटेड बिल्डर्स 21-22
नर्सिंग प्लेस पालियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली।
(अन्तरक)

2. श्री दिनेश कुमार गुप्ता पुत्र डा० मोती लाल गुप्ता
एन०-117 ग्रेटर कैलाश-I, नई दिल्ली।
(अन्तरिक्त)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आधेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बृक्ष विकास अधिकारी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें ग्राहक शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

हिस्सा नं० 206 द्वितीयतल डी० एल० एफ० हाऊस
एफ-40 कनाट प्लेस, नई दिल्ली-1।

आर० बी० एल० अग्रवाल,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

दिनांक : 4-10-1980

मोहर :

प्रख्युक्त श्राई० टी० एन० एस०-----
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, एच० ब्लाक विकास भवन श्राई० पी० इस्टेट

नई दिल्ली, दिनांक 4 अक्टूबर 1980

निर्वेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्य० I/एस० श्रार० III/2-80/1077—अतः मुझे, श्रार० बी० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष
के अधीन सम्प्रभास प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर मम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है।

और जिसकी सं० 209 द्वितीयतल है तथा जो डी० एल०
एफ० हाऊस एफ-40 कनाट प्लेस में स्थित है (और इससे
उपावस्थ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजि-
स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक 29 फरवरी 1980 को।

पूर्वोक्त राम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त राम्पति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात् :—

1. मैसर्स डी० एल० एफ० यूनाइटेड लिमिटेड 21-22
नरिन्द्रा प्लेस पार्लियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली।
(अन्तरक)

2. श्रीमती बृज रानी गुप्ता पत्नी श्री एन० के० गुप्ता
श्रीमती पुष्पा गुप्ता पत्नी श्री ओ० पी० गुप्ता
एन-99 ग्रेटर कैलाश-I, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त राम्पति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त राम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी अवित्यों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
मम्पत होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्यों में से
किसी अवित्य द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त सम्पति में
हितबद्ध किसी अन्य अवित्य द्वारा, अवित्यसंतुरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

हिस्सा नं० 209 द्वितीय तल डी० एल० हाऊस
एफ-40 कनाट प्लेस नई दिल्ली में निम्न प्रकार स्थित है :—

उत्तर : रास्ते का हिस्सा और सीढ़ियां

दक्षिण : दूसरे की प्रापर्टी

पूर्व : हिस्सा नं० 208

पश्चिम : खुला

श्रार० बी० एल० अग्रवाल,
सक्षम प्राधिकारी,

सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-1, नई दिल्ली,

दिनांक : 4-10-1980

मोहर :

प्रसूप आई० डी० एन० एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की ओर
269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-I नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 अक्टूबर, 1980

निर्देश सं० आई०ए० सी०/एक्यू० I/एस० आर० III/2-80/

1078—प्रतः मुझे आर० बी० एल० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की ओर
269व के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विषयास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति रिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 208 द्वितीयता है तथा जो डी० एल०
एफ० हाऊस एफ-40 कनाट प्लेस में स्थित है (और इससे
उपावड़ अनुमूल्यों में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम (1908 1908 का 16) के अधीन दिनांक
29 फरवरी 1980।

फो प्रॉब्रेक्ट संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विषयास करने
का कारण है कि यथाप्रॉब्रेक्ट संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित छटेश्य से उक्त प्रतिरण लिखित में
वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत उक्त अधिनियम के प्रभीन कर देने के प्रतिरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आमितियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

प्रतः, अब, उक्त अधिनियम की ओर 269व के अनु-
मत भवति में, उक्त अधिनियम की ओर 269व की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात्:—

1. मैसर्सं डी० एल० एफ० यूनाइटेड लिमिटेड 21-22
नरिन्द्रा प्लेस पालियामेट स्ट्रीट नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती शान्ति देवी पत्नी रत्नलाल एन-99 ग्रेटर
कैलाश I नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्बन्ध के प्रज्ञन के
लिए कार्यालयाहिती करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भा अवधि बाद
में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों ने मे
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और शर्तों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

हिस्सा नं० 208 द्वितीय तल क्षेत्रफल 372.95 वर्ग
गज (दीवारों की मोटाई शामिल) डी० एल० एफ० हाऊस-
40 कनाट प्लेस नई दिल्ली में निम्न प्रकार स्थित है—

उत्तर: रास्ते का हिस्सा

दक्षिण: दूसरे की प्रापर्टी

पूर्व: हिस्सा नं० 207

पश्चिम: हिस्सा नं० 209

आर० बी० एल० अग्रवाल,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-I विकास भवन दिल्ली

दिनांक: 4-10-1980

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269वं (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 अक्टूबर 1980

निर्देश मं० आई० ए० सी०/एक्य० I/एस० आर-III/2-80/
961/अतः मुझे आर० बी० ए८० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-वं
के अधीन सशम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थार भवति. जिपका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है।

और जिसकी सं० बेसमेन्ट 4 है तथा जो कर्मिशयल कम्प-
लेक्स प्रेटर कलाश-II नई दिल्ली में स्थित है (और इससे
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक
फरवरी 1980।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चह प्रतिपत्ति अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवधि, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसी निसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिति द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

असः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-वं के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-वं की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्थतः—

1. मैसर्स डी० एल० एफ० बिल्डर्स 21-22 नरिन्द्रा प्लैस
पार्लियामेंट स्ट्रीट नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. डीसिन (नई दिल्ली) प्राइवेट डब्ल्यू०-1 प्रेटर कलाश-I,
नई दिल्ली।

(अन्तरिति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आमेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभासित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बेसमेंट नं० 4, बेसमेंट फ्लोर, तीन मंजिला कर्मिशयल
बिल्डिंग प्रेटर कलाश II, नई दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I नई दिल्ली-1

दिनांक : 4-10-1980

मोहर :

प्रहृष्ट प्राईंट डी० एन० एस०-----
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, एच ब्लाक, विकास भवन, आई०पी० इस्टेट नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 4 अक्टूबर 1980

नदेंग सं० आई० ए० सी०/एक्यु०-१/एस० आर० II/2-80/
962—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० एक से बार प्रथम तल है तथा जो कमशियल
कम्पलैक्स बिल्डिंग ग्रेटर कैलाश-II में स्थित है (अंतर
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक फरवरी 1980

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिक्रिया के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्रिया से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिक्रिया का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और
अस्तरक (अन्तरिक्षों) और प्राप्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिक्रिया, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित
नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य आस्तियों
को, जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनाव अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनु-
सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अवृत्ति :—

1. मैसर्स डी० एल० एफ० बिल्डर्स 21-22, नरिन्द्रा
प्लेस, पालियामेन्ट स्ट्रीट, नई दिल्ली।
(अन्तरक)

2. इन्ड्यूर प्राइवेट लिमिटेड, डब्ल्यू-, ग्रेटर कैलाश-I
नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवृत्त के लिए
कार्यवाहीया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अवृत्त के सम्बन्ध में होई भी आंशिक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
प्रत्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षिताकारी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

इष्टीकारण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वर्वों का, जो उक्त अधि-
नियम के प्रव्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 1 से 4, प्रथम तल, कमशियल कम्पलैक्स
ग्रेटर कैलाश-II नई दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I नई दिल्ली-1

दिनांक : 4-10-1980

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंट टी० एन० एस० -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा

269 अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, एच ब्लाक, विकास भवन, आई०पी०इस्टेट, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 4 अक्टूबर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य० I/एस० आर-III/2-80/
963—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उचित अधिनियम' कहा गया है), जी धारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी स० 506 प्रथम तल है तथा जो कर्मशियल कम्पलैक्स ग्रेटर कैलाश-II में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक फरवरी 1980।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से ५% के दूष्यमान प्रतिकाल के लिए प्राप्तरित की जाई है और युक्त यह विवास करने का कारण है कि यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूष्यमान प्रतिकाल से ऐसे दूष्यमान प्रतिकाल का अनुद्वाह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाकत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) में प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया था का या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 मैसर्स डी० एल० एफ० चिल्डर्स 21-22 नरिन्द्रा रोड
पानियामेन्ट स्ट्रोट, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. इन्डियर प्राईवेट लिमिटेड, डब्ल्यू०-ज्यैटर कैलाश-1,
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयित्व करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी अवधियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, तो भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिन्दूद्वारा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

ध्यावाकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वदों का, जो उक्त अधिनियम के अन्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अन्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

फ्लैट्स न० 5 और 6, फ्लैट फ्लोर, कर्मशियल कम्पलैक्स, ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली ।

आर० बी० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, नई दिल्ली

दिनांक : 4-10-1980

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंटी • एन • एम • ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, एच ब्लाक बिकास भवन, अई पी एस्टेट, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 4 अक्टूबर, 1980

निर्देश सं० प्राईंटी ए० सी०/एक्यू०-II/एस० प्रार-III/2-80/

1017—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 41) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- इयरे में अधिक है,
और जिसकी सं० फ्लैट नं० 8 द्वितीय है तथा जो कमशियल
कम्पलैक्स ग्रेटर कैलाश II, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे
उपर्युक्त अनुच्छेद में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक
फरवरी, 1980।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रमाणित
(अन्तरकों) और अन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अनुसरण लिखित में वास्तविक रूप से नहीं
किया गया है :—

(क) प्रमाण से हुई किसी आय या आवत उक्त
प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपचारा, (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स डी० एल० एफ० बिल्डर्स 21-22 नरिन्द्रा प्लेस
पालियामेंट स्ट्रीट न्यू दिल्ली।

(अन्तरक)

2. मैसम एस्कॉट्स इम्पलाइस् एनसिलसि लिमिटेड
20/4 मथुरा रोड फरीदाबाद (हरियाणा)
(अन्तर्गत)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यालयिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदृष्टाकारी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अमृसंची

फ्रेट नं० 8 द्वितीय तल कमशियल कम्पलैक्स ग्रेटर कैलाश-2
नई दिल्ली-48।

आर० बी० एल० अग्रवाल,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 1 नई दिल्ली

दिनांक : 4-10-1980
मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एम०-----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269ग(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

एच० ब्लाक विकास भवन आड० पी एस्टेट
नई दिल्ली, दिनांक 4 अक्टूबर 1980

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०-१/एस० आर०-III/2-8०ब
१११—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि द्वावर संति त्रियका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु
से प्रधिक है

और जिसकी सं० शाप नं० ७ ग्राउंड फ्लोर है तथा जो
कमिशनल कम्पलेक्स ग्रेटर कैलाश नई दिल्ली में स्थित है
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भार-
तीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन दिनांक फरवरी, 1980।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे वह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से प्रतिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के बिषु तर पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रतरण लिखित में
शास्त्रिय रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
शायित्व में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को जिन्हें आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ प्रत्यारिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना
चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
5-306GT/80

1. डी० एन० एफ० बिल्डर्स 21-22 नरिन्द्रा प्लेस
पालियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती मचित कुमारी पंखू द्वारा नीता रानी
यादव गांव और आकड़ाना चिता दीगरा तहसील
रिवाड़ी डिस्ट्रिक्ट महेंद्रगढ़ (हरियाणा)

(अन्तरिती)

को यह तुरंग आसी नरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रबंध के
लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भ्रान्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रवधि या तसम्बन्धी अवित्यों पर
सूचना तो तामीर से 30 दिन की प्रवधि, जो भी
प्रवधि वाले में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अवित्यों में में किसी अवित्य द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी पन्थ अवित्य द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास
लिखित किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

दुकान नं० ७ ग्राउंड फ्लोर कमिशनल कम्पलेक्स ग्रेटर
कैलाश II नई दिल्ली-48।

आर० बी० एल० अग्रवाल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1 दिल्ली,
नई दिल्ली-110002

दिनांक: 4-10-1980

मोहर:

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, महायकर आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-, नई दिल्ली
एच० ब्लाक विकास भवन आर्टी० एस्टेट
नई दिल्ली-110002, दिनांक 4 अक्टूबर 1980

निर्देश सं० आर्टी० ए० सी०/एक्य०-II/एन० आर० III/2-80/
1779—अतः, मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिद इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिराका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है।

मैं जिसकी सं० 17 एच० है तथा जो एन० टी० एस० ई०
नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-
लय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक 18 फरवरी 1980।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिक्रिया के लिए अन्तरिक्ष की पड़ते हैं और मूल्य यह विवास करने
का कारण है कि दृश्यमान सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिक्रिया से ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रिया का पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरिक्ष (अन्तर्क्रों) और अन्तरिक्ष (अन्तरिक्षों)
के बीच ऐसे प्रत्यक्षण के लिए तथा पाया गया प्रतिक्रिया
निम्नलिखित उक्त संकेतन के द्वारा प्राप्ति के वास्तविक रूप से
क्षित नई दिया गया है।—

(१) अन्तरिक्ष दोहुई हिसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरिक्ष के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(२) ऐसी हिसी आय पा किसी घर या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें प्रारंभी आयकर मधिनियम, 1922 (1922
का 11) पा उक्त अधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रधोगतार्थ अन्तरिक्षी
द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के मनुस्तरण में,
में उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपस्थारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

1. श्री बाल कुण 56 जोर बाग नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती भारती नरला पत्नी रतन मिह नरला
बेंगकाक द्वारा गुरचरन कौर (मा) एच-17 एन०
टी० एस० ई० पार्ट-I नई दिल्ली ।

(श्रीमती)

मैं यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यादिश करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में रोड भा। क्षेत्र.—

(क) इस सूचना के राजाएँ में प्रकाशन की तारीख में 45
दिन की अवधि या तत्प्रवर्त्ती व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
रामाप्त होती हो के भी। रुवांसा व्यक्तियों में तो किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 15
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधांहस्ताशरी के पार लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रधायाय 20-३ में परिभाषित
हैं, वा इसके द्वारा दी गयी उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक ढाई मंजिला मकान जो फी होल्ड प्लाट नं० 17
ब्लाक एच० थोकफल 345 वर्ग गज, नई दिल्ली साऊथ एक्स-
टेनशन पार्ट-I में निम्न प्रकार स्थित है।

पूर्व : कोटला गांव

पश्चिम : मकान नं० 18

उत्तर : सड़क

दक्षिण : सर्विस लेन

आर० बी० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-, दिल्ली,

नई दिल्ली-110002

दिनांक : 4-10-1980

मोहर :

प्र० ४ आई० टी० एन० एस०

आग्रह अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-य (1) के प्रधीन मूलना

भारत सरकार

कार्यालय: सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

एच० ब्लाक विकास भवन आई० बी० एस्टेट

नई दिल्ली-110002, दिनांक 4 अक्टूबर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एस्य०-II/एस० आर-III/2-80/

1004—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके वाचात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-य के प्रधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने वा कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार पूँज 25,000/- रुपये में अधिक है

श्रीर जिसकी मंज्या III-जी/35 है तथा जो लाजपत नगर नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 23 फरवरी 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टमान प्रतिफल के लिए प्रमुखित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि दृष्टांकित पम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टमान प्रतिफल से ऐसे दृष्टमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अस्तरकों) और अन्तरिती (प्रमुखितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अनुसरण लिखित में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है:—

(अ) प्रतिफल से ही लिसी प्राप्त की बाबत उक्त प्रधिनियम, के प्रधीन कर देने के अस्तरक के विविध में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी रिपो जार या किसी प्रत ग्राहण वास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकृत नहीं किया गया वा जो किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

1. श्री हुक्मचन्द्र अमर पुत्र नन्दलाल जी-35 लाजपत नगर-गा नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती विश्व देवी हरीशचन्द्र मेहता छत्तरगढ़ मेहता पुत्र स्वर्गीय श्री राधा चत्तरगढ़ मेहता III-जी/35 लाजपत नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह मूलना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवैत के लिए सार्वधारियी करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रधीन के संबंध में कोई भी विवेप:—

(क) इस मूलना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूलना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस मूलना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अस्थ व्यक्ति द्वारा, घोषित भारी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिचालित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

रिहायशी मकान III-जी/35, लाजपत नगर नई दिल्ली एरिया 200 वर्ग मज।

आर० बी० एल० अग्रवाल,
सक्रम प्राधिकारी,
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I दिल्ली,
नई दिल्ली-110002

दिनांक: 4-10-1980

मोहर:

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-य के अनुसरण में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269-य की उप-धारा (1) के अन्तर्गत, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

प्रूप आई. टी. एन. एस. -----
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयां करता है।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I

एच० ब्लाक विकास भवन आई पी० एस्टेट, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 4 अक्टूबर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०-II/एस० आर० III/2-
80/974—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी के, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कुपि भूमि 36 बीघा 14 बिस्ता है तथा
जो गांव देवली नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाखद
अनुमूली में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्नी अधि-
कारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक फरवरी,
1980

को पूर्वांक संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूर्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वांक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
मूल्य, उसके दूर्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूर्यमान प्रतिफल का
पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
रोटर/ए

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, या, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री जगलाल और अन्य, गांव देवली तहसील महरौली
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. श्री हरविन्द्र पाल सिंह पुल श्री सोहन सिंह आनन्द
एन-3 एन० डी० एस० ई० नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
मात्र में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिमार्शित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुमूली

कुपि भूमि 36 बीघा 14 बिस्ता जो निम्नलिखित असरों
में है गांव देवली में है।

खेल नं०	नाम व हिस्सा	रैक्ट०	ऐरिया
18/133	जगलाल 1/4	28	12 (5-14)
	हरफूल 1/12		19 (4-10)
	बेमा 1/12		20 (1-11)
	सोभा 1/12		21 (2-07)
	हीरा 1/4		22 (4-16)
	रामनाथ 1/24	30	1 (3-7)
	रामकुमार 1/24		2 (4-16)
	बसन्ती 1/24		9 (4-16)
	रत्तीराम 1/8		10 (4-11)

(36-14)

आर० बी० एल० अग्रवाल,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, एच ब्लाक, इन्ड्र प्रस्त
स्टेट, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 4-10-1980

मोहर :

प्रलेप आई. टी. एन. एस.-----

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली
एम्बॉलोग विकास भवन आई० पी० एस्टेट
नई दिल्ली, दिनांक 4 अक्टूबर, 1980

निर्देश सं० आई० ए० नी०/एकू० I/एम० आर०-II/2-8 ०/
९८६/—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी मांगदा है तथा जो के-95 ए० बी०
कालका जी नई दिल्ली में विधिन है (अग्रे इगम; उपायदू
शनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), राज्यपत्री अधि-
कारी के नियमित, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 19
फरवरी, 1980।

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसराने
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और माफ़े यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दूसराने प्रतिफल से, ऐसे दूसराने प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हाई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती बाबा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधिकृत:—

1. श्री प्रानताथ पुत्र श्री हर्वंतलाल और अन्य 17
सेंट्रल एस्टेट ग्रांड निवास नई दिल्ली।
(अन्तरगत)

2. श्रीमती कृष्णा कान्ता तांगरी पत्नी; एफ० सी० तांगरी
ई-38 बी० के० कालोनी; नई दिल्ली।
(अन्तरितः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकें।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनुसूची

मकान नं० के०/95 ए० बी० ऑफिसल 201 थर्ग गज
कालका जी नई दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल,
सक्षम प्राधिकारी,
महायश आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1 दिल्ली,
नई दिल्ली-110002

दिनांक: 4-10-1980

मोहर:

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस. —————

1. प्रिंगेडियर मत्यानन्द इमरगनी ई-II/260 विनय भार्गव,
चान्कयापुर; नई दिल्ली।
(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

2. श्रीमति लंबा बल्लि और हर भजन कौर, सी-15
डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली।
(प्रन्तरित)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रीमति रेंज-ज, विभाग भवन एन० ब्लॉक आई प० ० प्रमट्ट

नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली, दिनांक 4 अक्टूबर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सं०/प्रकृ०-II/एम० आर. III/2-86/
1048—आठ: मुझे, आर० बै० ए० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269
वा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थानीय गंणना जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

श्रीर जिसका संक्षया सी-15 है तथा जो डिफेंस कालोनी,
नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाख्य अनुमति में
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रेक्टरी अधिकारी के
कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय स्टिम्प्डीज़न अधिनियम,
1908 (1908 ना 16) के अधीन दिनांक फरवरी 1980।

को पूर्वान्तर संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वान्तर संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल म, एम० दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप में अधित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हैर्स किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 691-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधितः—

को यह सूचना आरी करके पूर्वान्तर संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वान्तर
व्यक्तियों में भी किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस भूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही वर्त्त होंगा जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

मृत्तृश्ची

महान नं० सी-15, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली, श्रोत्रफल
361 वर्ग गज़।

आर० बै० ए० अग्रवाल,

मध्यम प्राधिकारी

ग्राम्या ग्राम्यकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रीमति रेंज-ज, दिल्ली

नई दिल्ली-110002

दिनांक: 4-10-1980

मोहर:

प्रसूप आई. टी. एन. एस.-----

1. श्र. जगन्नाथ पुत्र गाम्भीर्यास और श्री मर्ति: अमरीक कौर पत्न. जगन्नाथ बा०-४२ प्रेटर कैलांग, नई दिल्ली।
(प्रन्तरण)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज-१ नई दिल्ली
एन लोक विकास भवन आई० पी० इन्डेन

नई दिल्ली-110002, दिल्ली ५ अक्टूबर 1980

गिरेण म० आई० प० सी०/प०-१/एम० आर-III/३-४०/
९५४—प्रत: मुझे आरा० व०० प००० अप्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

ओर जिसकी म० १६ बंधा १६ विष्वास है तथा जो गांव
जनतारी नई दिल्ली में स्थित है (ओर इसमें उपावड़ ग्रन्त-
मूची में और पूर्ण रुप से वर्णित है) गंभीर्यास अधिकारी
के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय राष्ट्रसंघ करण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 11 फरवरी 1980
को पूर्वांक संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इयमान
प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है और मूले यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इयमान प्रतिफल में, ऐसे इयमान प्रतिफल का
पक्ष्यह प्रतिष्ठात से अधिक है और जन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
कल निम्नान्तरक दृष्टि, जो इस प्रकार लिखित में वास्तविक
रूप से कोई अनुसृत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदृ किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे अच्छे में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगान्वय अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की सफारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित ध्यवित्वों, अर्थात् :—

2. (डा०) मवु गुप्ता पत्ना० गुरेजा गुप्ता और सौरभ
गुप्ता (minor) पुत्र गुरेजा गुप्ता ४१ डिक्टे स ब०लोन;
नई दिल्ली।
(प्रन्तरण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रोप.—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की सामील से ३० दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीत से
४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा बधाहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकते।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसृची

गुणि भूमि १६ बंधा १६ विष्वासमान० ४१६ (4-16)
गाथ टप्पवैन० ४१६ (4-16) ४०७ (4-16) साथ टप्पवैन०
१०४ (2-8) गांव मत्तबरी, तहमान महराल; नई दिल्ली में
स्थित है।

प्रा० व०० ए००० अप्रवाल,
पत्रन प्राप्तिकरी,
महाया० आयकर आयकर (निरीक्षण),
अर्जन रेज-१ दिल्ली,
नई दिल्ली-110002

दिनांक: 4-10-1980

मोहर:

प्रलेप आई० टो० एन० एन० --

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 1 अक्टूबर 1980

निर्देश मं० आई० ए० भी०/एक्टु-II/एम० प्रार०-III/2-8-0/
1019—प्रन: मुझे, आर० ब०० ए००० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है,

और जिसकी सं० ब०-4-13 सं०० टो० है तथा जो दगानन्द
कालोन: नाजपतनगर 4 नई दिल्ली में स्थित है (और इसे
उपावद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अर्थात् दिनांक 29
फरवरी, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पद्धत् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

प्रत: प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमत: ज्ञान देवी० ब०-4-13 दगानन्द कालोन: लाल-
पात नगर नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री ज्ञानचन्द्र चूहरा० प-51 अमर नालोना० लालपा-
त नगर नई दिल्ली।

(प्रतिरक्ता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्मान्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्वैतस्तात्त्वी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

माननं० ब०-4-13, स०० टो० दगानन्द कालोनो०, भाजपत
नगर नई दिल्ली०, पूर्णा 100 वर्गगज।

प्रार० ब०० ए००० अग्रवाल
प्रधम प्राधिकारी
प्रधान आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रर्जन रेंज-1, दिल्ली०
नई दिल्ली०-110002

दिनांक: 4-10-1980
मोहर:

प्रसूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 अक्टूबर, 1980

निर्देश सं । आई० ए० सो०/गङ्गा० I/एस० आ०-III/2-
8 0/950/-—अतः मुझे, आर० बा० ए८० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं । जी-63 है तथा जो निजामुद्दीन (पश्चिमी)
नई दिल्ली में स्थित है (और इस उपाबद्ध अन्तर्भूति में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्स अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक फरवरी 1980
को पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हटाई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के धार्यत्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहों किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः आब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधिकारी:—
6-306GI/80

1. श्री एस० एन० कपूर पुत्र जी० एस० कपूर एफ-4 महा-
रानी बाग नई दिल्ली एटोरी कुमारी अनुराधा
कपूर है/4 महारानी बाग नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. मैमर्स बक्षा० राम विजय कुमार सेठ 649 कटरा
हरदयाल चांदना चौक देहली।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित
कार्यवाहीयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनुसूची

मकान नं । जी-63 क्षेत्रफल 198 वर्ग गज, निजामुद्दीन
पश्चिम नई दिल्ली।

आर० बी० एस० अग्रवाल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1 दिल्ली,
नई दिल्ली-110002

दिनांक: 4-10-1980

मोहर:

प्रृष्ठ पाई ० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 अक्टूबर 1980

तिर्देश में आई ० ए० भी०/एक्यू १/एस० आर० III/2-80/
1035—अन्तः सुन्दर, आर० बी० एल० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी संख्या सी-21 बी ह तथा जो एन० डी० एम०
ई० पार्ट-I नई दिल्ली में स्थित है (श्री इसमें उपाधि अनु-
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक फरवरी 1980
को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
इसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पारा गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर बने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आमितियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में मैउक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री त्रिलोचन मिह सी-21 बी, एन० डी० एस० ई०
पार्ट-I नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती सुरिन्द्र सोबती ३/१८ ए० नई डबल स्टोरी
लाजपत नगर ४ नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रमणः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर¹
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं० सी०-21 बी० एन० डी० एस० ई० पार्ट-I नई
दिल्ली एरिया 995 वर्ग फुट ।

आर० बी० एल० अग्रवाल,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-I, दिल्ली,
नई दिल्ली -110002

दिनांक : 4-10-1980
सोहर :

प्रैरूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

एच० ब्लाक विकास भवन आई० पी० एस्टेट

नई दिल्ली-110002, दिनांक 4 अक्टूबर, 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु I/एस० प्रार-III/2-80/
1018:—अतः मुझे आर० बी० एन० अग्रवाल,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० ई-201 है तथा जो ग्रेटर कैलाश I नई
दिल्ली में स्थित है (आर० इसमें उपांचढ़ अनुसूची में और
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक 29 फरवरी, 1980
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरस्ती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उदेश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्ति:—

1. श्री सरदारी लाल सूद युवराज भूद और श्रीमती
पारदा कुमारी सूद पत्नी सरदारी लाल सूद जी-9एन०
डी० एस० ई० पार्ट-I नई दिल्ली-४९।

2. श्रीमती कमला देवी जालान पत्नी श्याम मुन्दर
जलान मौहल्ला पमान हाँज काजी देहली और दूसरे।
(अन्तर्गत)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
45 दिन की अवधि या तत्पात्रती व्यक्तियों पर
सूचना की तामील गे 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितव्यव
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 201 ब्लाक नं० ई० ऑफिसल 208 वर्ग गज ग्रेटर
कैलाश पार्ट-I नई दिल्ली में निम्न प्रकार स्थित है।

उत्तर: मड़क

दक्षिण: मर्विम लेन

पूर्व: मकान नं० ई०-203

पश्चिम: मकान नं० ई०-199

आर० बी० एल० अग्रवाल,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, दिल्ली
नई दिल्ली-110002

दिनांक: 4-10-1980

मोहर:

प्रकृष्ट प्राईंटी० टी० एन० एस०—————

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 अक्टूबर 1980

निर्देश सं० प्राईं० ए० सी०/एक्यु I/एस० प्रार- /2-80:

1005/—अतः मुझे, प्रार० बी० एल० अग्रवाल,
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सम्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 5-455 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-2 नई
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट प्राधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक फरवरी 1980।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
घनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या छिपाने में
सुविधा के लिए;

1. श्री प्रार० के० सलवार और डा० मिसिज एस० एल०
तलवार 23 ए० रिंग रोड लाजपत नगर-2 नई दिल्ली।
(अन्तरक)

2. मैसर्स साउथ दिल्ली टैक्टंस प्राईवेट लिमिटेड 23/2
युसफसराय नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रमण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की प्रवृत्ति या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधि-
नियम के अध्याय 20-न में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 455 ड्लाक एस० थेक्सफल 466 बर्ग मीटर
ग्रेटर कैलाश पार्ट-2 नई दिल्ली।

प्रार० बी० एल० अग्रवाल
सम्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1 दिल्ली
नई दिल्ली-110002

प्रतः; अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ब के अनु-
सरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्यातः—

दिनांक: 4-10-1980

मोहर:

प्रकृष्ट प्राईंटी-एन-एस—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रन्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, 110002, दिनांक 4 अक्टूबर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एफ्य०-१/एस० प्रार-III/2-80/
1049—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास
करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी संख्या डब्ल्यू-I है तथा जो ग्रीन पार्क नई दिल्ली
में स्थित है (और इसमें उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के प्रधीन दिनांक 21 फरवरी 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथा फाया जाया प्रतिकल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कर्तित
नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269-व के प्रमुखरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:-

1. श्रीमती शान्ति देवी पत्नी स्वर्गीय श्री टीकम दास
गुगलानी 6ए/45 डब्ल्यू० ई० ए० करोल बाग, नई
दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री अशोक कुमार जैन पुत्र महाबीर प्रसाद जैन
4556 पहाड़ी धीरज सदर बाजार दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजन के
लिए कार्यान्वयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के अजन के संबंध में कोई भी वाक्य नहीं।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि द्वारा मैं समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में
हितवद्धि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अप्रोक्षताकारी
के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वरूपकरण :—इसमें प्रयुक्त प्राप्तियों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम के अन्याय 20-क में परिभ्रान्ति
है, वही अर्थ होगा जो उस अन्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 1 ब्लाक डब्ल्यू० क्षेत्रफल 200 वर्ग गज ग्रीन
पार्क नई दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल,
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रन्जन रेंज-I;
नई दिल्ली-110002

दिनांक: 4-10-1980
मोहर:

प्रस्तुति आई. टी. एन. एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I,

एच० ब्लाक, विकास भवन, आई० पी० एस्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 अक्टूबर 1980

निर्देश मं० आई० ए० सी०/एक्य० १/एस० आर /2-80/
1003—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ई-389 ए० है तथा जो ग्रेटर कैलाश II नई
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपांचढ़ अनुमती में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय, नई
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन दिनांक फरवरी 1980

को पूर्वान्तर संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भुक्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वान्तर संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरीक्षीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृष्ट किसी आय की बावत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आविष्यों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगान्तर अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों वर्तमान:—

1. श्री अमर सिंह पुत्र इन्द्र सिंह श्रीमती हरजीत कौर
पत्नी अमर सिंह 4351 रेगरपुरा करौल बाग, नई
दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री सुरज प्रकाश, ई-389 ए० ग्रेटर कैलाश- , नई
दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वान्तर सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षण्यः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वान्तर
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं० 389 ए ग्रेटर कैलाश नई, दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल,

सकाम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-, दिल्ली

नई दिल्ली-1

दिनांक: 4-10-1980

मोहर:

प्र० प्र० शाई०टी०एन०एस०

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1,

एच० ब्लाक, विकास भवन, आई० पी० एस्टेट, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 4 अक्टूबर 1980

निर्देश सं० आई० ए० मी०/एक्य० I/एस० आर० III/2-80/
1002—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी संख्या ई-337 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-II, नई
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक फरवरी, 1980
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अविक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती कृष्णा मेठी पत्नी श्री गुरदयाल चन्द्र और
अदरम् 167 कमला मार्शिट दिल्ली।

(अन्तरक)

2. मैमर्म भरस्वती बिल्डर्स केम II जी-1/16 अंसारी रोड
दिल्ली, नई दिल्ली द्वारा पार्टनर श्री सतीश
चन्द्र मेठ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्मान्धी अविक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में से
किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु
किसी अन्य अविक्त द्वारा, अधोदृस्ताकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रध्याय 20 के परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 337 ब्लाक ई० ग्रिहायशी स्कीम, ग्रेटर कैलाश
पार्ट-II नई दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल,
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक : 4-10-1980

मोहर :

प्राकृप पाई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजन रेंज-I,

एथ० ब्लाक, विकास भवन, आई० पी० इस्टेट, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 4 अक्टूबर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०-३/एस० आर-II/2-80/

1026—अतः मुझे, आर० बी० ए८० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व
के अधीन सकाम प्राप्तिकारी को, यह विवास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी संख्या 9 बीघा विवास है तथा जो सतबारी
गांव तहसील महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से अर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक
फरवरी, 1980 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास
करने का कारण है कि यहां पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का
पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और प्रस्तरक (प्रस्तरकों)
और प्रस्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में शास्त्रविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ल) दोनों किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वाय प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः यह, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपचारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अप्रियताः अर्थात्।—

1. श्रोमनी सत्या देवी शोरी पुत्र लेट श्री के० ए८०
गौतमकर्ता एच० य० एफ० 2 वेस्ट 5 पटेल रोड,
(अन्तरिती)

2. श्रो केवल कृष्ण दुम्भल द्वारा श्री जी० एस० दुम्भल
8/1 सेक्टर 13 आर० के० पुरम, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रंथ के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के ग्रंथ के सम्बन्ध में कोई भी घाकेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्तकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के अन्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अन्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 9 बीघा 12 बिस्ता (2 एकड़) खसरा मं०
472 व 473 गांव सतबारी तहसील महरौली में स्थित है।

आर० बी० ए८० अग्रवाल,
सकाम प्राप्तिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
ग्रजन रेंज-I, दिल्ली नई दिल्ली-1

दिनांक : 4-10-1980

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एम० एस०—
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I

एच ब्लाक, विकास भवन, आई० पी० एस्टेट, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 4 अक्टूबर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य० I/एस० आर०-III/2-80/
928—ग्रतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी संख्या 9 वीथा 12 बिस्वास है तथा जो गांव
छत्तरपुरा तहसील महरीली, नई दिल्ली में स्थित है (और
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक 5 अगस्त, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और
अन्तर (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तत पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य में उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप में कथित
नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरान के दायित्व
में कमी करने या उपरोक्त में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में
सुविधा के लिए;

ग्रतः, घब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित अवित्तियों, मर्यादा:—
7-306GI/80

1. श्रीमती फूला रानी पत्नी के आर० मोगा, एफ-92,
ईस्ट आफ कैलाश, नई दिल्ली।
(अन्तरक)
2. श्रीमती अषा कपूर पत्नी रमेश चन्द्र कपूर और
श्रीमती निशा कपूर पत्नी श्री हरि कपूर, उम्यू-59,
गेटर कैलाश-I नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी अवित्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्तियों में से
निसी अवित्तस्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य अवित्त द्वारा, अत्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

संलग्न हरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
पर्यंत होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 9 वीथा 12 बिस्वास खसरा नं० 1826
(4-16), 1827/1 (1-12), 1827/2 (3-4) साथ द्यबवैल,
फैन्सिंग वायर, एक कमरा गांव छत्तरपुर, नई दिल्ली में स्थित
है।

आर० बी० एल० अग्रवाल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 4-10-1980
मोहर:

प्रष्टप प्राई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-J,
एच ब्लॉक, विकास भवन, आई० पी० एस्टेट,
नई दिल्ली
नई दिल्ली-110002, दिनांक 4 अक्टूबर 1980

निर्देश मं० आई० ए० सी०/एक्य० I/एस० आर० III/2-80/
929—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है), की धारा 269-ग
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ह० से
अधिक है।

और जिसकी संख्या 8 बीघा 16 बिस्वास है तथा जो छत्तर-
पुर गांव नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावड़ अनु-
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 5 फरवरी, 1980
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रत्यरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यहांपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पश्चात् प्रतिशत
में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रत्यरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायितव में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना शाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः प्रब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथातः—

1. श्रीमती वलवन्त कौर पत्नी एस० एस० मोंगा, एफ-
92, ईस्ट आफ कैलाश, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती निशा कपूर पत्नी हरि कपूर और ऊपा
कपूर पत्नी रमेश चन्द्र कपूर, डब्ल्यू-59, ग्रेटर कैलाश,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्याप्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की प्रवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितीय किसी
ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, घब्राहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
बहु होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 8 बीघा 16 बिस्वास खसरा नं० 1825
(4-18), 1824 (3-18) साथ फैसींग बायर, एक कमरा,
बाग इत्यादि गांव छत्तरपुर, नई दिल्ली में स्थित है।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 4-10-1980

मोहर:

प्रसूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I एच० ब्लाक विकास भवन आई०
वी० स्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 4 अक्टूबर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०-/एस० आर०/III/
12-8/1027—ग्रन्त: मुझे आर० वी० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी संख्या 9 बीघा 12 विस्वाह है तथा जो गांव छतरपुर
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख फरवरी 1980
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वीना सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से
मध्यिक है और अस्तरक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
रद्दूश्य से उक्त अन्तरण विवित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण म हुई किसी आप को बाबत, उक्त
अधिनियम के प्रधीन रूप देने के अन्तरक के दायित्व में
कपो शर्ते या उतार रखने में विविध के लिए;
ओ 'या

(ख) ऐसी किसी आप या किसी घन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः वब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपचारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अवारु :—

1. श्रीमती ललिता दीक्षित पत्नी विद्यानन्द दीक्षित
आर०-45 ग्रेटर कैलाश नई दिल्ली (अन्तरक)
2. श्री कंवल कृष्ण दुग्गल द्वारा श्री जी० एस० दुग्गल
/80/1 सेक्टर 13 आर० के० पुरम नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहीया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के ग्रजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सके।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही
मर्य होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

कृषिभूमि 9 बीघा 12 विस्वा (2 एकड़) खसरा नं०
474/1, 474/2, 475/1, 475/2 गांव सतवडी, तहसील
महरोली नई दिल्ली में स्थित है।

आर० भी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली-110002

तारीख 4-10-1980

मोहर :

प्रस्तुप पाई० दी० एम० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1 एच ब्लाक विकास भवन आई० वी० एस्टेट
नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 4 अक्टूबर 1980

निर्देश सं० आर० ए० सी०/एक्य० /एस० आर० III/
2-80/968—प्रतः मुझे आर० वी० एल० अग्रबाल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है), की धारा 269-ग
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
में अधिक है

और जिसकी संख्या ई-274 है तथा जो ग्रेटर कैलाण-1
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्व
सेव वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख 14-2-80
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उस
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिकी
(अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से नहिं नकारा गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी/किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिकी व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मेरे उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपचारा (1)
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. सुरेन्द्र नाथ तलवार पूर्व भागर चन्द्र तलवार 90/64
वी० मालवीय नगर नई दिल्ली (अन्तरक)

2. श्री सत्या नारायण शानचन्द्र और सतीश कुमार पूर्व
श्री बनारसी दास गुप्ता एम० 40 ग्रेटर कैलाण मार्केट नई
दिल्ली (अन्तरिक्षियों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवैन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अवैन के मध्यमें होई भी प्राप्त :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन को व्यक्ति या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की व्यवधि, जो भी
अवधि बाव भूमि समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रबोहस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 274 ब्लाक नं० ई० क्षेत्रफल 223 वर्ग गज
जो रिहायरी कालोनी ग्रेटर कैलाण पार्ट-I नई दिल्ली में
निम्न प्रकार स्थित है।

उत्तर——सर्विस लेन

दक्षिण : सड़क

पूर्व प्लाट नं० ई०-276

पश्चिम प्लाट नं० ई० 272

आर० वी० एल० अग्रबाल
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, नई दिल्ली -110002

तारीख 4-10-80

मोहर :

प्रकल्प आई० टी० ए० एस०--

शोधकर प्रबिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, एच लाक विकास भवन आई० पी०
एस्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 4 अक्टूबर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०I/एस० आर० III 2-80/
990—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है।

और जिसकी संज्ञा कृषि भूमि है तथा जो 9 बीघा छतरपुर गांव
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908

(1908 का 16) के अधीन तारीख फरवरी 1980
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धति
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

1. श्री धर्म पाल धवन श्रीमति सुनीता धवन 5/18 ग्रान्टि
निकेतन नई दिल्ली
(अन्तरक)

2. श्री तेन प्रोपर्टी प्राइवेट लिमिटेड 23 जोरदार
नई दिल्ली
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रबंधन के
लिए कार्यबाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रबंधन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
व्यक्ति बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षिताकारी के
पास लिखित सें किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

कृषि भूमि जो गांव छत्तर पुर तहसील महरौली में है।
खसरा नं० 1021, 1003/2/2/1, 1024/1, 1035/2
व 1022 क्षेत्रफल लगभग 9 बीघा

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली-110002

तारीख 4-10-80
मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुशरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रकाश प्राईंटी एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के प्रधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, एच० ब्लॉक, विकास भवन
आई० पी० एस्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली, 110002, दिनांक 4 अक्टूबर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य० II/एम० आर० III/
2-80/995—ग्रतः मुझे आर० बी० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पाचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, पह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है।

श्रीर जिसकी संख्या जी० 59 है तथा जो लाजपत नगर
नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में
पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख फरवरी 1980
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रस्तुति की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अस्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए क्या
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण विवित में
वास्तविक रूप से क्यित नहीं किया गया है:—

(क) प्रस्तरण से हुई किसी धार्य की बाबत, उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के
धर्यित्व में कभी करने या छस से बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
ष्टनन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनायं प्रत्यारिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने
में सुविधा के लिए;

ग्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रमुखरूप
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
प्रधीन, विम्बलिक्षित व्यक्तियों, अर्चात्:—

1. श्रीमती शान्ति देवी कपिला 31 वी सर्किट हाउस
जमशेदपुर, बिहार (अन्तरक)
2. श्रीमती पामेला कुमार 51-सुन्दर नगर, नई दिल्ली
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहोप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रवृत्ति या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
प्रवृत्ति बाद में समाप्त होती हो, ते भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीक्षिताकारी के पास
सिवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही वर्ण होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक ढाई मंजिला मकान जो लीज होल्ड पर नं० जी०-59
लाजपतनगर नई दिल्ली में है और खेत्रफल 167.23 वर्ग
गज है।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1 दिल्ली,
नई दिल्ली-110002

तारीख : 4-10-80

मोहर :

प्रूरुष आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष् (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, एम ब्लाक, विकास भवन, शाई० पी० ० एस्टेट
नई दिल्ली-110002, दिनांक 4 अक्टूबर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०-१/एम० आर० III
/२-०/९९६—अतः मुझे आर० बी० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या बी०-223 ए है तथा जो ग्रेटर कैलाश-I
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावश्यक सूची में पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख फरवरी 1980

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्खी यह विश्वास
करने का कारण है कि दृश्यपूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष को उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधिस्ति:—

1. श्री डेचन वांगरप और प्रेम माल्की वांगचड बी-५
ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली (अन्तरक)

2. श्री डा० टी० के० नन्दी एफ० ९ इस्ट ब्लाक कैलाश,
नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के नज़दीक में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वहो अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं० बी० 223-ए ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 4-10-1980
मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंस डी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I,

एच ब्लाक, विकास भवन, आई० पी० एस्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 4 अक्टूबर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य० I/एस० आर० II
2-80/1770—प्रतः मुझे आर० बी० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के
अधीन सधै स्थान प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में
अधिक है।

और जिसकी संख्या 12 है तथा जो मस्जिद मोठ श्री
फोर्ट रोड नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनु-
मूल्य में पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख फरवरी 1980
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्नह
प्रतिशान से प्रधिक है और अन्तररु (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निमित्तिका उद्देश्य से उक्त अन्तरण विवित में वास्तविक
रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अस्तरण से तुर्हि किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उसपे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

1. श्री जगन्माप घटक 6183 ल्लाक नं० I देवनगर, नई
दिल्ली
(अन्तरक)
2. श्री धर्म निह पुत्र स्वर्गीय एस० बतन सिंह ए०
2/140 सफदरजग इन्कलेव नई दिल्ली ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब्र) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्वैतस्तानकी के पास
निवित में किए जा सकेंगे।

संहारण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम,
के प्रधाय 20-ए में परिचालित हैं, वही ग्रन्थ
होंगा, जो उस प्रधाय में दिया गया है।

खाली प्लाट नं० 12, मसजिद मोट, श्रीफोर्ट रोड, नई
दिल्ली ।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज दिल्ली, नई दिल्ली 11000

तारीख 4-10-80
मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन मिम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रसूप आई० डी० एन० एस०—
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-१
4/14 क, आमफलोंगी मार्ग, नई दिल्ली-110002
नई दिल्ली-110002, दिनांक 4 अक्टूबर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी० /एक्य० एम० आर० 2-80/1772—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल, प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन संधारन कार्यालय को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- है से प्रधिक है और जिसकी संख्या एल० 1/2 ए० है तथा जो एन० डी० एस० ई० पार्ट-2 नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1980 (1908 का 16) के अधीन तारीख फरवरी 1980 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त संघीय नियम के अधीन करने के प्रतिक्रिया के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः आब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, से, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्यातः:—

8-313GI/80

1. श्री जयकिशन दास पुत्र मुन्जी नाल 30 एन० डी० का एम० ई० को० आपरेटिव सोसाइटी नई दिल्ली (अन्तरक)

2. श्री रमेश्वर दयाल गुप्ता पुत्र श्री बुद्ध सिंह गुप्ता (जानमठ डिस्ट्रिक्ट मुजफ्फर नगर यूपी) (अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्षण:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रंथ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

उत्तरी आधा हिस्सा मकान नं० एल० 1/2 ए का जो एन० डी० एस० ई० पार्ट II में है क्षेत्रफल 172 वर्ग गज है, निम्न प्रकार स्थित है।

पुर्व : दूसरे का मकान

पश्चिम : दूसरे का मकान व सड़क

उत्तर : मकान नं० एल०-1/2

दक्षिण : इसरा हिस्सा मकान नं० एल० 1/2 ए का

आर० बी० एल० अग्रवाल
संधारन कार्यालय
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-१ दिल्ली नई दिल्ली 110002।

तारीख 4-10-80

मोहर:

प्रस्तुप ॥५० दे० १८० एस०— — —

श्रावण शास्त्रियम् 1961 (१९६१ का ४३) का धारा
२६०-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, एच ब्लाक, विकास भवन आई पी प्रस्टेट

नई दिल्ली-110002, दिनांक 4 अक्टूबर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य० II/आर० III/2-80/

1776—अतः मुझे, आर० बी० ए० १८० अग्रवाल
आयकर धारानियम्, 1961 (1961 का ४३) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उत्तम श्रद्धानियम' कहा गया है), की धारा २६०-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्वावर मध्यस्थि, विष का उत्तराधारा युग्म 25,000/- रुपए
से अधिक है,

और जिसकी संख्या XVI/8107 है तथा जो रामजस रोड
करोल बाग नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख फरवरी
1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित नहीं है और मुझे यह दृश्यमान करने
का कारण है कि यथार्थोन्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यक्ष (अन्तरकों) और अन्तरिता
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण नहीं। इस आय की बाबत, उक्त माध्यनियम,
के अन्तरान कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उसमें बचने में सविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय दा किया या या अन्य शास्त्रियों को
जिन्हें भारतीय शाद-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) व उक्त शाद-कर अधिनियम, या शाद-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) व प्रायोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना
अनुरित था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अनुसूची

मकान नं० 16/8107 जो प्लाट नं० 13 ब्लाक 52 पर
बना है रामजस रोड करोल बाग में स्थित है।

आर० बी० ए० १८० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली-110002

आ०. धब, उक्त अधिनियम की धारा २६०-व के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा २६०-व की उपकारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् ।—

1. श्रीमती परमेश्वरी देवी पत्नी स्त्रीगीय मलिक प्यरेलाल
28/29 वेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली (अन्तरक)

2. श्री हरदीप सिंह, जगजीत मिह, हरपाल सिंह पुत्र
महिन्द्र सिंह 13/58 रामजस रोड, करोल बाग, नई दिल्ली
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के
लिए कार्यवादियों करता हूँ।

उक्त अधिकारी के अधीन के मंत्रियों कोई भी ग्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के रात्रावर इन प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रत्यक्ष बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के रात्रावर में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अप्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो इकत
अधिनियम के अध्याय 20 के परिणामित हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रश्नाएँ में दिया
गया है।

तारीख : 4-10-80

मोहर :

प्रलॉग आई० डी० एन० एम०-----
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत वरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, एच० बलाक, विकास भवन, आई० पी०
एसटेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 7 अक्टूबर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/II एम० आर० I/2-80/
6253—अतः मृशे, श्री मती बलजीत मटीयानी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी संख्या 468, प्लाट नम्बर 189-91 है तथा
जो लारेस्स रोड रामपुर गांव में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूची में पृष्ठ स्प से बण्ठा है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
कार्यालय, चक्री मुबारकाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख फरवरी

1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृशे यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आवितयों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्थातः:—

1. मैं० साइनटिक इन्टर आई० चैम (प) लिमिटेड
बी० 8 भगवान दास नगर, दिल्ली द्वारा श्री बी० आर०
नैयर (अन्तरक)

2. मैं० ब्लू० बडै एन्टरप्राइजेस (प) लिमिटेड 1279,
कम्पनी गेट, दिल्ली द्वारा श्री राम लाल (अन्तरिती)
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख, से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख में 30 दिन की प्रवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रथुका शब्दों श्रीरपदों का, और उक्त
अधिनियम के अन्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अन्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान नं० 468, जो० कि० प्लाट नं० 189-91 पर
स्थित है लारेस्स रोड पर जिसका क्षेत्रफल 6970 वर्ग गज
है।

श्रीमती बलजीत मटीयानी,
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

तारीख : 7-10-80

मोहर:

प्रकाश आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा

269-ए(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्ज रेज-II, एच० बलाक विकास भवन, आई० पी० स्टेट

नई विल्ली-110002, विनाक 1 अक्टूबर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एम्प०/II/एस० आर० /2-80-6214—अतः मुहो, बलजीत भट्टीयानी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आरा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उपरित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी संज्ञा है तथा जो एच-31, बाली नगर, दिल्ली में स्थित है (और जिसकी और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, विल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 18-2-1980 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपरित बाजार मूल्य, उसके दृष्टमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षी (अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में करने का या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्ति यों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगान्वय अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की आरा 269-ए के अनुसरण में, ये, उक्त अधिनियम की आरा 269-ए की उपआरा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अवृद्धि ।—

1. श्री बलजीत सिंह और श्रीमती इन्द्र कौर द्वारा सरदार सरणजीत सिंह सन आफ हरभजन सिंह एच०-31, बाली नगर (अन्तरक)

2. श्रीमती प्रकाश कौर, पत्नी, हरभजन सिंह और हरभजन सिंह सन आफ प्रेम सिंह एच० 32, बाली नगर विल्ली (अन्तरिक्षी)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुल्क रखा हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदनः—

(क) इस सूचना के सम्बन्ध में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आठ में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र म प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोद्धस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचायित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अव्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान जिसका घेम फल 150 वर्ग गज है जो कि प्लाट नं० एच० 31, बाली नगर में बना है व गांव बसाई धारापुर दिल्ली में है जो कि निम्न लिखित प्रकार से विरा है।

उत्तर—प्रोप्रीटी नं० एच० 32

दक्षिण—प्रोप्रीटी नं० एच० 30

पूर्व—रोड

दक्षिण—गली “5”

श्रीमती बलजीत भट्टीयानी
सशेम प्राधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रज-II, विल्ली
नई विल्ली-110002

तारीख 1-10-1980
मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस० ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, एच ब्लाक विकास भवन आर० पी० स्टेंट विल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 1 अक्टूबर 1980

निर्देश सं० आई० ए० मी०/एक्य०/II/एस० आर० I/
2-80/6243—अतः मुझे बलजीत मतियानी,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थान अधिकृत, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है।

और जिसकी संख्या है तथा जो बी०-1/117, राणा प्रताप
बाग, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
पूर्व रूप से वर्णित है), नियमित अधिकारी के कार्यालय
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन तारीख 26-2-1980

को पूर्णोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
फलाह प्रतिशत से अधिक है और भल्लरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने
में सुविधा के लिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित अवित्यों अर्थात् :—

1. श्रीमती गीर्गी देवी, पत्नी लेट सूरज भान, सजंय
कुमार माईनर, राम प्रताप व दूसरे बी०-1/117, राणा
प्रताप बाग दिल्ली
(अन्तरक)
2. श्रीमती मैना देवी पत्नी राम निवास, बी०-1/117,
राणा प्रताप बाग दिल्ली
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यालयीय शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आधेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्स्वन्धी व्यक्तियों पर
सूचना को तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि आद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक भकान जो कि 2½ मंजिल जिसका नं० पी० 1/17
राणा प्रताप बाग में स्थित है जो कि निम्नलिखित प्रकार
से घिरा हुआ है।

उत्तर—सर्विस गली
दक्षिण—प्रोप्रटी नं० बी०-1/17, का बाकी भाग,
श्री राम प्रकाश
पूर्व—प्रोप्रटी प्लाट नं० बी०-1/18 पर
पश्चिम—प्रोप्रटी प्लाट नं० बी०-1/16, पर

श्रीमती बलजीत मतियानी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, विल्ली/नई विल्ली,

तारीख : 1-10-1980

मोहन :

प्रकृष्ट प्राईंटी ०१० एन० एस०—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, एच० बलाक विकास भवन, आई० पी० स्टेट बिल्ली
नई दिल्ली-110002, दिनांक 7 अक्टूबर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/II/एस० आर०/-I
2-80/6180—अतः मुझे, बलजीत भट्टाचारी,
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विस्त्रा उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपए से अधिक है।

ग्रीष्मीय जिसकी संख्या, है तथा जो 6 बलाक, ए० 45, मालरोड
में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से
बरित है), रजिस्ट्रीकर्स प्राधिकारी के कार्यालय, दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन तारीख 4-2-1980।

उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि व्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्छह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
शब्द ऐसे अन्तरण के बिंदु तथा यापा गया प्रतिफल, निम्नलिखित
छहेष्ठ से उक्त अन्तरण अन्तिम में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण सहूह किसी आय की बाबत, उक्त अन्तिम
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य
में उक्त करने का उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या मन्त्र आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या अन्तरक
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगभावं
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यदि, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ब के
अनुसरण में, मेरे उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ब की
उपचारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री राकेश मित्तल 508 हवेली हैदर कपूर्सी, चादनी
चौक, दिल्ली (अन्तरक)
2. श्री कान्ती लाल जैन 4141, नया बाजार दिल्ली
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये
कार्यालयों शुरू करना हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बचने के बंधन में कोई भी आकेप :—

- (क) इस भूमिका के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन भा० प्रवधि १० तरसंबंधी ०५ वित्यों पर सूचना
की तापात १३० दिन की अवधि, जो भी प्रवधि बाद
में समाप्त होती है, ८ नामांकन उक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्तिनाम है,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र ने प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त अवधि सम्पादित संतुष्ट विकास की
मध्य अवधि द्वारा, अवधि १० तथा के पास लिखित में
किए जा नहींगे।

स्टेटोफरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों पार रदा जा, जो उक्त
संदर्भों के अन्तरार २०८ में परिमाणित
है, उक्त अवधि द्वारा उक्त वार्ताय में दिया
गया है।

मनुसूची

एक मकान जिसका नं० 6 बलाक ए० 45 जो कि
माल रोड पर स्थित है जो कि निम्नलिखित प्रकार से
विरा हुआ है।

पूर्व—फ्लैट नं० ८ ब्लाक ए
पश्चिम—फ्लैट नं० ४ ब्लाक ए०
दक्षिण—३० प्राइवेट रोड आफ वेन्डरस
उत्तर—गर्डमेन्ट लेण्ड

श्रीमती बलजीत भट्टाचारी
पश्चिम प्राधिकारी
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, दिल्ली,
नई दिल्ली-110002

तारीख : 6-10-1980
मोहर :

प्रलूप ग्राही १० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 18 अगस्त 1980

निर्देश सं० 1893-ए/देहरादून/80-81—ग्रत मुझे,
बी० सी० चतुर्वेदी,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- हपये से अधिक है
और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम किरसली में
स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में
बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय देहरादून में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 वा 16) के अधीन
तारीख 28-2-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे प्रन्तरण के लिए तर आया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
महीं किया गया है :—

(क) प्रन्तरण से हुई किसी आय की वाबत उक्त अधि-
नियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 वा 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 वा 27) वे
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

ग्रतः, श्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के प्रतु-
मण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
के (1)के अधीन निम्नलिखित वित्तियों, ग्रर्यातः—

1. श्रीमती राजकुमारी पत्नी सत्यप्रकाश अग्रवाल
निवासी स्वरूप नगर नम्बर 2 कानपुर। (अन्तरक)

2. मैमसं आदित केमिकल लि० 140 भी० गजपूर रोड
देहरादून। (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रजन के
निष कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के ग्रजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस मूलना के राजपत्र में प्रलाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी अविक्तियों पर सूचना की
तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद से
नमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में से
किसी अविक्त होता ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रलाशन की तारीख में 45
दिन ए भीतर उक्त स्थावर गमति में हिन्दूबद्ध किसी
प्रता अविक्त वारा, प्रीत्युत्ताक्षरी के गान लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के प्रधाराय 20-वा ८ में परिभाप्ति है, वही
प्रथ होगा, जो उस प्रधाराय में दिया गया है ।

अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्रफल 3.625 एकड़ का 50 प्रतिशत ग्राम
किरसली प्रर० सैन्टलदून जि० देहरादून में 32500 रु० की
बेची गयी है ।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 18-8-1980

मोहर :

प्रसूप प्राई॰ टी॰ एन॰ एस॰—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा,
269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज

कानपुर, दिनांक 18 अगस्त 1980

निर्देश सं॰ 1892 प/देहरादून/79-80—अतः मुझे
बी॰ सी॰ चतुर्वेदी
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-घ
के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है।
और जिसकी सं॰ भूमि है तथा जो ग्राम किरसली में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय देहरादून में, रजि-
स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 28-2-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का
एवढ़ प्रतिशत में अधिक है और प्रत्यक्ष (प्रत्यरक्तों)
और प्रत्यरिती (प्रत्यरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, 'निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण,
निखित में वास्तविक रूप से उचित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी प्राय की बाबत, उक्त प्राधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे उच्चने में सुविधा के लिए;
घोरथा

(ख) जो सी किसी प्राय या किसी घन या अन्य प्रास्तिकों
को जिन्हें भारतीय प्राय-कर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
बनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरित हारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या, उपराने
में सुविधा के लिए;

प्रत, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-घ के अन्तरण
में, मैं उक्त प्रधिनियम की घारा 269-घ की उपाघारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, घराविदः—

1. श्रीमती बेगकुमारी पल्ली ठेकचन्द्र नन्द वानी
283 करनपुर देहरादून (अन्तरक)
2. मेसर्स आदित्य केमिकल लि॰ 140 सीगजपूत
रोड देहरादून (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आलोपः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, और भी
प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

संष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधि-
नियम, के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

50% कृषि भूमि क्षेत्रफल 3,625 एकड़ ग्राम किरसली
प्रर. मेन्टेनेन्स जिला देहरादून में 32,500 रु. में बेची
गयी है।

बी॰ सी॰ चतुर्वेदी
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 18-8-1980
मोहरः

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के प्रवीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज

कानपुर, विनांक 19 अगस्त 1980

निवेश सं० 16 एस०/80-81—प्रतः मुझे, बी० सी०
चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा
269-ए के प्रवीन संबंधी प्राधिकारी को यह विवास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 97 है तथा जो फीलखाना में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कानपुर में, रजि-
स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 23-2-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने
का कारण है कि यहाँपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के बद्दल
प्रतिशत से अधिक है और अन्तर (अन्तरहों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए उच्च पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उत्तरण से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से वर्णित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायिक में कभी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनु-
चरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए (1) के अधीन, निम्नलिखित अवित्तीयों, अर्थात्:—
9—306GT/80

1. श्री प्रेम प्रसाद पुत्र मशीलाल मुख्यार आम अपनी
सारी बहिन श्रीमती प्रेमदेवी पत्नी स्व० राधेश्याम निवासी
28/97 फीलखाना कानपुर (अन्तरक)

2. श्री रामचन्द्र बेरीवाल, श्रीपुरषोत्तमदास बरीवाल
गोपाल किशन बेरीवाल पुत्रगण मक्सूदनलाल निवासी
49/17 जनरलगंज कानपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रवधि या उससंबंधी अवित्तीयों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्तीयों
में से किसी अवित्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अभ्य अवित्त द्वारा, प्रधोमस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एवटीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रव्याय 20-क में
परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस प्रव्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान नम्बर 28/97 फीलखाना कानपुर में
एक लाख बीस हजार में बेचा गया है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 19-8-1980

मोहर :

प्रस्तुप आई०टी०एन०एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 23 अगस्त 1980

निर्देश सं० 1954 एहरिणर/79-80—अतः मृजे, बी० सी०
चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार गूँण 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी मं० दुकान है तथा जो भीम गोडा हरिद्वार में
स्थित है (और इसमें उपाखद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हरिद्वार
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन सारीख 18-2-1980

को पूर्वान्तर संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिरा की गई है और इसे वह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वान्तर संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कार्यत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हर्ष किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ब) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधारे:—

1. श्री बसन्त लाल पूजा श्री निर्मलदास निवासी भीमगोडा
हरिद्वारा डा० खास पर० जबलपुर तह० रुड़की सहारनपुर
(अन्तरक)

2. श्रीमती गोमती देवी पत्नी ला० राम चन्द्र निवासी
4869 अन्सारीरोड 24 दरियागंज देहली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वान्तर संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वान्तर
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचायित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अन्तरक

उद्युक्तानात उत्तर मुरती स्थित ग्राम रवडरवडी भीम गोडा
हरिद्वार पर० ज्यलापर जिला सहारनपुर में स्थित है।
जो कि 48,000 रु० में बेची गयी है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कानपुर

सारीख 23-3-1980
मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 8 सितम्बर 1980

निर्देश सं० 1911-ए/सहारनपुर/79-80—अतः मूले वी० सी० चतुर्वेदी,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी स० दुकान नं० 6 है तथा जो नेहरू भार्कट में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहारनपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 4-3-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूले यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उम्मेद से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देवे के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचन भुक्ति के लिए; और या

(ख) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, 1961 का 27 वाले अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के द्वारा अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया गा या जिया जाना चाहिए था, छिपाने में दुष्कृति के लिए,

अतः, अब, उक्त प्रायकर अधिनियम के अनुग्रहण में, मैं, उक्त अधिनियम का १०८५वां उपचारा (1) के अधीन, निम्न उक्त अधिकारी, अवादि ।—

१. श्रीमती माया देवी पत्नी स्व० सुन्दरदास मोहल्ला जबलापुर महारनपुर (अन्तरक)

२. श्री कमरज्जमा पुत्र श्री हाजी अब्दुल काह्यूम निवासी मोहल्ला आतिशवाजान सहारनपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही प्रयृ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है :

न्यून

३० दिन १०.१९८१। १२०१११, १, १
हस्ताक्षर नेहरू भार्कट भारतपुर, सम्पत्ति ६ जो कि 20,000 रु० में बेचा गया है।

वा० श्री० चार्चर्डी
सक्षम प्राधिकारी,

प्रा०, अपातर गायुक्त, (निरीक्षण),
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख ४-४-१९८०
नाहर

प्रलेप घाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज., कानपुर

कानपुर, दिनांक 8 सितम्बर 1980

निर्देश सं० 1910-ए/सहारनपुर/79-80—ग्रतः मस्त्री श्री० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन तक्षम प्राधिकारी को, यदि विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 6 है तथा जो नेहरू मार्केट सहारनपुर में स्थित है (और इससे उपायद्रु अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहारनपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 4-3-1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिशत अधिक है और प्रस्तरक (प्रन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अनुरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अनुरण लिखित में वास्तविक रूप से नहीं किया गया है :—

(क) प्रस्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के शायद में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य सास्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथं प्रस्तरिती हार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की आय 269-घ के अनुरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपचाय (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी व्यक्ति में व्याप्ति—

1. श्रीमती माया देवी पत्नी सुन्दर दास निवासी ज्यालापुर सहारनपुर (अन्तरक)

2. श्री शमसुज्जमा पुत्र श्री हाजी अब्दुल कहयून निवासी सहारनपुर मोहल्ला आतिश बाजान (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी अधिकारी द्वारा पूर्वोक्त सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अस्तियों में से किसी अस्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र के प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त सब्दों और वदों का, जो उक्त अधिनियम, के अन्याय 20-क में परिभ्राष्ट है, वही अर्थ होगा, जो उस अन्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक दुकान नं० 6 सालिम म्यून० 14/165 1/6 का 1/4 भाग है नेहरू मार्केट सहारनपुर में स्थित है जो कि 20,000 रु० में बेचा गया है।

श्री० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 8-9-1980

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज

कानपुर, दिनांक 8 सितम्बर 1980

निवेश सं० 190०-ए/सहारनपुर/79-80—अतः मुझे
बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० दुकान है तथा जो नेहरू मार्केट सहारनपुर
में स्थित है (और इसमें उपबद्ध अनुभूति में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहारनपुर
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन तारीख 4-3-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दद्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दद्यमान प्रतिफल से, एसे दद्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्योग से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर दने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिनने में सुविधा
के लिए;

1. श्रीमती माया देवी पत्नी सुन्दरदास मोहल्ला ज्वाला-
पुर सहारनपुर
(अन्तरक)

2. श्री सलीमग्राहतर पुत्र श्री हाजी अब्दूम मोहल्ला
प्रतिश्वाजान सहारनपुर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येषु:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्पात्रन्वयी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकते।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट
हैं, वहो अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

अनुसूची

एक किता दुकान नं० 6 जिसका मूल : 14/165/1/6
मप 1/4 हिस्सा स्थित नेहरू मार्केट सहारनपुर में स्थित है
जो कि 20,000 रु. में बेचा गया है।

बी० सी० चतुर्वेदी,
मकान प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
(अर्जन रेंज). कानपुर

तारीख : 8-9-1980
मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

प्रकृष्ट प्राई. दी. एन. एस.-----
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
 269-प (1) के प्रधीन सूचना
 भारत सरकार

कर्पोरेशन, सदृश्यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज,

कानपुर, दिनांक 8 सितम्बर 1980

निर्देश सं. 1908-ए/सहारनपुर /79-80—अतः मुझे
 बी० सी० चतुर्वेदी,
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
 पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के
 प्रधीन मकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
 है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
 ₹० से अधिक है,

और जिसकी सं. दुकान 6 है तथा जो नेहरू मार्केट सहारनपुर
 में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में
 वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय सहारनपुर में,
 रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन
 तारीख 4-3-1980 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
 दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रत्यक्षित की गई है
 और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
 यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
 प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
 है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
 के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल,
 निम्नलिखित बदेश के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
 कहित नहीं दिया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बावजूद, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के प्रतिशत में कमी करने पर उससे वज्रमें सुविधा के लिए;
 और/या

(ख) उस दिनों आय था किसी बन या अन्य वास्तियों
 को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922-23 11) या ३३ अधिनियम, या छठन-कर
 अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशोङ्कनार्थ
 अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किटा
 जाना चाहिए था, विपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुच्छेद में,
 उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के
 प्रधीन निम्नलिखित नियमों, अर्थात् :—

1. श्रीमती मायादेवी पत्नी स्व० सुन्दर दास निवासी
 जवाला नगर मोहल्ला सहारनपुर
 (अन्तरक)

2. श्री हाजी अब्दुल क्यूम पुत्र श्री मोहम्मद मालीए निवासी
 आतिरावजान सहारनपुर
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के लिए
 कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रधीन के संबंध में कोई भी व्यापक :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन सी तारीख से 45
 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
 तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रदृष्टि वाले में
 समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 विसी व्यक्ति द्वारा, अधीक्षिताकारी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

इन्डिकेशन:—इसमें प्राप्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम के अधाराय 20-क में परिचालित
 है, वही गंय होगा जो उस अधाराय में
 दिया गया है।

अनुसूची

एक दुकान नम्बर 6 नं. 14/1, 651 1/4 हिस्सा स्थित
 नेहरू मार्केट सहारनपुर में स्थित है जो कि 20,000 ₹० में
 बेचा गया है।

बी० सी० चतुर्वेदी
 सक्षम प्राधिकारी

सदृश्यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 8-9-1980

मोहर :

प्ररूप प्राईंटी० टी० एन० एस०—
 धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 30 अगस्त 1980

निर्देश सं० टी० आर० नं० मैनपुरी/70-80—अतः मुझे,
 बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
 है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
 रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो ग्राम देवपुरा में स्थित है
 (और इससे उपावन्द अनुसूची में और पूर्ण स्प से वर्णित है),
 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मैनपुरी में, रजिस्ट्रीकरण
 अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख

11-2-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
 का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
 उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
 पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
 अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
 तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
 [लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है]:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
 दायित्व में कमी करने या उपरे बचते में सुविधा
 के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
 को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
 धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
 सुविधा के लिए;

अतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
 14 में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
 के अधीन निम्नलिखित अवितर्यों का वापत्:—

1. श्री यामसुन्दर तयाईयर व रमेश चन्द्र तयाईयर
 श्री कुवामल तयाईयर निवासी स्टेशन रोड शहर मैनपुरी पर०
 तह० व पो० जिला मैनपुरी (अन्तरक)

2. श्री फर्म श्री मेहेश शायल क० प्रा० लि० मैनपुरी
 द्वारा केसरी चन्द्र तोसिनीवाल डाइरेकर पुन श्रीरामकुमार
 तोसिवाकाल स्वर्णीय निवासी स्टेशन रोड मैनपुरी (शहर)
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मध्यवन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
 भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति द्वारा;
 (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ने
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
 हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीकृताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
 है, वही प्रथम होगा, जो उप अध्याय में दिया
 गया है।

अनुसूची

दो किता शाराजी भूमिका के ग्राम देवपुरा तह० मैनपुरी
 में स्थित हैं जोकि 177, 280 रु० में बैची गयी हैं।

बी० सी० चतुर्वी
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 30-8-1980

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
 269-ब (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज, कानपुर
 कानपुर, दिनांक 23 अगस्त 1980

निर्देश सं० 193 ०-ए० मंसूरी/80-81—अतः मुझे, बी० सी० चर्तूबैदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है तथा जो कूलरी में स्थित है (और इससे उपावस्था अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मंसूरी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 6-2-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्तर्ह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिक्ष में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छूट या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाये अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपषारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री श्री बलराजसहानी पुत्र लाजपत राय सहानी निवासी 10 समरहाऊस कुलरी मंसूरी (अन्तरक)

2. श्री मनमोहन भारगव पुत्र श्री दिलोकी नाथ भारगव निवासी 110 लक्ष्मीनारायण एपार्टमेन्ट ब्लॉक बी टेगोर रोड सन्ताकुरज आम्बे 54 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के पूर्णतः कार्यवादियों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के घरें के सम्बन्ध में कोई भी व्यापेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिवृहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

इच्छाकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किला मकान वो मंत्रिला जिसका नाम अडेर स्टैट दीमालसमीप हेम्पटनकोर्ट कुलरीमंसूरी में 35000 रु० का बेचा गया है।

बी० सी० चर्तूबैदी
 सभी अधिकारी

सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 23-8-1980

मोहर :

प्रूप ग्राही० दी० एन० एस०————

आदकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज

कानपुर, दिनांक 14 अगस्त 1980

निर्देश सं० 1846 ए/गाजियाबाद/79-80—अतः मुझे
बी० सी० चतुर्वेदी,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट 47 है तथा जो नेहरू नगर में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गाजियाबाद में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 13-2-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वारित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनाथं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधीनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में मैं, उक्त अधीनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

10-306 GI/80

1. मैसर्स महालक्ष्मी लैन्ड एन्ड कॉ. प्रा०
लि० 8 सी० जिन्दल ट्रस्ट विनिलिंग आसफाब्रली रोड नई
देहली द्वारा जनरल एटोरनी अशोक कुमार छावडा पुत्र
श्री देशराज छावडा निवासी रिंग रोड लाजपत नगर
गाजियाबाद
(अन्तरक)

इन्हें भोजन खप्ता पुत्र श्री गोविन्दराम खज्जा निवासी
61 पुर्वा दुसीचन्द गाजियाबाद तह० व जिला गाजियाबाद
(अन्तरिती)

को मह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

प्लाट नम्बर 47 क्षेत्रफल 272-11 वर्ग मीटर नेहरू
नगर व प्लाट नं० 47 ए० क्षेत्रफल 354-16 वर्ग मीटर अशोक
नगर फीहोल्ड कालोनी गाजियाबाद में स्थित हैं तथा जो 45,000/-
रुपये का बेचा गया ।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख : 14-8-1980

मोहर :

प्रकल्प आई० टी० एन० एस०—
आदकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज

कानपुर, दिनांक 14 अगस्त 1980

निर्देश सं० 1861-ए०/दादरी/79-80—अतः मुझे, वी० सी० चतुर्वेदी,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
ए० से अधिक है
और जिसकी सं० 8 है तथा जो गेहौरा तिलपताबाद में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दादरी में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सारीख
3-2-1980

को पूर्वोत्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का
प्रमाण विवास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उदाहरण से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वायत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या भव्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के अधिकारी अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
ये, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की वरपारा (1)
अधीन, निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात् :—

1. श्री हरनन्द पुत्र श्री भगीरथ बनवारी पुत्र श्री उमराव
16 गेहौरा तिलपताबाद तह० दादरी जिला गाजियाबाद (प्रस्तरक)

2. श्री महिसांख्यान विध्यापीठ द्वारा संत शेरगिल
ई 9 डिकेन्स कालोनी, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोत्तर सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन !—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरग्रन्थी व्यक्तियों पर
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोत्तर
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अषोद्यासाकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

हप्तोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि नं० 5-6-0 आराजी नं० 26-40 गेहौरा तिलपता-
बाद तह० दादरी जिला गाजियाबाद में स्थित है जोकि
54060 रु० में बेचा गया है।

वी० सी० चतुर्वेदी
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख . 14-8-1980
मोहर :

प्रूप आइं, टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज

कानपुर, दिनांक 14 अगस्त 1980

निर्देश सं० 1860 ए/दादरी/79-80—अतः मुझे, बी० सी० अनुबंधी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 5 कृषि भूमि है तथा जो गेन्सा तिलपताबाद में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बादी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 5-2-1980

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मूँफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्दरूनी प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिसके में बास्तविक कृप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दारीद्र्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, भौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ८-

1. श्री रामचन्द्र पुत्र लखपत, हरनन्द, रामबद्धा व भूले पुत्र श्री भगीरथ, बनवारी पुत्र उमराब विश्वामीर निवासी पुत्र निहाल गेन्सा तिलपताबाद तहसील दावरी जिला गाजियाबाद (ग्रन्तरक)

2. श्री महिला व्यान विद्यापीठ धू० पी० धारा श्री सुन्दरेश गिल ई ९ डिफेन्स कालोनी नई विलली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ भी व्यापेः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस्बूध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 5-2-0 पुल्ला अराजी 23-45 गेन्सा तिलपता-बाद तहसील दादरी जिला गाजियाबाद में स्थित है जो कि 52020 रु. में बेचा गया है।

बी० सी० अनुबंधी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख : 14-8-1980

मोहर :

प्रस्तुप आई. टै. एन्. एस.—
जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर
कानपुर, दिनांक 18 अगस्त 1980

निवेश सं० 1808-ए/अनूप शहर/79-80—अतः
मुझे बी० सी० चतुर्वेदी,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
₹5,000/- ₹० से अधिक है।

और जिसकी सं० 1136 कृषि भूमि है तथा जो डिवाई में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
बण्ठित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अनूप शहर
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन तारीख 15-2-1980

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
का लिए; और/या

अनुसूची

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, कानपुर

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्री विश्वम्भर सिंह पुत्र श्री लाला जयननरायण कस्बा
डिवाई पर० डिवाई मौ० छोटा बाजार तह० अनूपशहर जिला
बुलन्दशहर (अन्तरक)

2. श्री जमाउदीन पुत्र श्री लियाकत निवासी डिवाई
पर० डिवाई मौ० कस्यावान तह० अनूपशहर जिला बुलन्द
शहर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यालयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्पञ्चन्थी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
दद्ध किरी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रत्युक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

कस्बा डिवाई पर० डिवाई भूमि नं० 1137 का 1/2 भाग
है जो कि 37000 रु० में बेचा गया है।

तारीख : 18-8-1980
मोहर :

प्रकाश पाई० टी० एन० एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायगुरु आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 12 अगस्त 1980

निर्देश सं० 119 अर्जन कालपी जालौन/79-80—अतः
मुझे बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० इमारत है तथा जो खैर कस्बा कौदीरा
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कालपी
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन तारीख 23-2-1980 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रत्यक्ष प्रतिशत अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण विवित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण
में, जैसे, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :—

1. श्री फतेह बहादुर श्रीवास्तव पुत्र श्री लाला मगझादुर
श्रीवास्तव निवासी कौदीरा पर० कालपी जालौन

(अन्तरक)

2. श्री राजेन्द्र पाल सिंह पुत्र श्री जगमोहन सिंह निवासी
मौजा० बबीना पं० कालपी जालौन श्री लायक सिंह पुत्र श्री
शिव सिंह द्वारा कालपी श्री बलचन्द्र पुत्र पुरन सिंह ता० हरपुर
जिला जालौन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
सिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वास्त्रेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो
उक्त अधिनियम के अठाय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त
अठाय में दिया गया है।

अनुसूची

इमारत पुस्ता कस्बा भो० खैर कस्बा कौदीरा कालपी
जिला जालौन में स्थित है जो कि 30,000 /रु० में बेचा गया
है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 12-8-1980
मोहर :

प्रस्तुप्राई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

फार्मलिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 12 अगस्त 1980

निर्देश सं० 74 अर्जन/ललितपुर/79-80—अतः मुझे,
बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० मकान नं० 163 है तथा जो ललितपुर
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, ललितपुर
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन तारीख 4-2-1980

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और भूके द्वारा विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँह किसी धारा की वावत उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के वायित्य में
की करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(क) ऐसी किसी धारा या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधर्ति:—

1. श्री बाबूलाल पुत्र श्री बन्धीधर जैन व जितेन्द्र कुमार
पुत्र फूल चन्द्र जैन निवासी मो० मोउटनपुरा ललितपुर
जिला ललितपुर।

(अन्तरक)

2. (1) नरायणनी देवी विधवा स्व० श्रीकृष्ण अग्रवाल (2)
रामवालू पुत्र स्व० श्रीकृष्ण अग्रवाल (3) कुमारी रामा पुत्र
श्री कृष्ण अग्रवाल निवासी जी-5 कृष्ण कालोनी स्टेशन रोड
लस्कारगवालियाल, मध्यप्रदेश

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के पर्वानियत
हैं, वहो अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक किता मकान नम्बर 263 नया कुमक 169 सुभाष-
पुरा ललितपुर जिला ललितपुर में स्थित है जिसका कुल रकमा
331,00 वर्गमीटर है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख: 12-8-1980

मोहर:

प्रृष्ठा आई. टी. एन. एस.-----
 भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक ग्रामकर ग्राम्यक (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर
 कानपुर, दिनांक 21 अगस्त 1980

निर्देश सं० टी० आर० नम्बर 961/कानपुर/79-80—
 ग्राम: मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,
 ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ग
 के अधीन सूचना प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
 है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
 रुपए से पर्याप्त है

और जिसकी सं० 7/109 है तथा जो स्वरूप नगर कानपुर
 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
 रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट्स प्राधिकारी के कार्यालय
 कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
 16) के अधीन तारीख 5-2-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
 बहुत ही प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
 अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
 क्या प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
 वास्तविक रूप से अचित बही किया गया है:—

(क) ग्राम्यक से हुई किसी ग्राम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
 कमी करने का उससे करने में सुविधा के लिए;
 और/वा

(क) ऐसी किसी ग्राम या किसी छन या अन्य पासितियों
 को जिन्हें भारतीय ग्रामकर अधिनियम 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
 छनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
 में सुविधा के लिए;

अब: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसार
 में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1)
 के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिकारी:—

1. श्रीमती हेलान पुत्र स्व० एसजीनिट 7/109 ए०
 स्वरूप नगर, कानपुर

(प्रन्तरक)

2. श्री जमीर हम्मद पुत्र श्री मोहम्मद खलीम निवासी
 हालीमनरकेट चमन गंज कानपुर
 (अन्तरिती)

उक्त सम्पत्ति के अज्ञन के सम्बन्ध में कोई भी आश्वेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तस्मान्त्वी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितवद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोस्तावरी के पास
 लिखित में किये जा सकेंगे ।

इष्टदाता:—इसमें प्रयुक्त व्यक्तियों और पर्वों का, जो उक्त
 अधिनियम के अध्याय 20-क में परिमाणित
 है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
 दिया गया है ।

अनुसूची

एक किता मकान नम्बर 7/109 ए स्वरूप नगर कानपुर में
 स्थित है जोकि 53244 रु० में बेची गयी है ।

बी० सी० चतुर्वेदी
 सूचना प्राधिकारी
 सहायक ग्रामकर ग्राम्यक (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 21-8-1980
 मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंटी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर.

कानपुर, दिनांक 18 अगस्त 1980

निदश सं० 1906 ए/सहारनपुर/79-80—आयतः मुझे
बी० सी० चर्तुर्वेदी,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से अधिक है।

और जिसकी सं० 7 प्लाट है तथा जो शिवपुरीसबाद में स्थित
है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय [सहारनपुर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन
तारीख 20-2-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का नद्दह प्रतिष्ठान] अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधि-
नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कर्मी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/मा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम वा घनकर अधि-
नियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन
निम्नलिखित अक्षितयों, अर्थात्:—

1. श्री रामलुभाया पुत्र श्री जमश्यत राय निवासी
मकान 5/31 पटेल नगर, सहारनपुर (अन्तरक)

2. श्री इन्द्र जीत पुत्र श्री देशराज निवासी खलासी
लाईन, सहारनपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अक्षितयों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अक्षितयों में
से किसी अक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य अक्षित द्वारा अब्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्शों का जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, उही
पर्श होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता प्लाट नम्बर 7 रकबा 755 वर्गगज है जो कि
33975 रु० में बेचा गया है तथा जो शिवपुरीसबाद ईवगाह रोड
जिला सहारनपुर में स्थित है।

बी० सी० चर्तुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 18-8-1980

मोहर :

प्रकाश प्राइंट ई० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
घारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 18 अगस्त 1980

निर्देश सं० 1807 ए/बुलन्दशहर /79-80—अत् मुझे,
बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा
269-ए के अधीन मध्यम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 1136 भूमि है तथा जो डिवाई में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूरी रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अनूपशहर में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन तारीख 8-2-1980

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिये अपरिवर्तनीय है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से तो दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अस्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तब यात्रा गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कठित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राम की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के
वायित्व में कमों करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, किपाने में
सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की घारा 269-ए के अनुसरण
में, ये, उक्त अधिनियम की घारा 269-ए की उपबारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

II—306GI/80

1. श्री छत्तर सिंह पुत्र श्री लाला जयनारायण निं०
डिवाई मौ० बोटा बाजार पर० डिवाई तह० अनूपशहर जिला
बुलन्दशहर।
(अन्तरक)

2 श्री जमालउदीन पुत्र श्री लियाकत निवासी डिवाई
मौ० करयावान पर० डिवाई तह० अनूप शहर जिला बुलन्दशहर।
(अन्तरिती)

ये यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के घरेन के
निए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति ने अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि, या तत्त्वान्वयी अविक्षितियों पर
सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती ही, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी अविक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वद किसी अन्य अविक्षित द्वारा अधोदृष्टाभासी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही पर्याय होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृपि भूमि नं० $\frac{1137}{814+15+10}$ स्थित डिवाई पर०

डिवाई तह० अनूप शहर जिला बुलन्दशहर में स्थित हैं जो कि 37000
रु० में बेचा गया है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सभाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख : 18-8-1980
मोहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 18 अगस्त 1980

निर्देश सं० 1816-ए० मेरठ/79-80—अतः मुझे बी०
सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 466 कृषि भूमि है तथा जो नवीपुरमान
नगर में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय—
मवाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख 13-2-1980

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार
रूप, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिता
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धाराविक
रूप से कार्यकृत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

उक्त 1 अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मति शशिकौर विधवा खचेड़ निवासी ग्राम लालपुर
डा० जई जिला मेरठ

(अन्तरक)

2. श्री रमेशचन्द्र व अजबीर पुत्र गण शौराज सिंह
निवासी शहजादपुर डा० जई जिला मेरठ

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बूध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

ख० न० 466 रकवा 8 बीघा 19 विस्वा 17 विश्वासी
110-65 पै० आके ग्राम नवी पुरमानत नगर तह: मवाना जिला
मेरठ में 58,000/- रुपये की बेची गई।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयक्त, (निरीक्षण)
(अर्जन रेंज,) कानपुर

तारीख: 18-8-1980

मोहर:

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 16 अगस्त 1980

निर्देश सं० 188 ए/गाजियाबाद 79-80—अतः मुझे,
बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी नो, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिपका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० ए०/201 है तथा जो नेहरू नगर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 20-2-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है भौतर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अच्छे में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः आब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपशारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अक्षितयों, अर्थात् :—

1. श्री रामाकान्त मित्तल पुत्र श्री विश्वेश्वर दयाल मित्तल निवासी 17 बी नयांजंग गाजियाबाद। (अन्तरक)
2. श्री नवलाल काठपालिया पुत्र श्री मोती राम काठपालिया निवासी 219 सी, आर्य नगर रेलवे कालोनी, गाजियाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्मान्ती व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि नावद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्धु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही प्रथम होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नम्बर ए०/201 थेनेफल 465-13 वर्ग मीटर स्थित सेक्टर 2 ब्लाक ए नेहरू नगर गाजियाबाद में स्थित है तथा जो 32, 559-10 रुपये का बेचा गया।

बी० सी० चतुर्वेदी
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख : 16-8-1980
मोहर :

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस०--

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जेन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 18 अगस्त 1980

निदण मं० 1877-ए/गाजियाबाद/79-80—अतः मुझे
बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की वारा 269-घ के अधीन सूचना प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी मं० प्लाट नं० 51 है तथा जो नेहरू नगर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्नर प्रधिकारी के कार्यालय गाजियाबाद में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 19-2-1980 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के युक्तमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे युक्तमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और प्रन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) की ओर ऐसे अन्तरण के लिए, तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हड्डि छिपी प्राप्त का बाबा उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या बनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थे अन्तरिती बाबा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, प्रबृ० उक्त प्रधिनियम की वारा 269-ग के पन्तरण में, उक्त प्रधिनियम की वारा 269-घ की उपचारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अपेक्षायों, अर्थात् :—

1. मेसर्स महालक्ष्मी लेन्ड एन्ड फाइनेंस व प्रा० लि० 8 जी जिन्दल ट्रस्ट विलिंग आसफ अली रोड नई दिल्ली द्वारा जनरल एटोरनी अशोक कुमार छावडा पुत्र श्री देशराज छावडा निवासी रिंग रोड लाजपत नगर नई दिल्ली (अन्तरक)

2. संजय कुमार वालिंग पुत्र श्री लालाराम विनय कुमार नावलिंग पुत्र श्री आसाराम द्वारा माता व सरकां श्रीमती राजवाला पत्नी श्री आसाराम निवासी ग्राम बुढाना डॉ मोदी नगर तह० व जिला गाजियाबाद (अन्तरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जेन के लिए कार्यवाहियाँ बताता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जेन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवितर्यों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, दो भी अवधि बाद में ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त संपत्तियों में से किसी अवितर्य द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य अवितर्य द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

उपचारण :—इनमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यायों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नम्बर 51 क्षेत्रफल 464-888 वर्ग मीटर स्थित नेहरू नगर व अशोक नगर गाजियाबाद में स्थित है जो कि 32,542-16 पेसों में बेचा गया है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जेन रेज, कानपुर

तारीख : 18-8-1980
मोहर :

प्रसूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 12 सितम्बर 1980

निर्देश नं० बादाअर्जन/80-81/567—अतः मुझे बी० सी०
चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो गढ़िरया में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बादा में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 4-2-80
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्दरूनी
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से तुर्दि किसी आय को बाधत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधार्तः:—

1. श्री हरी जी निगम पुत्र श्री बाबूलाल निगम सा०
म० कटरा शसर व जिला बादा (अन्तरक)

2. श्री बसन्तलाल नावा० उम्र 17 वर्ष तुलसीराम नावा०
उम्र 15 वर्ष व अनिल कुमार नावा० उम्र 13 वर्ष चि० दयाशंकर
बसर बराही नावा० श्वेत कुमार पुत्र रामसेवक सा० रेपुरा
मजरा व पो० गड गडरिया पर० व जिला बादा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकत
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

कृषि भूमि ग्राम गडरिया व पो० गडरिया जिला बादा में स्थित
है जो कि 40000 ह० की बेची गयी है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 12-9-1980

मोहर :

प्रृष्ठ प आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 4 सितम्बर 1980

निर्देश सं० टी० आर० नं० 1000/अर्जन हाथरस/79-80-

अतः मुझे बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषयास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है तथा जो हाथरस में स्थित है (और
इससे उपाखड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय हाथरस में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,

1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 7-3-1980

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मूर्मे यह विषयास
करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षी
(अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृइ० किसी आय की बावत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
ओर/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीतः—

1. श्री रामकुमार व विनोद कुमार पुष्ट मदनलाल वेश्य
ग्रन्थालय निवासी किलाद्वार हाथरस जिला अलीगढ़ (अन्तरक)

2. श्रीमती सुशीला देवी पत्नी श्री सुन्वरलाल वेश्य
ग्रन्थालय निवासी सादाबाद द्वार हाथरस, जिला अलीगढ़
(अन्तरिक्षी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ० भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक मकान तिमंजिला कुल मकान का क्षेत्रफल 120.25
वर्ग भीटर का 2/3 भाग पुराना बना है तथा जो 86,666.66
रुपये का बेचा गया।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 4-9-1980

मोहर :

प्रस्तुत आई० डी० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर
कानपुर, दिनांक 29 जुलाई 1980

निर्देश सं० 187 अर्जन, /फिरोजाबाद/80-81—ग्रतः
मुझे बी० सी० चतुर्वेदी,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-
ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है
और जिसकी सं० मकान है तथा जो धेर ह्लवाह्यान में स्थित है (और
इससे उपाबन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय फिरोजाबाद में, रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 31-3-80
को पूर्वान्तर संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत म अर्थात् है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की आवत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सूचिधा के लिए;
और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूचिधा
के लिए;

1. श्री जगदीश प्रसाद ओम प्रकाश सुपुत्रगण लाल¹
हरदयाल व श्री मती सूरजमुखी पत्नी हरदयाल वेस्ट निवासी धेर
ह्लवाह्यान फिरोजाबाद (अन्तरक)

2. श्री परशोत्तमदास पुत्र बृजमोहन लाल वंसूले निवासी
धेर ह्लवाह्यान फिरोजाबाद (अन्तरिती)²

को यह सूचना जारी करके पूर्वान्तर सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाह्य करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येष्—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वान्तर
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्षारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभ्राषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक किता मकान पुज्जा नम्बरी 3 बाल धेर ह्लवाह्यान
फिरोजाबाद जिसकी पैमापश 1400 वर्गफुट है सीमा पूरब रास्ता
अञ्चल मकान छेदालाल उत्तर का विनोकी नाथ दक्षिण से मकान
जोहरीलाल,

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

तारीख : 29-7-1980

मोहर :

प्रस्तुप आइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 22 सितम्बर 1980

निर्देश सं. 1963-ए०/पी० एन०/80-81—अतः मुझे
श्री० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसकी मं. 163 है तथा जो पठानपुरा में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता प्राधिकारी के कार्यालय सहारनपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 26-3-80
को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ अक्षय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीनों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्रावारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्हतः—

1. श्री चिरजी लाल पुत्र खेमकरसा निः ग्राम चीनी डा०
व पर: इसलामनगर जिला बदायू (अन्तरक)

2. श्री ओम प्रकाश शर्मा पुत्र श्री लाल सिंह शर्मा निः गिल
कालोनी (सहारनपुर) (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, वो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मन्त्री

एक किता प्लाट रकवई 500 वर्गमीटर के पठानपुरा
सहारनपुर में स्थित है तथा जो 50,000/- रुपये का बेचा गया।

श्री० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 22-9-198

मोहर:

प्रलेप मार्ई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 22 सितम्बर 1980

निर्देश सं० 1951-ए०/पी० एन०/ देहरादून /80-81—
अस्त: मुझे बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० है तथा जो किनसरी मोटर रोड में स्थित
है और इसमें उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्स अधिकारी के कार्यालय मसूरी में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 11-3-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अस्त: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपचारा

(1) के अधीन निम्नलिखित अविनयों पर्याप्त:—

12-306 GI/80

1. श्री राज मोहन मेहरा, कमल मेहरा, ललित मोहन
मेहरा, विजय मोहन मेहरा, नि० 8 माल, अमृतसर कैन्ट
(पंजाब) (अन्तरक)

2. श्री धनीराम थपयाल नि० केनिलवथ स्टेट लाइब्रेरी
किन्सरी मोटर रोड, मसूरी जिला, देहरादून (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तर्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
पर्याप्त होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता दो मंजिला मकान नाम "केनिल वर्थ स्टेट
किनरेज लाइब्रेरी रोड, मसूरी जिला देहरादून में स्थित है

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
(अर्जन रेज), कानपुर

तारीख : 22-9-80

मोहर :

प्रस्तुत वाइ. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा

269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 8 सितम्बर 1980

निर्देश सं. 337ए/कानपुर/80-81—यतः, मुझे,
बी० सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-
ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० कानपुर है, तथा जो शिवा जी
नगर कानपुर में स्थित है (और इससे उपाध्य अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय
कानपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का,
16) के अधीन, तारीख 28-7-1980

को पूर्वांक संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अवयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांक संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके अवयमान प्रतिफल से, ऐसे अवयमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक
रूप में कार्यत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदय किसी आय की बावत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर दने के अन्तरक के बायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण
में मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधिकृतः—

1. श्री रामभाल शुक्लापुर श्री कृष्ण विहारी गोविन्द
नगर कानपुर (अन्तरक)

2. श्री शीतल प्रसाद मिश्रा 117/540 पाठ्य नगर कानपुर
(अन्तरिती)

को मह सूचना जारी करके पूर्वांक संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यशाहीयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वहो अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनुसूची

एक किता मकान नं. 120/511 शिवाजी नगर कानपुर में
स्थित हैं जो कि 100,000 रु० में बेच लगया है।

बी० सी० चतुर्वेदी
मकान प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 8-9-1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एम० एस० -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा

269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 29 अगस्त 1980

निदश सं० 299 बी०/विल्हौर/79-80—अतः मुझे बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी भूमि कुछ भूमि है तथा जो समियापुर में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय विल्हौर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख एफ० एन० 15-5-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यहाँपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विवित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया जाया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की बारा 269-ष की उपलाइ (1) अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अद्वितीय :—

1. श्री रजन लाल पुन्न राम स्वरूप व ललितकुमार पुन्न श्री हरिशंकर निवासी 10 सहगपुर तह० कल्पीज जिला फूलखानाद (अन्तरक)

2. श्री बाबूलाल व रामग्रीतार व रामग्रीधार व रामेश्वर रामसेवक व उजिमारेलाल पुन्न रामसहाय निवासी समियापुर, तह० विल्हौर जिला कानपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अधीन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्षियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन को अवधि, जो भी अवधि बात में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षियों में से किसी अविक्षित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी अन्य अविक्षित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रबुक्त सम्बों प्रोर पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अन्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अन्याय में दिया जाया है।

अनुसूची

कुछ भूमि एकांश 14 बीघा 15 बिस्ता समियापुर विल्हौर जिला कानपुर में स्थित हैं जो कि 6000 रु० में बेची गयी हैं।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 29-8-1980

मोदूर :

प्रृष्ठ प्राइंटी १० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कनापुर, दिनांक 31 अगस्त 1980

निर्देश सं० 1514 ए/देहरादून/79-80—अतः मुझे बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन समाप्ति प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान 47-बी है तथा जो जखान देहरादून में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय देहरादून में, रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 26-3-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से अधिक है और ग्रस्तरक (अन्तरकों) और अस्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के ग्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्राम्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,] छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की आय 269-ग की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री दुर्गप्रियासाद पुत्र श्री गंगा प्रसाद निवासी 47 बी० जखान राजपुर रोड, देहरादून (अन्तरक)

2. श्रीमती राजेश्वरी देवी पत्नी श्री विजय पाल सिंह निवासी 140 जी राजपुर रोड देहरादून (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के लिए कार्यालयिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिवृहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में घोषणाप्रिभावित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान नं० 47 बी० जखान देहरादून में स्थित है जो कि 45,000 रु० में बेची गयी है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सभम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज कानपुर,

तारीख: 30-8-80

मोहर:

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस. —————

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायकर बायकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 18 अगस्त 1980

निवेश सं० 1976 ए/बुलन्द शहर/79-80—अतः मुझे
बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी स० 430 भूमि है तथा जो सरावा में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुमूली में और पूर्ण रूप से अण्ठित
है); रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बुलन्दशहर में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
7-3-80

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रखगान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्खे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृहै किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधार्ता:—

1. श्रीमती कमला देवी उपनाम कमल कुमारी पत्नी
योगेन्द्रपाल निवासी ग्राम भेया जिला मेरठ (अन्तरक)

2. श्री अक्षय कुमार व राकेश प्रताप सिंह पुढ्रगण
श्री अमरसिंह निवासी सरावा परगना शिकारपुर जिला
बुलन्दशहर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइँ भी आक्षण्प:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
मूद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में पर्याप्तिष्ठित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

चतुर्वेदी

कुषि भूमि नं० 430 सरावा पर० शिकारपुर में स्थित
है जोकि 50000 रु० म बेची गयी है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण),
अर्जन रेंज कानपुर

तारीख : 18-8-80

मोहर :

प्रकाप भाई० ई० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 18 अगस्त 1980

निवेदित सं० 1975-ए, बुलन्द शहर/79-80—आतः मुझे,
बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 158 मव 165 प है तथा जो
इल्डोना में स्थित है (और इससे उपाध्यक्ष अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
सिकन्दराबाद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन तारीख 17-3-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के त्रिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पद्धति प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के त्रिए
तय वाया वया प्रतिफल, निम्नलिखित बड़ेरम से उक्त अन्तरण
निखित में वास्तविक रूप से छवित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी व्याय की वापत, उक्त सम्पत्ति के
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी व्याय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा
धनकर आधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनाम अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

आतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के
अनुसार ये, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपकारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित अधितियों, वर्णित—

1. श्री दयानन्द सरूप पुत्र श्री भगवत्स्वरूप व वली
रामानन्द भाई सगा व उमानन्द सरूप निवासी डिप्टींजें
बुलन्द शहर (अन्तरक)

2. श्री धर्मसिंह व बीर सिंह पुत्र चेनमुख निवासी
इन्दौर पर दनकौर तह० सिकन्दराबाद जिला बुलन्दशहर
(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रवधि या उत्तममध्यी अवधियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी
प्रवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
अवधियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रबोहस्ताकारी के पास
निखित में किए जा सकेंगे ।

स्वाक्षरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अब होता जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

कृषि भूमि स्थित ग्राम इल्डोना परगना दनकौर जिला
बुलन्दशहर में स्थित है तथा जो कि 8000 रु० में बेची
गयी है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 18-8-1980

मोहर:

प्र० रुपय प्राई० टी० एन० एस०—

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 22 सितम्बर 1980

निर्देश सं० 1929-ए०/डी० दून/80-81—अतः मुझे,
बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ब के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० है तथा जो बर्लीगंज में स्थित है (और
इससे उपचार अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मंसूरी में रजिस्ट्रीकरण
प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
22-3-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पद्धत प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कठित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उसमें बढ़ने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय [आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए वा छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ब के अनु-
सरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ब की उपचारा
(1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णतः:—

1. श्री वाइटिंग होम्स सोसाइटी मंसूरी देहरादून।
(अन्तरक)

2. दी माउथ ईस्ट एसियन मिशनम ट्रस्ट आफ
हिन्दिया रजिस्टर्ड 205/75 सिकन्दराबाद आन्ध्र प्रदेश
(हिन्दिया)।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजंत के
लिए कार्यवाहियाँ शुरू करस्ता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अजंत के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरधी अविक्तियों पर सूचना की
तारीख स 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाय में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य अविक्त द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किया जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
मर्यादित होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किना मकान दो मंजिला, वरलोगंज, मंसूरी जिला
देहरादून में स्थित है और जो 50,000/- रुपये काबैचा गया।

वी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 22-9-80

मोहर:

प्रकल्प आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 21 अगस्त 1980

निर्देश सं० 104 बी०/कानपुर/79-80—अतः मुझे,
बी० सी० चतुर्वेदी,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-प के पश्चीम सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है तथा जो परमट कानपुर में स्थित है
(और इससे उपावड़ा अनुसूची में और पूण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकरण प्राधिकारी के कार्यालय कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
5-3-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बावत उक्त
अधिनियम के पश्चीम कर देने के अन्तरक
के बायिल्ड में कमी करने या उच्चे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी छन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या छन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित अन्तरितियों, अधीन: ।—

1. श्री हीरालाल जायसवाल पुत्र श्री नोहरीलाल जायसवाल
निवासी 13/120 परमट कानपुर। (अन्तरक)

2. श्री मंजीवकुमार नावार्मिंग पुत्र श्री मंदेशप्रसाद
किंगठी निवासी 13/121 परमट शहर कानपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उक्ते
कार्यालयीय करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्यापेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरें अन्तिम तिथि पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, और भी अवधि बाद
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अन्तिम तिथि में
से किसी अवित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य अधिकत द्वारा अप्रोक्षस्थानी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:-- इसने प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रधान्य 200क में
परिभाषित है, वही प्रयृ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान नम्बर 13/107 परमट कानपुर में स्थित
है जो कि 45000 रु० में बेचा गया है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 21-8-1980

मोहर :

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 19 अगस्त 1980

निर्देश सं० 2006-ए०/मुजफ्फरनगर/79-80—अतः मुझे,
बी० मी० चन्द्रेंदी,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी म० 3897 भूमि (कृषि) है तथा जो चरथावल में स्थित
है (और इसमें उचावद् अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीर्ड प्रविकारी के कार्यालय मुजफ्फरनगर में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख

31-3-1980

को पूर्वांक संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैंने यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांक संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप में कीथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृश्च किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक दो दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपकारण (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

13-306G1/80

1. श्री मात्री प्रसाद पुत्र मत्य मूर्ति निवासी चरथावल
हाल श्री अरविंदो ग्राम पान्डाचरी। (अन्तरक)
2. श्री जय प्रकाश व राजेन्द्र प्रसाद व नरेन्द्र कुमार
पुत्र श्री ताराचन्द्र जिं चरथावल जिला मुजफ्फरनगर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक संपत्ति के अर्जन के लिए,
कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांक संपत्ति
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास निवित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि नं० 3897 ग्राम चरथावल पर० चरथावल में
जिला मुजफ्फरनगर में स्थित है जो कि 80000/- रु० में वे ची
गयी है।

बी० मी० चन्द्रेंदी
सक्षम प्राधिकारी
ग्रामीय आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 19-8-1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ए(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायलिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 19 अगस्त 1980

निर्देश सं० 2007-ए०/मुजफरनगर/79-80—अन्तः मुझे,
बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए
के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है।

और जिसकी सं० 1457 कृपि भूमि है तथा जो चरथावल में स्थित
है (और इससे उपांचद श्रूत्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायलिय मुजफर नगर में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
21-3-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिक्लिन के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिक्लिन से, ऐसे दृश्यमान प्रतिक्लिन के
पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अतिरिक्त (अतिरिक्त)
और अस्तरिती (अस्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिक्लिन, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण
लिखित में रास्तदिश रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बात, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अतिरिक्त के
बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपाधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अवतः:—

1. श्री जयदेव पुत्र श्री रामस्वल्प निं० चरथावल जिला
मुजफरनगर।
(अन्तर्स्व)

2. श्री मान्नी प्रमाद पुत्र श्री डा० सत्यमूर्ति निं० चरथावल
हाल श्री अरविंदो आश्रम पात्तुचारी।
(अन्तर्गती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधिकारी के
लिए कायलियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रवर्तन के सम्बन्ध में कोई भी आलोचना:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तदसम्बन्धी अवित्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अवित्तियों में से किसी अवित्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य अवित्त द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रधानीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृपि भूमि नं० 1457 ग्राम चरथावल पर० चरथावल में
जिला मुजफरनगर में स्थित है तथा जोकि 40000 रु० में बेचा
गया है।

बी० सी० चतुर्वेदी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

तारीख: 19-8-80

ओहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269ए (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहावक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 19 अगस्त 1980

निर्देश सं० 2010-ए०/मुजफ्फर नगर/79-80—अतः मुझे,
बी० सी० चतुर्भुदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के प्रधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 105 कृपि भूमि है तथा जो कैगाना में स्थित
है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कैराना में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
25-3-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथावौक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पन्नह प्रतिक्रिया से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरक) और अस्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथ पात्रा गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से 'हुई किसी आय की बावत 'उक्त अधि-
नियम', के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायिक
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्व आस्तियों
को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अमंकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था जा किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के प्रन-
स्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा
के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बन्दूपुत्र श्री तारीफ निवासी कस्बा कैराना परगना
व डाकब्लाना व तह० कैराना जिला मुजफ्फर नगर।

(अन्तरक)

2. श्री मोहम्मद यासीने पुत्र श्री मोहम्मदइसमाइल व
मोहम्मद उमर पुत्र श्री दिलला व नसीम अहमद पुत्र श्री बशीर
अहमद निवासी कस्बा कैराना पर० व डाक० कैराना जिला
मुजफ्फर नगर।

(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितष्ठद किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अषोहस्ताक्षरी के वास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अन्वाव 20-क में परिचालित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अन्वाव में दिया गया है।

अनुसूची

कृपि भूमि नं० 105 ग्राम कस्बा कैराना पर० कैराना जिला
मुजफ्फर नगर में स्थित है जो कि 44000 रु० में बेशी गयी
है।

बी० सी० चतुर्भुदी
सक्षम अधिकारी
सहावक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 19-8-80

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

1. श्री निकोलस अन्डु पास्कल डिमेली

(अन्तरक)

2. प्रह्लद हसन रीज़वी

(अन्तर्गती)

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई
बम्बई, दिनांक 29 सितम्बर 1980

निर्देश सं० ए० आर-III/2962-13/मार्च 1980—अतः
मुझे, ए० ए८० तेजाले,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० ए८० नं० 282 विस्ता नं० 1 स्ट्रीट नं०
14, 17, 17 ए० है तथा जो दाढ़ा बांद्रा में स्थित है (आर.
इसमें उपाखद्वा अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बांद्रा में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 1) के अधीन, दिनांक
2-1 मार्च, 1980।

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उक्त दृश्यमान प्रतिफल ग, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत ग और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच एस अन्तरण के लिए संय पाया गया प्राप्त-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किरी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बृहु द्वितीय अधिकारी अधारहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख सं० 2188/79 जाइन्ट सब
रजिस्ट्रार, 4 बांद्रा द्वारा दिनांक 24-3-1980 के रजिस्टर्ड
किया गया है।

ए० ए८० तेजाले,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण),
अर्जन रेंज-II बम्बई।

दिनांक: 29-9-1980

मोहर:

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 18th August 1980

No. A 11016/1, 76-Admn II.—The President is pleased to appoint Shri Krishan Lal-II, permanent Assistant of the C.S.S cadre of Union Public Service Commission to officiate on ad-hoc basis as Section Officer in the same cadre with effect from 26-7-80 upto 31-8-80 or until further orders, whichever is earlier.

S. BALACHANDRAN
Deputy Secretary
Incharge of Administration
Union Public Service Commission

ENFORCEMENT DIRECTORATE

FOREIGN EXCHANGE REGULATION ACT

New Delhi-3, the 27th September 1980

No. A-11/6/80.—Shri Devinder Malhotra is appointed to work as Enforcement Officer on a temporary basis against the leave vacancy w.e.f. 12-5-80 and until further orders.

D. C. MANDAI
Dy. Director (Admn.)

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

DEPARTMENT OF PERSONNEL & A.R.

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 13th October 1980

No. S-19/74-AD-V.—The services of Shri S. K. Saxena, IPS (1963-Bihar) Supdt. of Police, Central Bureau of Investigation/Special Police Establishment have been placed back at the disposal of Government of Bihar with effect from 30-9-1980 (Afternoon), on repatriation.

No. A-19021/8/80-AD-V.—The President is pleased to appoint Shri Anand Kumar IPS (MP-1967) as Superintendent of Police on deputation in the Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment with effect from the forenoon of 4-10-1980.

Q. L. GROVER
Administrative Officer (E)

DIRECTORATE GENERAL

CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

New Delhi-110022, the 10th October 1980

No. O II 1445/79-ESTT.—The Director General CRPF is pleased to appoint Dr. (Mrs.) Jyotsna Tiwari as Junior Medical Officer in the CRPF on ad-hoc basis w.e.f. 15-6-80 (FN) for a period of three months only or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

No. O II 1455/79-ESTT.—The Director General CRPF is pleased to appoint Dr. Anil Kaushal as Junior Medical Officer (GDO, Gd-II) in the CRPF on ad-hoc basis with effect from 10-9-80 (FN) for a period of three months or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

A. K. SURI
Assistant Director (Adm.)

OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL

CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110019, the 6th October 1980

No. E-29020/28/79 G A I.—The President is pleased to appoint Shri N. N. MOHANTY, substantively as Asstt. Commandant in the Central Industrial Security Force with effect from 16-9-1976.

SURENDRA NATH
Inspector General/CISF

MINISTRY OF FINANCE

(DEPTT. OF F & A)

INDIA SECURITY, PRESS

Nasik Road, the 5th October 1980

No. 1280/A.—In continuation of Notification No. 527/A, dated 27-6-80, the ad hoc appointments of S/Shri A. S. Palkar and G. Naianayagan as Dy. Control Officers, India Security Press are further extended for a period upto 31-10-1980 on the same terms and conditions or till the posts are filled on a regular basis, whichever is earlier.

P. S. SHIVARAM
General Manager

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT

OFFICE OF THE CONTROLLER OF DEFENCE ACCOUNTS (NAVY)

Bombay-400 039, the 9th October 1980

No. AN/I/1600.—SHRI M V MOHAMMED ALI, SON OF SHRI JMBICHI KOYA K. OF CALICUT, S.O. (ACCOUNTS) ACCOUNT No. 8302842 OF this office has been on unauthorised leave since 1-3-1980 and failed to acknowledge receipt of any of the memorandum issued to him at his known addresses. After following necessary disciplinary proceedings under the departmental rules, it was decided to remove him from service with effect from 3-9-1980 and the order of his removal from service was sent to him at his available addresses in the office. As the registered covers containing the order of removal of the official from the service sent to him at his available addresses have been received back undelivered, it is hereby notified that Shri M. V. MOHAMMED ALI, son of SRJ JMBICHI KOYA K. OF CALICUT stands removed from service with effect from 3-9-1980.

SMT C. R. VIJAYALAKSHMY GUPTA
Dy. Controller of Defence Accounts (Admn.)

MINISTRY OF DEFENCE

D.G.O.F. HQRS, CIVIL SERVICE

ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta, the 1st October 1980

No. 22/80/A/F 1.—On attaining the age of superannuation Shri Biswa Ranjan Gupta, Subst. & Peimt. Assistant, Offg. Assistant Staff Officer retired from service with effect from 30-9-80 (A.N.).

D. P. CHAKRAVARTI, ADGOF/Admin.
for Director General, Ordnance Factories

Calcutta, the 30th September 1980

No. 64/80/G.—On attaining the age of superannuation (58 years) Shri R. M. Apte, Offg. General Manager (G.I-J)/Subst. & Peimt. Deputy General Manager retired from service with effect from 31st January, 1980 (A/N).

V. K. MEHTA,
Assistant Director General, Ordnance Factories

MINISTRY OF COMMERCE

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the 23rd September 1980

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL
(ESTABLISHMENT)

No. 6/1225/77-Admn(G)/5686.—On attaining the age of superannuation Smt. S. K. Kadle, officiating Controller Class-II, relinquished charge of the said post in the office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Bombay on the afternoon of 31st August, 1980.

The 24th September 1980

No. 6 489/58-Admn(G)/5647.—On attaining the age of superannuation Shri R. S. Bansal an officer officiating in Grade II of the Central Trade Service relinquished charge of the post of Deputy Chief Controller of Imports and Exports in this Office on 31-8-80 (A.N.).

P. C. BHATNAGAR,
Dy. Chief Controller of Imports and Exports
for Chief Controller of Imports and Exports

(DEPARTMENT OF TEXTILES)

OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER
FOR HANDLOOMS

New Delhi, the 1st October 1980

No. A-12025(1)/3/80-Admn II(A).—The President is pleased to appoint with effect from the forenoon of the 21st June, 1980 and until further orders Shri Mopuri Reddeppa Naidu as Assistant Director Grade-I (Designs) in the Weavers Service Centre, Madras.

N. P. SESHDARI
Joint Development Commissioner for Handlooms

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS

ADMINISTRATION SECTION A-1

New Delhi-1, the 9th October 1980

No. A-1/1(1161).—The Director General of Supplies & Disposals hereby appoints Shri Mohan Singh on his selection by the Union Public Service Commission to officiate on purely temporary basis against a temporary vacancy as Asstt. Director (Litigation) (Gr. II) in the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi with effect from the forenoon of 30-8-80.

P. D. SETH,
Deputy Director (Administration)
for Director General of Supplies & Disposals

ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA

(KJIAN VIBHAG)

GEOPOLITICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 6th October 1980

No. 7674B/A-32013(4-Driller)/78-19B.—The following Senior Technical Assistants (Drilling) in the Geological Survey of India are appointed on promotion to the post of Driller in the Geological Survey of India on pay according to rules in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in an officiating capacity with effect from the date as mentioned against each, until further orders.

Sl. No., Name and Date of joining

1. Shri R. Sadegopan—24-1-1980 (FN).
2. Shri J. N. Uppal—31-7-1980 (FN).

The 7th October 1980

No. 7751B/A-19012(3-SNP)/80-19B.—Shri S. N. Pandey, Senior Technical Assistant (Chem.), Geological Survey of India is appointed on promotion as Assistant Chemist in the GSI on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of 11-7-1980 until further orders.

No. 7761B/A-30013/2/78-19C.—The following temporary officers of the Geological Survey of India are declared Quasi-Permanent in the grade and with effect from the dates shown against each of them—

Sl. No.	Name	Designation	Date from which de- clared Quasi- Permanent
			3
1.	Shri G.C. Bhambray .	Asstt. Geologist	28-10-78
2.	Shri S.C. Nautiyal .	Do.	16-12-78
3.	Km. Subhra Bhattacharya	Do.	13-10-78
4.	Shri B.R. Venkatesh .	Do.	6-11-79
5.	Shri S.K. Vayangankar	Do.	16-10-78
6.	Shri P.V. Sesha Rao	Do.	21-12-77
7.	Shri Shyamal K. Sen Gupta	Do.	7-6-79
8.	Shri B. Karishkan .	Do.	18-10-79
9.	Shri Rupagosai Sinha	Do.	15-4-79
10.	Shri Vijay K. Kollapuri	Do.	8-1-79
11.	Smt. Sibani Chakraborty (Chowdhury)	Do.	18-2-79
12.	Shri Jagjit Singh Rawat	Do.	9-12-78
13.	Shri K. Radhakrishnan	Do.	9-12-78
14.	Shri Abdul Sattar Khan	Do	6-5-79
15.	Shri S.K. De . .	Asstt. Geophysicist	19-12-77
16.	Shri Tubin Kumar Sinha	Asstt. Geophysicist (Instn.)	22-9-78
17.	Shri Sujit Roy . .	Press Operator	25-8-78

The 9th October 1980

No. 7916B/A-32013(4-Driller)/78-19B.—Shri G. R. Pandey, Senior Technical Assistant (Drilling) in the Geological Survey of India is appointed on promotion to the post of Driller in the Geological Survey of India on pay according to rules in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of 24th July, 1980, until further orders.

V. S. KRISHNASWAMY
Director General

SURVEY OF INDIA

Delhi Dur the 10th October 1980

No. L1-5663/117-LPR.—The Surveyor General of India is pleased to retire Shri Tarapada Sinha, Assistant Manager, General Central Service (Group B) of 102 (P.L.O) Printing Group (E C) Survey of India, Calcutta from the Govt. service on superannuation with effect from 31st August, 1980 (A.N.).

IQBAL SIDDIQUI, Major Engrs.
Assistant Surveyor General

DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 6th October 1980

No. 2/7/77-SII.—Director General, All India Radio, is hereby to appoint Shri R. P. S. Chouhan, Accountant All India Radio, Mathura on ad-hoc basis to officiate as Administrative Officer, All India Radio Gorakhpur with effect from 16th September 1980.

The 9th October 1980

No. 10/25/63-SII.—Director General, All India Radio, hereby appoints Shri A. K. Hazarika, Accountant, All India

Radio, Passighat on ad hoc basis to officiate as Administrative Officer, All India Radio Kohima with effect from 10th September 1980 (FN).

S. V. SESHAIDRI
Dy. Director of Administration
for Director General

New Delhi-1, the 7th October 1980

No. 4(58)/80-SL.—The Director General, All India Radio hereby appoints Smt. Bharati Vyas as Programme Executive, All India Radio, Bombay in a temporary capacity with effect from 29th August 1980 and until further orders.

No. 4(91)80-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri K. Rajan as Programme Executive, All India Radio, Calicut in a temporary capacity with effect from 29th August 1980 and until further orders.

H. C. JAYAL
Dy. Director of Administration
for Director General

New Delhi, the 6th October 1980

No. 10/11/80-SIII.—The Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri S. C. Tripathi, Sr. Engineering Asstt. All India Radio to officiate on promotion in the cadre of Asstt. Engineer, All India Radio and post him at H.P.T., All India Radio, Khampur, Delhi with effect from the forenoon of 6th September 1980, until further orders.

The 7th October 1980

No. 10/17/80-SIII.—The Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri T. Sannappa, Senior Engineering Assistant, All India Radio to officiate on promotion in the cadre of Assistant Engineer, All India Radio and post him at H.P.T., All India Radio, Khampur, Delhi with effect from the forenoon of 15th September 1980, until further orders.

The 9th September 1980

No. 10/1/80-SIII.—The Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri Yuv Raj Kulshreshtha, Senior Engineering Assistant, All India Radio, to officiate on promotion in the cadre of Asstt. Engineer, All India Radio and post him at Upgraha Doordarshan Kendra, Delhi with effect from the forenoon of 6th September 1980, until further orders.

No. 10/18/80-SIII.—The Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri C. H. Medhi Senior Engineering Assistant, All India Radio to officiate on promotion in the cadre of Assistant Engineer, A.I.R. and post him at All India Radio, Dibrugarh with effect from the forenoon of 17th September 1980 until further orders.

H. N. BISWAS
Dy. Director of Administration
for Director General

MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING PUBLICATIONS DIVISION

New Delhi, the 22nd August 1980

No. A.12025/2/80-Admn.I.—Director, Publications Division hereby appoints Shri R. K. Shukla, Artist, Employment News Unit as Artist in the Publications Division in an officiating capacity, in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—FB—35—880—40—1000—FB—40—1200 on *ad-hoc* basis with immediate effect vice Shri B. C. Mandal, Artist who has since been relieved from this Division, consequent on his appointment in I.C.A.R.

2. This *ad-hoc* appointment shall not bestow upon Shri Shukla a claim for regular appointment in the grade of Artist. This service will also not count for purposes of seniority in that grade.

T. C. AGARWAL.
Dy. Director (Admn.)

MINISTRY OF RURAL RECONSTRUCTION DIRECTORATE OF MARKETING AND INSPECTION

Faridabad, the 7th October 1980

No. A.19025/54/80-A.III.—On the recommendations of the Union Public Service Commission Shri Tamal Chandra Bhattacharya has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Group III) in this Directorate at Bombay with effect from 10th September 1980 (FN), until further orders.

The 9th October 1980

No. A.19023/65/78-A.III.—The short-term appointment of Shri R. V. Kurup to the post of Marketing Officer (Group I) in this Directorate at Calcutta has been extended upto 31st December 1980 or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier.

B. L. MANIWAR
Director Administration
for Agricultural Marketing Adviser

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY NUCLEAR FUEL COMPLEX

Hyderabad-560762, the 1st September 1980
ORDER

No. NFC/P.A.V/2606/1032/1803 —1. WHEREAS Shri K. Shankar, while functioning as Tradesman 'A' in ZFP, was deputed for Workers' Teachers' Training course conducted by the Regional Director, Workers' Education Centre, Hyderabad, from 27-12-79 onwards and was relieved from NFC with effect from 26-12-1979 AN to join the above course;

2. AND WHEREAS the Regional Director, Workers' Education Centre, intimated vide his letter Ref. No. 1576 dt. 4-3-80 that Shri Shankar was not attending the classes from 30-1-1980;

3. AND WHEREAS Shri Shankar sent two medical certificates dt. 21-1-80 and 29-2-80 for the periods from 21-1-80 to 29-2-80 and from 1-3-80 to 30-3-80 respectively issued by Dr. A. Venkateswara Rao to the effect that he was suffering from "Infective Hepatitis", but did not submit any application for leave;

4. AND WHEREAS on 9-5-80 a telegram was sent by Administrative Officer, NFC, asking Shri Shankar to report for duty immediately;

5. AND WHEREAS Shri Shankar did not report for duty in spite of the instructions;

6. AND WHEREAS the post copy of the said telegram dt. 9-5-80 sent vide Note No. NFC/P.A.V/2606/826 dt. 9-5-80 to his known address viz. H. No. 3-5-303, Vittalwadi, Narayanguda, Hyderabad, was returned undelivered by postal authorities with the remarks "Party not found here since seven days" "Returned to the sender";

7. AND WHEREAS Shri Shankar continued to remain absent from duty unauthorisedly without keeping NFC Management informed of his whereabouts;

8. AND WHEREAS the Disciplinary Authority proposed to hold an inquiry against Shri Shankar under para 41.2(ii) of NFC Standing Orders and a charge-sheet vide memorandum No. NFC/P.A.V/2606/1032/1388 dt. 13-7-80 was sent by Registered Post (Ack. Due) to the known address viz. Shri K. Shankar, 3-5-303, Vittalwadi, Narayanguda, Hyderabad.

9. AND WHEREAS the said memorandum No. NFC/P.A.V/2606/1032/1388, dt. 13-7-80 sent by Regd. Post (Ack. Due) to the above address was returned undelivered by postal authorities with remarks "Seen seven days Not found. Returned to sender";

10. AND WHEREAS the said Shri Shankar continued to remain absent and failed to inform Nuclear Fuel Complex of his whereabouts;

11. AND WHEREAS the said Shri Shankar had been guilty of voluntarily abandoning services;

12. AND WHEREAS because of his abandoning service without keeping Nuclear Fuel Complex informed of his present whereabouts, the undersigned is satisfied that it is not reasonably practicable to hold an inquiry as provided in para 41 of the NFC Standing Orders and/or Rule 14 of the CCS (CCA) Rules, 1965;

13. NOW, THEREFORE, the undersigned in exercise of the powers conferred under para 42 of NFC Standing Orders read with DAF Order No. 22(1)/68-Adm.II, dated 7-7-79 and/or under Rule 19(ii) of CCS (CCA) Rules, 1965, hereby removes the said Shri K. Shankar, Tradesman 'B', ZFP, NFC, from services with immediate effect.

N. KONDAL RAO
Chief Executive

of Space on a purely temporary and provisional basis and until further orders:—

Sl. No.	Name	Designation	Date
S/Shri			
1. M. J. Cyriac . . .	Scientist/Engineer SB	5-1-1980	
2. H. G. Bhaskar . . .	Scientist/Engineer SB	24-1-1980	
3. D.V.A. Raghava Murthy . . .	Scientist/Engineer SB	1-2-1980	
4. T. Y. Mangoli . . .	Scientist/Engineer SB	8-2-1980	
5. N. Viswanatha . . .	Scientist/Engineer SB	5-6-1980	
6. R. Sridharan . . .	Scientist/Engineer SB	16-8-1980	

S. SUBRAMANYAM
Administrative Officer-II

RFACTOR RESEARCH CENTRE

Kalpakkam-603102, the 30th September 1980

No. A.32013/15/80/R-11817.—The Project Director, Reactor Research Centre hereby appoints the under mentioned officials of this Centre as temporary Scientific Officers/Engineers Grade SB in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- with effect from August 1, 1980 until further orders.

Sl. No., Name and Present Status

1. Shri C. A. Dixit Quasi permanent Draughtsman (C).
2. Shri N. Bashyam Temporary Foreman.

(Sd.) ILLFGIBLF
Administrative Officer

DEPARTMENT OF SPACE

CIVIL ENGINEERING DIVISION

Bangalore-560025, the 4th October 1980

CORRIGENDUM

No. 10/5(37)/79-CED(H).—In this office notification No. 10/5(37)/79-CED(H), dated April 22, 1980, the entries against Serial Number 1 in respect of Shri AG Yuvasena shall stand deleted.

M. P. R. PANICKER
Administrative Officer-II
for Chief Engineer

ISRO SHAR CENTRE SRIDHARIKOTA COMMON FACILITIES PERSONNEL AND GENERAL ADMN. DIVN.

Sriharikota-524 124, the 7th July 1980

No SCF : P & GA : ESTT : 1-72.—The Director is pleased to appoint on promotion the following officials to the post of Engineer-SB in the SHAR Centre, Sriharikota in an officiating capacity with effect from the dates indicated against each and until further orders :—

Sl. No.	Name	Designation	Date of appointment
S/Shri/Kum./Smt.			
1. Umesh Chandra Debnath . . .	Engineer 'SB'	1-4-1980	
2. N. Kumar . . .	Engineer 'SB'	1-4-1980	
3. M. S. Rama Murthy . . .	Engineer 'SB'	1-4-1980	
4. S. Jayalakshmi . . .	Engineer 'SB'	1-4-1980	
5. P. S. Rajendra Prasad . . .	Engineer 'SB'	1-4-1980	
6. R. Sridharan . . .	Engineer 'SB'	1-4-1980	
7. S. Gopal . . .	Engineer 'SB'	1-4-1980	
8. V. S. Subba Rao . . .	Engineer 'SB'	1-4-1980	
9. P. N. Hangal . . .	Engineer 'SB'	1-4-1980	

The 8th July 1980

No. SCF : P&GA : ESTT : 1.72.—The Director is pleased to appoint Shri Ramachandra Tripathi to the post of Engineer-SB in the SHAR Centre, Sriharikota in an officiating capacity with effect from 17th April 1980 and until further orders.

R. GOPALARATNAM
Head, Personnel and General Admn.
for Director

Bangalore-560 058, the 1st October 1980

No. 020/3 (061)/A/80—Director ISRO Satellite Centre is pleased to appoint the undermentioned persons to posts and with effect from the forenoon of the dates indicated against each in the ISRO Satellite Centre, Bangalore of the Department

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 30th September 1980

No. A.32013/2/80-E.I.—In continuation of this Department Notification No. A.32013/2/80-E.I., dated the 30th September 1980 the President is pleased to continue the *ad hoc* appointment of Shri R. S. Goela, to the post of Director of Communication (P&E) in the Civil Aviation Department for the period from 9-8-80 to 2-9-80.

No. A.32013/2/80-E.I.—The President is pleased to appoint Shri R. S. Goela, Dy. Director of Communication, Civil Aviation Department to the post of Director of Communication (P&E), in the same Department on an *ad-hoc* basis w.e.f. 24th May 1980 and upto 8th July 1980.

2. This cancels this office Notification No. A.32013/2/80 (ii)-E.I., dated the 1st July 1980

The 31st October 1980

No. A.32017/10/77-E.I.—In continuation of this Department Notification No. A.32013/10/77-E.I., dated the 22nd December 1979, the Director General of Civil Aviation is pleased to sanction continued *ad-hoc* appointment of Shri S. W. H. Jafri, substantive Librarian in this Department in the Civil Aviation Department for a further period of 6 months w.e.f. 17th May 1980 or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier.

C. K. VATSA
Assistant Director of Administration

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 8th October 1980

No. 1/96/80-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri K. Ganeshan, as Assistant Engineer, in an officiating capacity, in the Switching Complex, Bombay, with effect from the forenoon of the 17th June 1980 and until further orders, on regular basis.

No. 1/423/80-FST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri K. Karunakaran, Superintendent, Bombay Branch as Asstt. Admin. Officer in an officiating capacity in the Avi Branch of OCS with effect from the forenoon of the 10th March 1980 and until further orders, on a regular basis.

No. 1/439/80-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri D. P. Naskar, Supervisor, Calcutta Branch as Dy. Traffic Manager, in an officiating capacity, in the same Branch with effect from the forenoon of the 31st March 1980 and until further orders, on a regular basis.

The 9th October 1980

No. 1/98/80-FST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri G. S. Chhatwal, Technical Assistant, New Delhi Branch as Assistant Engineer, in an officiating capacity, in the same Branch, for the period from 21st April 1980 to 17th June 1980, against short-term vacancy, purely on *ad hoc* basis.

No. 1/154/80-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri B. S. David, Technical Assistant, DTS, Poona as Assistant Engineer, in an officiating capacity, in the same Branch, for the period from 21st April 1980 to 17th June 1980, against short-term vacancy, purely on *ad hoc* basis.

14—306GI/80

inating capacity, in the same Branch, for the period from 26th May 1980 to 30th June 1980 against short-term vacancy, purely on *ad hoc* basis.

No. 1/287/80-FST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri B. B. Lal, Tech. Asstt. New Delhi as Assistant Engineer, in an officiating capacity in the same Branch, for the period from 28th April 1980 to 28th June 1980, against short-term vacancy, purely on *ad-hoc* basis.

No. 1/344/80-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri A. K. Chatterjee, Supervisor, Calcutta Branch as Dy. Tfc. Manager, in an officiating capacity, in the same Branch, for the period from 16th June 1980 to 9th August 1980, against short-term vacancy, purely on *ad hoc* basis.

No. 1/460/80-Est.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri P. Mukherjee, Technical Assistant, Calcutta Branch as Assistant Engineer, in an officiating capacity, in the same Branch, for the period from 18th February 1980 to 11th April 1980, against short-term vacancy, purely on *ad hoc* basis.

No. 1/460/80-FST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri P. Mukherjee, Technical Assistant, Calcutta Branch as Assistant Engineer, in an officiating capacity in the same Branch, for the period from 5th May 1980 to 28th June 1980, against short-term vacancy, purely on *ad hoc* basis.

H. L. MAJHOTRA
Dy. Director (Admn.)
for Director General

Bombay, the 8th October 1980

No. 1/92/80-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri A. K. Mahajan, Quasi-permanent Technical Assistant, Switching Complex, Bombay as Assistant Engineer, in an officiating capacity, in the same office with effect from the forenoon of the 1st April 1980 and until further orders, on a regular basis.

No. 1/373/80-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri M. Haridasan as Assistant Engineer, in an officiating capacity, in the Switching Complex, Bombay, with effect from the forenoon of the 22nd July 1980 and until further orders, on a regular basis.

The 9th October 1980

No. 1/324/80-FST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri S. M. Ilyas, Assistant Engineer, in a temporary capacity, in the Switching Complex, Bombay, with effect from the forenoon of the 30th September 1980, and until further orders, on a regular basis.

No. 1/385/80-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri Gur Iqbal Singh as Assistant Engineer, in a temporary capacity, in the New Delhi Branch with effect from the forenoon of the 4th August 1980 and until further orders, on a regular basis.

No. 1/434/80-FST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri B. K. Kaushik, temporary Technical Assistant, New Delhi Branch as Assistant Engineer, in a temporary capacity, in the same Branch, with effect from the forenoon of the 20th June 1980 and until further orders on a regular basis.

P. K. G. NAYAR
Director (Admn.)
for Director General

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

Pune, the 4th October 1980

No. 2/C.Ex. PN/80.—Statement showing names, addresses and other particulars of persons convicted by a Court for the contravention of Section 9 of the Central Excise and Salt Act, 1944, within the jurisdiction of Pune Central Excise Collectorate.

So. No.	Name and address of the person	Provisions of the Act or Rules made thereunder contravened.	Particulars of sentence awarded by the Court	Remarks
1	2	3	4	5
(1) (i)	M/s Poona Oxygen and Acetylene Co. (Pvt.) Ltd., 40/41, Hadapsar Industrial Estate, Hadapsar, Pune-13.	Rules 9, 52 (A), 53, 173 (a) and 226 of Central Excise Rules, 1944, punishable under Section 9 of Central Excise and Salt Act, 1944.	Convicted and awarded sentence to pay a fine of Rs. 1000/-.	J.M.F.C. Cantonment Court, Pune's Cr. Case No. 617/77 decided on 20-3-1980.
(ii)	Shri G. L. Poorswani, Managing Director, C/o Poona Oxygen and Acetylene Co. (Pvt.) Ltd., 40/41, Hadapsar Industrial Estate, Hadapsar, Pune-13.	Do.	Convicted and awarded sentence to pay a fine of Rs. 1000/- in default to suffer simple imprisonment for six months, each (on persons (ii) to (iv) in Col No. 2)	Do.
(iii)	Shri H. L. Poorswani, 52/4, Mira Society, Shankar Shet Road, Pune-1.	Do.	Do.	Do.
(iv)	Shri M. L. Poorswani, 125/8 Mira Society, Salisbury Part, Pune-1.	Do.	Do.	Do.
(2) (i)	M/s Poona Oxygen and Acetylene Co. (Pvt) Ltd; 40/41, Hadapsar Ind. Estate, Hadapsar, Pune-13.	Do.	Convicted and awarded sentence to pay a fine of Rs. 500/-.	J.M.F.C. Cantonment Court, Pune's Cr. Case No. 618/77 decided on 20-3-1980
(ii)	Shri G.L. Poorswani, Managing Director C/o Poona Oxygen and Acetylene Co. (Pvt.) Ltd. 40/41, Hadapsar Ind. Estate, Hadapsar, Pune-13.	Do.	Convicted and awarded sentence to pay a fine of Rs. 500/- in default to suffer simple imprisonment for six months, each on persons (ii) to (iv) in Col. No. 2.	Do.
(iii)	Shri H. L. Poorswani, 52/5 Mira Society, Shankar Shet Road, Pune-1.	Do.	Do.	Do.
(iv)	Shri M. L. Poorswani, 125/8, Mira Society, Salisbury Part, Pune-1.	Do.	Do.	Do.

H. M. SINGH
Collector of Central Excise & Customs,
Pune

MINISTRY OF ENERGY
(DEPARTMENT OF COAL)
COAL MINES LABOUR WELFARE ORGANISATION

Dhanbad-826003, the 9th October 1980

No. Med/Adm.2(9)Genl-80.—Dr. Ashok Kumar Sinha has been appointed as Dentist on *ad-hoc* basis at Central Hospital of the Coal Mines Labour Welfare Organisation at Dhanbad w.e.f. 17th June 1980 (F/N).

D. PANDA
Coal Mines Welfare Commissioner
Dhanbad

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-110022, the 9th October 1980

No A-32014/1/80-Adm. V.—Chairman, Central Water Commission hereby appoint the following officers to officiate in the grade of Extra Assistant Director/Asstt. Engineer (Engineering) on purely temporary and adhoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB 40-1200 for a period of six months or till the posts are filled on regular basis, whichever is earlier with effect from the dates noted against their names :—

Sl. No.	Name of Officer with designation	Date of assumption of charge as EAD/AE.
1	2	3
S/Shri		
1.	G. P. Mathur, Design Assistant	3-10-80 (forenoon)
2.	M. R. Chakraborty, Design Assistant	3-10-80 (forenoon)
3.	M. C. Lulla, Supervisor	29-9-80 (forenoon)
4.	C. L. Bajaj, Supervisor	29-8-80 (forenoon)
5.	K. L. Dhar, Supervisor	22-9-80 (forenoon)
6.	T. S. Chhibber, Supervisor	22-9-80 (forenoon)
7.	T. N. Srivastava, Supervisor	27-9-80 (forenoon)
8.	S. C. Jain, Supervisor	26-9-80 (forenoon)

K. L. BHANDULA
Under Secretary
Central Water Commission

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND
COMPANY AFFAIRS
(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)
COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

Bombay, the 6th October 1980

Co. No. 12918/Liq.—Notice is hereby given pursuant to section 445(2) of the Companies Act, 1956 that M/s Rajshree Exports Pvt. Ltd. has been ordered to be wound up by an order dated 3-9-79 passed by the High Court of Maharashtra and that the Official Liquidator attached to the High Court of Maharashtra has been appointed as the Official Liquidator of the company.

S. CHAND
Asstt. Registrar of Companies
Maharashtra, Bombay

*In the matter of the Companies Act, 1956 and
In the matter of M/s Samta Finance (Raipur) Private Limited
Raipur*

Gwalior, the 9th October 1980

No. 1156/Liqn/CP/4218].—Notice is hereby given pursuant to section 445(2) of the Companies Act, 1956 that M/s Samta Finance (Raipur) Private Limited, Raipur has been ordered to be wound up by an order dated 2-5-1980 passed by the Hon'ble High Court of Madhya Pradesh, Jabalpur and the Official Liquidator, Indore has been appointed as the Liquidator of the company.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
M/s Bilaspur Paper & Board Mills Prvate Limited*

Gwalior, the 9th October 1980

No. 1075/Y/560/(5)4246.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s Bilaspur Paper & Board Mills Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Sahyogi Finance (Satna) Private Limited*

Gwalior, the 9th October 1980

No. 1170/BSY/4248.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiry of three months from the date hereof the name of Sahyogi Finance (Satna) Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. K. SAXENA
Registrar of Companies
Madhya Pradesh, Gwalior

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
BOMBAY

Bombay, the 30th September 1980

Ref. No. AR II/2968-14/Mat 80.—Whereas, I, A. H. TEJALE,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
C.S. Nos. B/1136, B 1137, 1138 & 1139 situated at Bandra
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Bandra on 31-3-1980

for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets, which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Sh. Jorge D'Souza & Mis. Alice D'Souza.
(Transferor)
- (2) Rose Minar Co-op. Hsg. Soc. Ltd.
(Transferee)
- (3) As per Annexure below :

<i>Floor</i>	<i>S. No.</i>	<i>Name</i>
1st	1.	Shri L. Neet
1st	2.	Miss P. Towers
1st	3.	Rose Entrepreneurs
1st	4.	Rose Entrepreneurs
2nd	5.	Shri M. G. Albuquerque
2nd	6.	Shri S. Reuben
2nd	7.	Shri A. W. E. D'Souza
3rd	8.	Shri R. D'Souza
3rd	9.	Mrs. M. A. Coka
3rd	10.	Mrs. I. Fernandes
4th	11.	Shri W. I. Jacobs
4th	12.	Shri M. K. Banatwala
4th	13.	Shri J. Menezes
5th	14.	Mrs. L. Gonsalves
5th	15.	Shri H. Soares
5th	16.	Shri K. G. Suavina
5th	17.	Rose Entrepreneurs (Mr. L. Abreo)
6th	18.	Mrs. M. D'Souza
6th	19.	Rose Entrepreneurs
6th	20.	Mrs. D. M. D'Souza
7th	21.	Shri Jina Misty
7th	22.	Rose Entrepreneurs
7th	23.	Shri T. H. Sardar
8th	24.	Shri F. S. Dadachanji
8th	25.	Shri J. G. Karat
9th	26.	Rose Entrepreneurs
9th	27.	Rose Entrepreneurs
9th	28.	Rose Entrepreneurs
Ground	29.	Dr. K. D'Souza
	30.	Miss C. Pereira
	31.	Mrs. F. D'Souza
	32.	Rose Entrepreneurs
	33.	Rose Entrepreneurs
Basement	34.	Rose Entrepreneurs

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective person whichever
period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in Registered Deed No. 330/1980
with the Dist. Sub-Registrar-IV, Bandra, on 31-3-1980.

A. H. TEJALE,

Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Bombay.

Date : 30-9-80

Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s Shivgan Premji Patel & Co.

(Transferor)

(2) Santacruz Pushpanjali C HS Ltd.

(Transeree)

(3) As per Annexure below .

S. No. & Name

1. Smt. Devi H. Bajaj
2. Shri Ramniranjan Bajaj
3. Shri Shewaram B. Patwari
4. Shri P. M. Kamdar
5. Mr. Navanandan P. Shah
6. Mr. V. K. Kadakia
7. Smt. Kailash Rani Malhotra
8. Mr. V. A. Hotha
9. Mr. N. R. Nayak
10. Mr. Madhukar K. Shah
11. Mr. Chimanlal A. Parmar
12. Mr. Babulal Pachabhai

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. S 4380/75/Bom and registered on 8-4-1980 with the Subregistrar, Bombay.

A. H. TIJALE,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 9-10-80
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Form ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
POONA

Poona, the 7th October 1980

Ref No. C A5/SR.Wai/April 80/182/80-81.—Whereas, I, A. CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing T.P.S. III, F.P. No. 270, (½ Share) situated at Dhandheghar, Tal Mahableshwar, Dist Satara (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at S.R. Wai on 13-4-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Madhusudan Keshav Yeotikar, Advocate, Executor to the Estate of Late Malibai Saheb Shripatir Holkar, Rajendra Nagar, INDORE, (M.P.).
(Transferor)
- (2) 1. Shri Ashik Illessein Sheralli Nanji, 2. Shri Ayaz Sheralli Nanji Gadhiya, At Post Pachagani, Tal. Mahableshwar, Dist. Satara.
(Transferee)
- (3) Shri M. V. Mayanikar, 'Chiman Bagg', Panchagani-412805, Dist. Satara.
(Person in occupation of the property)
- (4) Shri M. V. Mayanikar, 'Chiman Bagg', Panchagani-412805, Dist. Satara.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any monies or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and 2 buildings situated at Panchagani Municipality Town Planning Scheme III, Final Plot No. 270 (½ Share), at Dhandheghar, Tal. Mahebleshwar, Dist. Satara

(Property as described in the document No. 360 registered in the office of the Sub-Registrar, Wai, Dist. Satara on 13-4-1980).

A. C. CHANDRA,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona.

Date . 7-10-80
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
POONA

Poona, the 7th October 1980

Ref. No. CAS/SR.Wai/Apri 80/483/80-81.—Whereas, I, A. C. CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing T.P.S. No. III, F.P. No. 270 (½ share) situated at Dhandhegar, Tal. Mahableshwar, Dist. Satara (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Wai on 13-4-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Madhusudan Keshav Yeotikar, Advocate, Executor of the Estate of Late Maltibai Suleb Shripat-rao Holkar, Rajendra Nagar, Indore, (M.P.).
(Transferor)
- (2) 1. Shri Sherbanubai Sheralli Nanji, 2. Shri Sheralli Nanji Gadhiya, At Post Panchagani, Tal. Mahableshwar, Dist. Satara.
(Transferee)
- (3) Shri M. V. Mayanikar, 'Chiman Bagg', Panchagani-412805, Dist. Satara.
(Person in occupation of the property)
- (4) Shri M. V. Mayanikar, 'Chiman Bagg', Panchagani-412805, Dist. Satara.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and 3 buildings situated at Panchagani Municipality Town Planning Scheme III, Final Plot No. 270 (½ Share), At Dhandhegar, Tal. Mahableshwar, Dist. Satara.

(Property as described in the sale-deed registered under document No. 432 in the office of the Sub-Registrar, Wai, Dist. Satara on 13-4-1980).

A. C. CHANDRA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona.

Date : 7-10-80
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Ajai Kumar Mehta

(Transferor)

(2) Shrimati Rajeswari Devi

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRATH MARG,
LUCKNOW

Lucknow, the 16th September 1980

Ref. No. GIR No. R-149 'Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

One plot of land and main gate measuring 255.05 sq. mtrs situated at Mohalla Gujrati, Moradabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Moradabad on 19-3-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferee; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

TII F SCHEDU L

One plot of land and main gate, measuring 255.05 sq. mtrs, situated at Mohalla-Gujrati, Distt. Moradabad, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37-G No. 774/80, both of which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Moradabad, on 19-3-1980.

A. S. BISEN,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 16-9-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Ajoy Kumar Mehta
(Transferor)
(2) Shri Vinod Kumar
(Transferee)
(3) Seller
(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRATH MARG
LUCKNOW

Lucknow the 20th September 1980

Ref. No. GIR No. V-47/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

A double storeyed house including land measuring 200.31 sq. mtrs. situated at Mohalla—Gujrati, Moradabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Moradabad on 19-3-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ac, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One pucca built double storeyed house having main gate towards south including land measuring 200.31 sq. mtrs. situated at Mohalla-Gujrati, Moradabad, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37-G No. 773/80, which both have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Moradabad, on 19-3-1980.

A. S. BISEN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 20-9-1980.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
15—306/80

FORM ITNS-----

(1) Shri Mool Prakash

(Transferor)

(2) Smt. Beena Rani

2. Smt. Veena Agarwal Alias Sobha Agarwal
3. Smt. Rekha Rani

(Transferee)

(3) Above purchasers

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE,
57, RAM TIRATH MARG

Lucknow, the 20th September 1980

Rcf. No. GIR No B-90/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

One double storched house No. 97 situated at Mohalla—Raham Khani, Kashipur, Nanital (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Nanital on 19-3-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A double storched pucca house No. 97 situated at Mohalla Raham Khani, Kashipur, Nanital, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37-G No. 856, both of which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Nanital, on 27-3-1980.

A. S. BISEN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 20-9-1980
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I
2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE;

ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380009, the 11th August 1980

Ref. No P.R. No. 1145, Acq.23-I/80-81.—Whereas, I, S. N. MANDAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing F.P. No. 923, T.P.S. 3, Sub-Plot No A Paiki situated at Paldi, Ahmedabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in this Office of the Registering Officer at Ahmedabad on 7-2-1980, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Rasiklal Trikamal Shah; through; His constituted Attorney Shri Chinubhai Chandulal Shah; B-6, Avkar Apartments, St. Xavier's Road, Ahmedabad.

(Transferee)

(2) Sanskar Vikas Mandal Owners Association; Through : Shri Tarun C. Shah, C/o. M/s. Gandhi & Co., 17-19, 2nd Floor, E.B. Shopping Centre, Ahmedabad,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

I and bearing F.P. No. 923, TPS. 3 Admeasuring 624 sq. yds, paiki undivided $\frac{1}{4}$, situated at Paldi, Ahmedabad duly registered by Registering Officer, Ahmedabad vide sale-deed No. 2506/7-2-1980 i.e. property as fully described therein.

S. N. MANDAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-8-1980
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-I
2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE;
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380009, the 11th August 1980

Ref. No. P.R. No. 1146, Acq. 23-I/80-81.—Whereas, I, S. N. MANDAL; being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing F.P. No. 923, T.P.S. 3, Sub-Plot No. A Paiki situated at Paldi, Ahmedabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 7-2-1980, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Rasiklal Trikamal Shah; through; His constituted Attorney Shri Chinubhai Chandulal Shah; B-6, Avkar Apartments, St. Xavier's Road, Ahmedabad.
(Transferor)

(2) Sanskar Vikas Mandal Owners Association; Through : Shri Tarun C. Shah, C/o. M/s. Gandhi & Co., 17-19, 2nd Floor, E.B. Shopping Centre, Ahmedabad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land bearing F.P. No. 923, TPS. 3 Admeasuring 624 sq. yds., paiki undivided 4, situated at Paldi, Ahmedabad duly registered by Registering Officer, Ahmedabad *vide* sale-deed No. 2505/7-2-1980 i.e. property as fully described therein.

S. N. MANDAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269C of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 11-8-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Chandravati Fatehchand Ramani;
Behind Navrangpura Telephone Exchange;
Ahmedabad.

(Transferor)

(2) (1) Shri Shyamsunder Gangaram Santani;
(2) Smt. Ishwaribai Gangaram Santani;
both at Bungalow No. 26, Bungalow area,
Kubernagar, Ahmedabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I

2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE;

ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 19th August 1980

Ref. No. P.R. No. 1160, Acq.23-I/80-81.—Whereas, I, S. N. MANDAL; being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing CTS No. 4085, N.P. Nos. 7324 to 7332 Plot No. 23 S. No. 40 situated at Bungalow area, B. No. 26, Kubernagar, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on 27-2-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Building standing on land 500 sq. yds. bearing C.T.S. No. 4085, N.P. Nos. 7324 to 7332 on Plot No. 23, S. No. 40 situated at Bungalow area, Kubernagar, Ahmedabad duly registered *vide* sale deed No. 1180/27-2-80 i.e. property as fully described therein.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

S. N. MANDAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 19-8-1980

Seal :

FORM NO. ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE I
2ND FLOOR HANDIOMM HOUSE;

ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 18th September 1980

Ref No PR No 1181 Acq 23 I/80-81 — Whereas, I,

MANGI LAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No S No 82 83 1, 83-2, 83 3, 84 and 99, Sub-plot 35 of Memnagar situated at Memnagar, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on 14-3-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

(1) Induben Suragwala;
11-Union Society, 25, Jagannath Plot, Rajkot.
(Transferor)

(2) Shri Sudhirbhai Harilal Desai,
C-4-1, Safadarganj—Development Area,
New Delhi-16
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 707 sq. yds bearing S No 82, 83-1, 83 2, 83 3, 84 and 99 Sub-plot No. 35 of Memnagar, situated at Memnagar, Ahmedabad and as fully described in the sale deed registered vide Registering No. 4383 dated 14-3-1980.

MANGI LAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, AhmedabadDate 18-9- 1980
Seal

FORM ITNS

(1) M/s. DLF United Limited,
21-22, Na India Place Parliament Street, New Delhi.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri S. Paul S/o Shri H. R. Nanda and Master
Puncet Nanda S/o S. Paul,
I-27, N D S.F.I New Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I

H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE,
NEW DELHI-110 002

New Delhi, the 4th October 1980

Ref. No. IAC/Acq.1/SR-III/2-80/1079.—Whereas, I,
R. B. L. AGGARWAL,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter
referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. Portion No. 202,

situated at DLF House F-40, Connaught Place New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer
at New Delhi on February 1980

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
money or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Portion No. 202 on the Second Floor of the front building
admeasuring 192.25 sq. ft. (Including thickness of the walls)
DLF House, F-40, Con. Place New Delhi bounded as
under :—

North : Others' property.
South : Part of passage.
East : Portion No. 203.
West : Portion No. 201.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date 4-10-1980
Seal .

FORM ITNS

(1) M/s. DLF United Limited,
21-22, Narindra Place Parliament Street, New Delhi.
(Transferor)

(2) Master Vivek Gupta, Master Rahul Gupta, under
the guardianship of their father Shri R. K. Gupta,
58, Model Basti Delhi-5.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I

H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE,
NEW DELHI-110 002

New Delhi, the 4th October 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/2-80/1069.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Portion No. 207 (2nd Floor) situated at DLF House F-40, Connaught Place New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on 29-2-80 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Portion No. 207, Second Floor, DLF House F-40, Connaught Place New Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date 4-10-1980
Seal :

FORM ITNS —————

(1) M/s. DLF United Builders,
21-22, Narindra Place Parliament Street, New Delhi.
(Transferor)

(2) Shri Ravi Nanda S/o H. R. Nanda,
Suneet Nanda S/o Shri Ravi Nanda and Rajneesh
Nanda S/o Shri Satish Nanda,
J-27, N.D.S.E.I New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I

H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE,
NEW DELHI-110 002

New Delhi, the 4th October 1980

Ref. No. IAC/Acq.-I/SR-III/2-80/1029.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-, No. Portion No. 201, Second Floor, situated at DLF House F-40, Connaught Place, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on February 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

16—306GI/80

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion No. 219 second floor on the front building ad-measuring 656 sq. ft. DLF House, F-40, Connaught Place, New Delhi bounded as under :—

North : Other's property.
South : Stair case and part of passage.
East : Portion No. 202.
West : Open.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Date : 4-10-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. DLF United Builders,
21-22, Narindra Place Parliament Street, New Delhi.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Dinesh Kumar Gupta S/o Dr. Moti Lal Gupta,
N-117, Greater Kailash I, New Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I

H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE,

NEW DELHI-110 002

New Delhi, the 4th October 1980

Ref. No. IAC/Acq.-I/SR-III/2-80/1068.—Whereas, I,
R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Portion No. 206 (2nd Floor)

situated at DLF House F-40, Connaught Place New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at New Delhi on February 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Portion No. 206 (Second Floor) DLF House, F-40, Connaught Place New Delhi-1.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

Date : 4-10-1980
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. DLF United Builders,
21-22, Narindra Place Parliament Street, New Delhi.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Brij Rani Gupta W/o N. K. Gupta and
Smt. Pushpa Gupta W/o Shri O. P. Gupta,
N-99, Greater Kailash I, New Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I
H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE,
NEW DELHI-110 002

New Delhi, the 4th October 1980

Ref. No. IAC/Acq.-I/SR-III/2-80/1077.—Whereas, I,
R. B. L. AGGARWAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Portion No. 209 (Second Floor)
situated at DLF House F-40, Connaught Place New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 29-2-1980
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion No. 209 second floor DLF House F-40, Connaught Place New Delhi bounded as under :—
North : Part of passage and Stair case.
South : Others' property.
East : Portion No. 208.
West : Open.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Date : 4-10-1980
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(1) M/s. DLF United Builders,
21-22, Narindra Place Parliament Street, New Delhi.
(Transferor)

(2) Smt. Shanti Devi W/o Shri Ratan Lal,
N-99, Greater Kailash I, New Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE,
NEW DELHI-110 002

New Delhi, the 4th October 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/2-80/1078.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Portion No. 208 (2nd Floor) situated at DLF House F-40, Connaught Place New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi on 29-2-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Portion No. 208 on the second floor of the front building admeasuring 372.95 sq. ft. (including thickness of the walls), D.L.F. House F-40, Con. Place New Delhi bounded as under :—

North : Part of passage.
South : Others' property.
East : Portion No. 207.
West : Portion No. 209.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Date : 4-10-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. DLF Builders,
21-22, Narindra Place Parliament Street, New Delhi.
(Transferor)

(2) Desein (New Delhi) Pvt.
W-1, Greater Kailash I, New Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE,
NEW DELHI-110 002

New Delhi, the 4th October 1980

Ref. No. IAC/Acq-1/SR-III/2-80/961.—Whereas I,

R. B. L. AGGARWAL,
being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Basement No. 4.
situated at Commercial Complex Building, Greater Kailash II, New Delhi,
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer
at New Delhi on February 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Basement No. 4, on Basement Floor, in three storied commercial Building, Greater Kailash II, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Date 4-10-1980
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

FORM ITNS

(1) M/s. DLF Builders,
21-22, Narindra Place Parliament Street, New Delhi.
(Transferor)

(2) The Induro Private Limited.
W-1, Greater Kailash I, New Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE-I,
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I
H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, J.P. ESTATE,
NEW DELHI-110 002

New Delhi, the 4th October 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/2-80/961.—Whereas, I,
R. B. L. AGGARWAL,
being the Competent Authority under Section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. Flat No. 1 to 4 (1st Floor),
situated at Commercial Complex Building Greater Kailash II
New Delhi,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at New Delhi on February 1980
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly
stated in the said instrument of transfer with the object
of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Flats No. 1 to 4 First Floor, Commercial Complex, Greater
Kailash II, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date 4-10 1980
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. DLF United Limited,
21-22, Narindra Palace, Parliament Street, New
Delhi.

(Transferor)

(2) The Indure Private Limited,
W-1, Greater Kallash I, New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-IH-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE,
NEW DELHI-110 002

New Delhi, the 4th October 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/2-80/963.—Whereas, I,
R. B. L. AGGARWAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe
that the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
No. Flat No. 5 & 6 (1st Floor),
situated at Commercial Complex Greater Kailash II New
Delhi,

(and more fully described
in the Schedule annexed hereto), has been transferred
under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office
of the Registering Officer at
at New Delhi on February 1980
for an apparent consideration which
is less than the fair market value of the aforesaid property,
and I have reason to believe that the fair market value of
the property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer as
agreed to between the parties has not been truly stated in
the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Flats No. 5 & 6 First Floor, Commercial Complex, Greater
Kailash II, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Date : 4-10-1980
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

(1) DLF Builders, 21-22, Narindia Place, Parliament Street, New Delhi.
(Transferor)

(2) M/s Escorts Employees Ancillaries Ltd., 20/4, Mathura Road, Faridabad (Haryana).
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-I
H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE,
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 4th October 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SRIII/2-80/1017.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 8 (Second Floor) situated at Commercial Complex Greater Kailash II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on February 1980, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 8 Second Floor, Commercial Complex Greater Kailash II, New Delhi-48.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date : 4-10-1980
Seal :

FORM NO. LT N S.—

(1) DLF Builders, 21-22, Narindia Place, Parliament Street, New Delhi.
(Transferor)(2) Smt. Sachit Kumari & Miss Neeta Rani Yadav, Vill. & P.O. Chita Dingra Tch. Rewari, District Mahendergarh (Haryana).
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-I,
H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE,
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 4th October 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SRIII/2-80/991.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Shop No. 7 (Ground Floor) situated at Commercial Complex Greater Kailash II, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on February 1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

17—306GI/80

Shop No. 7, Ground Floor, Commercial Complex, Greater Kailash II, New Delhi-48.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi.Date : 4-10-1980
Seal :

FORM NO ITNS—

(1) Shri Bal Krishan, 56, Jor Bagh, New Delhi
(Transferor)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Smt Bharti Narula W/o Rattan Singh Narula,
R/o Bangkok, through her mother Gucharan Kaur,
H-17, N.D.S.E Part I, New Delhi
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-I,
H BLOCK, VIKAS BHAVAN, IP ESTATE,
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 4th October 1980

Ref No IAC/Acq-I/SRIII/2-80/1779—Whereas I, R B L AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 69B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No 17-H situated at N D S F Part I, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 18-2-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Two and a half storied building built on free hold plot of land No 17 Block H measuring 345 sq yds situated in New Delhi South Extension Part I, New Delhi bounded as under —

East Kotla Village
West House No 18
North Road
South Service Lane.R B L AGGARWAL,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.Date 4 10-1980
Seal ;

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM I.T.N.S.—

(1) Shri Hukam Chander Amar S/o Nand Lal,
G-35, Lajpat Nagar III, New Delhi.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Vishan Devi, Harish Chand Mehta and
Chhattar Mal Mehta sons of Late Sh. Radha Wallabh
Mehta, R/o III-G/35, Lajpat Nagar, New Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-I,
H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE,
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 4th October 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/2-80/1004.—Whereas, I, R. B.
L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269-B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

No. III-G/35, situated at Lajpat Nagar, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the office of the registering officer at
New Delhi on 23-2-80

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XA of the said Act
shall have the same meaning as given in that
Chapter,

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Residential house No. III-G/35, Lajpat Nagar, New Delhi
with the leasehold rights of land underneath admeasuring
200 sq. yds.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of the notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons namely :—

Date : 4-10-1980

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-I,
H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE,
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 4th October 1980

Ref. No. JAC\$Acq-I/SR-III/2-80/974.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land 36 bigha 14 biswas situated at village Deoli, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at New Delhi on February 1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Jug Lal & others,
Vill. Deoli Teh. Mehrauli, New Delhi.
(Transferor)
(2) Shri Harvinder Pal Singh S/o
Sohan Singh Anand, N-3, NDSE-I, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XVA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land totalling 36 bigha 14 biswas comprising of Khasra Nos. as below in vill. Deoli, New Delhi.

Khewat No.	Name & Share	Rect.	Area
18/133	Jug Lal 1/4	28	12 (5—14)
	Harpool 1/12		19 (4—16)
	Khema 1/12		20 (1—11)
	Sobha 1/12		21 (2—07)
	Heera 1/4	30	1 (3—07) 22 (4—16)
	Ram Nath 1/24		2 (4—16)
	Ram Kaur 1/24		9 (4—16)
	Basanti 1/24		10 (4—11)
	Rati Ram 1/8		
	Total		66—14)

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date : 4-10-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-I,
H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE,
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 4th October 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/2-80/986.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. K-95 AB situated at Kalkaji, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 19-2-80 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (1) Shri Pram Nath S/o Harbans Lal as self and as general attorney for his two sons and one daughter R/o 17, 2nd street, Shanti Niketan, New Delhi.
(Transferor)
- (2) Smt. Krishan Kanta Tangri W/o F. C. Tangri, R/o E-38, B. K. Dutt Colony, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property No. K/95 AB, measuring 201 sq. yds. situated at Kalkaji, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date : 4-10-1980
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

FORM ITNS

(1) Shri Brig. Sachanand Israni R/o D-II/260 Vinay Marg, Chanakayapuri, New Delhi.
(Transferor)

(2) Smt. Lila Wanti & Mrs. Harbhajan Kaur, C-15, Defence Colony, New Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-I, H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 4th October 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SRIII/2-80/1048.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C-15 situated at Defence Colony, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on February 1980, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House No. C-15, Defence Colony, New Delhi Area 361 sq. yds..

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-10-1980
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-I,
H BLOCK, VIKAS BHAVAN, I. P. ESTATE,
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 4th October 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SRIII/2-80/954.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agri. land 16 bigha 16 biswa situated at Vill. Satbari, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on 11-2-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Jai Singh S/o Ramji Dass & Smt. Umrik Kaur W/o Jai Singh
R/o B-42, Greater Kailash, New Delhi.
(Transferor)
- (2) Dr. (Mrs) Madhu Gupta W/o Suresh Gupta &
Saurabh Gupta minor son of Dr. Suresh Gupta,
R/o 41-Defence Colony, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land area 16 highas 16 biswas, 16 khasra Nos. 416 (4-16), with tubewell 410 (4-16), 407 (4-16) with tubewell, 404 (2-8) village Satbari Tehsil Mehrauli, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Date : 4-10-1980.

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Gian Devi, B-IV, Daya Nanad Colony,
Lajpat Nagar, New Delhi.
(Transferor)

(2) Shri Gian Chand Khullar, A-51, Amar Colony,
Lajpat Nagar, New Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-I,
H BLOCK, VIKAS BHAVAN, I. P. ESTATE,
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 4th October 1980

Ref. No. IAC Acq-I/SRIII/2-80/1019.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act' have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. B-IV-13 C.T. situated at Daya Nand Colony, Lajpat Nagar IV, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 29-2-80 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property No. B-IV-13 C.T. Dayanand Colony, Lajpat New Delhi. Area 100 sq. yds.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax, Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-10-1980.
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-I,
H BLOCK, VIKAS BHAVAN, I. P. STATE,
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 4th October 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SRIII/2-80/950.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. G-63, situated at Nizamuddin West, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on February 1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object or :—

(1) Shri M. N. Kapoor S/o G. S. Kapoor
R/o F-4, Maharani Bagh, New Delhi attorney of his daughter Miss Anuradha Kapoor R/o F-4, Maharani Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s Bakshi Ram Vijay Kumar Seth
649, Katra Hardayal Chandni Chowk, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Property No. G-63, measuring 198 sq. yds. in Nizamuddin West, New Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax, Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

18—306GI/80

Date : 4-10-1980.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-I,
II BLOCK, VIKAS BHAVAN, I. P. ESTATE,
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 4th October 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SRIII/2-80/1035.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C-21B, situated at N.D.S.E. Part I, New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on February 1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Tarlochan Singh,
C-21B, N.D.S.E. Part I, New Delhi.
(Transferor)
(2) Smt. Surinder Sobti,
2/18A, New Double Storey, Lajpat Nagar IV,
New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. C-21B, N.D.S.E. Part I, New Delhi-49, area 995 sq. ft.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Date : 4-10-1980.

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-I,
H BLOCK, VIKAS BHAVAN, I. P. ESTATE,
NEW DELHI-110002**

New Delhi, the 4th October 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SRIII/2-80/1018.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. E-201, situated at Greater Kailash I, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 29-2-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Sardari Lal Sud S/o Hans Raj Sud & Smt. Sharda Kumari Sud W/o Saidari Lal Sud R/o G-9, N.D.S.E. Part I, New Delhi-49.
(Transferor)

(2) Smt. Kamla Devi Jalan W/o Sham Sunder Jalan R/o 3139/2, Mohalla Dasan, Hauz Qazi Delhi & Smt Kamla Devi Jalan W/o Kailash Chand R/o 1181-C, Kucha Mahajani, Chandni Chowk, Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Plot No. 201 in Block E, measuring 208 sq. yds. situated in the residential colony of Greater Kailash Part I, New Delhi bounded as under :—

North Road
South Service Lane
East Building No. E-203
West Building No. E-199.

THE SCHEDULE

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority,
Inspecting Ass'tt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-10-1980.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-I, H BLOCK, VIKAS BHAVAN, I. P. ESTATE, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 4th October 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SRIII/2-80/1005.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. S-455, situated at Greater Kailash II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on February 1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri R. K. Talwar & Dr. Mrs. S. L. Talwar, 23A, Ring Road, Lajpat Nagar II, New Delhi, (Transferor)
- (2) M/s South Delhi Tractors P. Ltd., 23/2, Yusuf Salai, New Delhi (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 455 Block S, measuring 466 sq. meters situated at Greater Kailash Part II, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date . 4 10-1980.
Seal .

FORM ITNS

(1) Smt. Shanti Devi W/o Late Sh. Tikam Dass Guglani R/o 6A '45, W.E.A. Karol Bagh, New Delhi.
(Transferor)

(2) Shri Ashok Kumar Jain S/o Mahabir Pershad Jain
4556, Pahari Dhiraj Sadar Bazar, Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-I**

H. BLOCK, VIKAS BHAVAN, I. P. ESTATE
NEW DELHI

New Delhi-110002, the 4th October 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SRIII/2-80/1049.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. W-I situated at Green Park, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 21-2-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of the income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Plot of land bearing No. 1, Block W measuring 200 sq. yds. situated in the colony known as Green Park, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date . 4-10-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Amar Singh S/o Inder Singh & Smt. Harjeet Kaur W/o Amar Singh R/o 4351, Rehgarpura Karol Bagh, New Delhi.
(Transferor)

(2) Shri Suraj Parkash, E-389A, Greater Kailash II New Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-I

H. BLOCK, VIKAS BHAVAN, I. P. ESTATE
NEW DELHI

New Delhi-110002, the 4th October 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SRIII/2-80/1003.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. E-389A, situated at Greater Kailash II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on February, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property No. 389A, Greater Kailash II New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-10-1980
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE-I
H. BLOCK, VIKAS BHAVAN, I. P. ESTATE
NEW DELHI

New Delhi-110002, the 4th October 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SRIII/2-80/1002.—Wheeras, I,
R. B. L. AGGARWAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. E-337, situated at Greater Kailash II New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on February 1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Krishna Sethi W/o Gurdial Chand for self and G. A. of Smt. Kamlesh Chhabra & Smt. Sanjogta Chawla, Ashok Raj, Vijay Krishan, Yuv Raj sons of Gurdial Chand, 167, Kamla Market Delhi.
(Transferor)

(2) M/s. Saraswati Builders Phase II, G-1/16, Ansari Road, Daryaganj New Delhi-2, through its partner Sh. Satish Chand Seth.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Plot No. 337 Block E, situated in the residential Scheme of Greater Kailash II New Delhi in village Bahapur Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-10-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-1H. BLOCK, VIKAS BHAVAN, I. P. ESTATE
NEW DELHI

New Delhi-110002, the 4th October 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/2-80/1026.—Whereas, I,
R. B. L. AGGARWAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

No. Agri. land 9 bigha 12 biswas situated at Village Satbari
Tehsil Mehrauli New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on February 1980,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (1) Shri Satya Deva Shourie S/o late Prof. K. L.
Gautama,, Karta HUF, 2, West 5, Patel Road,
New Delhi.
(Transferor)
- (2) Shri Kanwal Krishan Duggal through attorney Sh.
G. S. Duggal R/o 0/8/1, Sector-13, R. K. Puram,
New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of publication
of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transfer to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the purposes
of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 9 bigha 12 biswas (2 acres) in
Khasra No. 472 and 473 in village Satbari Tehsil Mehrauli
New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 4-10-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Phool Rani W/o K. R. Monga
F-92, East of Kailash New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Usha Kapoor W/o Ramesh Chander Kapoor
and Smt. Nisha Kapoor W/o Hri Kapoor
R/o W-59, Greater Kailash I New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE-I****H. BLOCK, VIKAS BHAVAN, I. P. ESTATE
NEW DELHI**

New Delhi-110002, the 4th October 1980

Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/2-80/928.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri. land 9 bigha 12 biswas situated at Village Chhattarpur Tehsil Mehrauli New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 5-2-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Agri. land area 9 bighas 12 biswas, khasra Nos. 1826 (4-16), 1827/1 (1-12), 1827/2 (3-4) with tubewell fencing wires, one room, in village Chhattarpur New Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

19—306GI/80

Date : 4-10-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Balwant Kaur W/o S. S. Monga
F-92, East of Kailash, New Delhi.

(Transferors)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 of 1961)**

(2) Smt. Nisha Kapoor W/o Hari Kapoor
Smt. Usha Kapoor W/o Ramesh Chander Kapoor,
F/o W-59, Greater Kailash I New Delhi.

(Transferees)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I**

H. BLOCK, VIKAS BHAVAN, I. P. ESTATE

New Delhi-110002, the 4th October 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SRIII/2-80/929.—Whereas, I, P. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agri. land 8 bighas 16 biswas situated at village Chhattarpur New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on 5-2-1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agri. land area 8 bigha 16 biswas Khasra Nos. 1825 (4-18) 1824 (3-18) with fencing wires, one room, garden etc. in village Chhattarpur New Delhi .

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following aforesaid property by the issue of this notice under sub-sections, namely :—

Date : 4-10-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

**COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I**

H. BLOCK, VIKAS BHAVAN, I. P. ESTATE

New Delhi-110002, the 4th October 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SRIII/2-80/1027.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agri. land 9 bigha 12 biswas situated at village Chhattarpur New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on February 1980, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Smt. Lalita Dixit W/o Vidya Nand Dixit
R/o R-45, Greater Kailash New Delhi.
(Transferor)
- (2) Shri Kanwal Krishan Duggal through a attorney
Sh. G. S. Duggal C/o O-8-1, Sector 13, R. K. Puram New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of **45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette** or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within **45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette**.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural Land measuring 9 bighas 12 biswas (2 acres) in Khasra No. 474/1, 474/2, 475/1, 475/2 in village Saltani, Tehsil Mehrauli New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Date : 4-10-1980
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby intimate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Surinder Nath Talwar S/o Dr. Sagar Chand Talwar R/o 90/64-B, Malviya Nagar New Delhi.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Satya Narain, Gian Chand & Satish Kumar son of Banarsi Dass Gupta R/o M-40, Greater Kailash Market, New Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I

H. BLOCK, VIKAS BHAVAN, I. P. ESTATE

New Delhi-110002, the 4th October 1980

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/2-80/968.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. E-274 situated at Greater Kailash 1 New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 14-2-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

Plot of land bearing Plot No. 274 Block E, measuring 223 sq. yds. situated at in the Residential Colony known as Greater Kailash Part I, New Delhi within the Revenue Estate of village Yakutpur bounded as under :—

North : S. Road

South : Road

East : Plot No. E-276

West : Plot No. E-272

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-10-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Dharam Pal Dhawan &
Smt. Sunita Dhawan
5/18, Shanti Niketan,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Tej Properties Pvt. Ltd.,
23-Jorbagh, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,
H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE,
NEW DELHI-110002

New Delhi-110002, the 4th October 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/2-80/990.—
Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agrl. land 9 bighas situated at in village chhattarpur, N. Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on February, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land in village Chhattarpur, Tehsil Mehrauli New Delhi Khasra Nos. 1021, 1003/2/2/1, 1024/1, 1038/2 & 1022 measuring approx 9 bighas.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-J,
Delhi/New Delhi

Date : 4-10-1980
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNB**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE,
NEW DELHI-110002

New Delhi-110002, the 4th October 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/2-80/995.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. G-59 situated at Lajpat Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on February, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Shanti Devi Kapila,
 318 Circuit House Area,
 Jamshedpur, Bihar.

(Transferor)

(2) Smt. Pamela Kumar
 51-Sunder Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Lease hold rights of the plot of land measuring 167-23 sq. mets. together with the two and a half storeyed superstructure known as G-59, Lajpat Nagar, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
 Competent Authority,
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-I,
 Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-10-1980
 Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Dechen Wangres & Prema Yanki Wangched,
B-5, Greater Kailash-I, New Delhi.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. T. K. Nandi,
F-9, East of Kailash, New Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,
H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE,
NEW DELHI-110002

New Delhi-110002, the 4th October 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/2-80/996.—Whereas, I,
R. B. L. AGGARWAL,
being the Competent Authority under
Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the said Act), have reason to
believe that the immovable property, having a fair market
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. B-223-A, situated at Greater Kailash-I, New Delhi,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
New Delhi on February, 1980 for an apparent
consideration which is less than the fair market value of the
aforesaid property and I have reason to believe that the fair
market value of the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefor by more than fifteen per cent of such
apparent consideration and that the consideration for such
transfer as agreed to between the parties has not been truly
stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the purposes
of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

THE SCHEDULE

House No. B-223-A, Greater Kailash-I, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 4-10-1980

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
 COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
 ACQUISITION RANGE-I,
 H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, J.P. ESTATE,
 NEW DELHI-110002

New Delhi-110002, the 4th October 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/2-80/1770.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 12 situated at Masjid Moth, Siri Fort Road, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on February, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Jaganmoy Ghatak
 R/o 6183, Block No. 1, Dev Nagar,
 New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Dharam Singh
 S/o Late S. Battan Singh
 A-2/140, Safdarjang Development Enclave,
 New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant plot No. 12 in Masjid Moth Area, Siri Fort Road, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
 Competent Authority,
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-I,
 New Delhi.

Date : 4-10-1980
 Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-I,
H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE,
NEW DELHI-110002

New Delhi-110002, the 4th October 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/2-80/1772.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing

No. L-1/2-A, situated at N.D.S.F. Part II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on February 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Jai Kishan Dass
S/o Shri Munshi Lal
30 NDSE Cooperative Society,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Rameshwari Dayal Gupta
S/o Budh Singh Gupta
R/o Jansath, Distt. Muzaffarnagar UP.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Northern half portion of house No. L-1/2A, N.D.S.E. Part II, New Delhi. Area 172 sq. yds. bounded as under :—
 East : Other's property
 West : Other's property & Road
 North : H. No. L-1/2
 South : Other portion of H. No. L-1/2A.

R. B. L. AGGARWAL
 Competent Authority,
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-I,
 New Delhi.

Date : 4-10-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
 20—306GI/80

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
 OF INCOME-TAX,
 ACQUISITION RANGE-I,
 H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE,
 NEW DELHI-110002

New Delhi-110002, the 4th October 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/2-80 1776.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. XVI/8107 situated at Ramjas Road, Karol Bagh, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on February 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Parmeshwari Devi
 W/o late Malik Pyare Lal
 28/29, West Patel Nagar,
 New Delhi.

(Transferor)

(2) S/Shri Hardeep Singh,
 Jagjit Singh, Harpal Singh
 S/o Shri Mohinder Singh
 R/o 13/52, (Mpl. No. XVI/8107)
 Ramjas Road, Karol Bagh.
 New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are declined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. XVI/8107 built on plot No. 13 Block No. 52 with lease hold rights in land situated at Ramjas Road, Karol Bagh, New Delhi. Area 256 sq. yds.

R. B. L. AGGARWAL
 Competent Authority,
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-I,
 New Delhi

Date : 4-10-1980
 Seal ;

FORM ITNS

(1) M/s. Synthetic Inter Dye-Chem. (P) Ltd.,
B-8, Bhagwan Dass Nagar Delhi
Through its Managing Director
Shri B. R. Nayyar.

(Transferor)

(2) M/s. Blue Bird Enterprises P. Ltd.,
1279, Kashmere Gate Delhi
Through its Chairman Shri Ram Lal.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE,
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 7th October 1980

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/2-80/6253.—Whereas, I,

BALJEET MATIYANI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

468 on Plot Nos. 189-91 situated at Lawrence Road, Rampura, Village Chaukarimubarikabad, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on February 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property No. 468 on plot Nos. 189-91 situated at Lawrence Road, Rampura, area of Village Chaukarimubarikabad Delhi measuring 6970 sq. yds.

BALJEET MATIYANI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date : 7-10-1980
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE-II,****H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE,
NEW DELHI-110002**

New Delhi-110002, the 1st October 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/2-80/6214.—Whereas, I, **BALJEET MATIYANI**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. H-31, situated at Bali Nagar, Delhi (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 18-2-80 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Jagjit Singh & Smt. Inder Kaur Through general attorney S. Saranjeet Singh S/o Harbhajan Singh, H-31, Bali Nagar, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Parkash Kaur W/o Harbhajan Singh & Shri Harbhajan Singh S/o Prem Singh R/o H-31, Ball Nagar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House built on free hold plot of land bearing Plot No. H-31 measuring 150 sq. yds. situated in the abadi known as Ball Nagar area of village Bassai Darapur Delhi State Delhi bounded as under :—

North : Property No. H-32
South : Property No. H-30
East : Road
West : Lane 15'

BALJEET MATIYANI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date : 1-10-80

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE,
NEW DELHI-110002

New Delhi-110002, the 1st October 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/S.R.I/2-80/6243.—Whereas, I,
BALJEET MATIYANI,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No B-1/17, situated at Rana Partap Bagh, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 26-2-80
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Gigi Devi W/o Late Suraj Bhan, Sanjay Kumar Minor, Ram Avtar, Ram Dhan, Ram Kishore, Kailash Chand, Kamlesh Kumar, Satish Chand and Subhash, R/o B-1/17, Rana Partap Bagh, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Meva Devi W/o Ram Niwas, R/o B-1/17, Rana Partap Bagh, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two and a half storeyed building constructed on the land measuring about 136 sq. yds. which is the northern portion of plot No. B-1/17, situated in the abadi of colony known as Rana Partap Bagh, Delhi-7, bounded as under :—

North : Service Lane
South : Remaining portion of property No. B-1/17, of Shri Ram Parkash
East : Property built on Plot No. B-1/18
West : Property built on Plot No. B-1/16

BALJEET MATIYANI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date : 1-10-80

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Rakesh Mittal,
508, Haveli Haider Quli,
Chandni Chowk, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Kanti Lal Jain,
4141, Naya Bazar, Delhi-6.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE,
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 6th October 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/2-80/6180.—Whereas, I, MRS. BALJEET MATIYANI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

P-6 Block A-45, situated at Mall Road, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 4-2-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 6 Block A-45, the Mall, Delhi bounded as under :—

East : Flat No. 8 Block A
West : Flat No. 4 Block A
South 30' wide Private Road of Vendors.
North : Govt. land

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

MRS. BALJEET MATIYANI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-10-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Raj Kumari W/o Shri Satya Prakash Agarwal
R/o Swaroopnagar, No. 2, Kanpur.
(Transferor)

(2) M/s. Aditya Chemicals Ltd., having its office at
140-C, Rajpur Road, Dehradun.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 18th August 1980

Ref. No. 1893-A/Dehradun/79-80.—Whereas, I,
B. C. CHATURVEDI,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Dehradun on 28-2-80 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be dissolved by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

50% of Bhumidhari Agricultural Land measuring 3.625 acres situated in Village Kirsali, Parg. Central Doon, Teh. & Distt. Dehradun, which was sold for Rs. 32,500/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 18-8-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Ved Kumari W/o Shri Tek Chand Nandwani
R/o 283, Karanpur, Dehradun.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER, OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 18th August 1980

Ref. No. 1892-A/Dehradun/79-80.—Whereas, I,
B. C. CHATURVEDI,
being the Competent Authority under Section 269-B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Dehradun on 28-2-1980

for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

Objections if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

50% of Bhumidari Agricultural Land measuring 3-625
acres situated in Village Kirsali, Parg. Central Doon, Teh.
Dehra, Distt. Dehradun, which was sold for Rs 32,500/-

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date : 18-8-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE,
KANPUR**

Kanpur, the 19th August 1980

Ref. No. 16-S/Kanpur/80-81.—Whereas, I,
B. C. CHATURVEDI
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 23-2-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Prem Prasad s/o Sri Manni Lal Mukhtaram his real sister Smt. Prem Devi W/o Late Shri Radhey Shyam, 28/97, Pheelkhana, Kanpur.

(Transferor)

(2) Shri Ram Chandra Beriwal, Shri Purshottam Beriwal and Gopal Kishan Beriwal s/o Maksudanlal r/o 49/17, General Ganj, Kanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A House Property measuring 311 Sq. Yds. bearing No. 28/97, situated at Pheelkhana, Kanpur which was sold for Rs. 1,20,000/-.

B. C. CHATURVEDI,
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of
 Incometax, Acquisition Range,
 Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
 21—306GI/80

Date : 19-8-1980
 Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 23rd August 1980

Ref. No. 1954-A/Hardwar/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the (said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hardwar on 18-2-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Basant Lal S/o Shri Nirmal Dass
R/o Bhim Goda Hardwar
Post. Khas, Parg. Jwalapur, Teh. Roorkee,
Distt. Saharanpur.
(Transferor)

(2) Smt. Gomati Devi W/o Lala Ram Chandra
R/o 4869, Ansari Road, 24, Dariaganj, Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(b) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property in question is a double storied building situated in Village Kharkhari Bhim Goda), Hardwar, Par. Jwalapur, Distt. Saharanpur which was sold for Rs. 48,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 23-8-1980
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS(1) Smt. Maya Devi w/o Late Shri Sunder Dassji
r/o Mohal : Jwalapur, Saharanpur.

(Transferor)

(2) Shri Kamroozama s/o Haji Abdul Qayoom
r/o Mohal : Atish Bajan, Saharanpur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 8th September 1980

Ref. No. 1911-A/Saharanpur/79-80.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Saharanpur on 4-3-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Property in question is a 3 storeyed shop with a basement bearing No. 6, Now Municipal No. 14/1651/6, situated on main road in Nehru Market, Saharanpur, 1/4 part of this property has been sold out and the sale consideration is for Rs. 20,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, In pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-9-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Maya Devi w/o Late Sri Sunder Dass
r/o Mohal : Jwalapur, Saharanpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shamshozama s/o Hazi Abdul Qayoom r/o Atish Bajan, Saharanpur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kaupur, the 8th September 1980

Ref. No. 1918-A/Saharanpur/79-80.—Whereas I,
B. C. CHATURVEDI,
being the Competent Authority under Section 269B,
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter
referred to as the 'said Act'), have reason
to believe that the immovable property, having a fair market
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer
at Saharanpur on 4-3-80
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of—

Objections, if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act
1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property in question is a 3 storied shop with a basement
bearing No. 6, Now Municipal No. 14/1651/6, situated on
main road, Nehru Market, Saharanpur, 1/4 part of this
property has been sold out and the sale consideration is for
Rs. 20,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date : 8-9-1980
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Smt. Maya Devi w/o Late Shri Sunder Dassji
r/o Mohal : Jwalapur, Saharanpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Salim Akhtar s/o Hazi Qyoom r/o Mohal :
Atish Bajan, Saharanpur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 8th September 1980

Ref. No. 1989-A/Saharanpur/79-80.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Saharanpur on 4-3-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property in question is a 3 storied shop with a basement bearing No. 6, Now Municipal No. 14/1651/6, situated on main road in Nehru Market, Saharanpur, 1/4 part of this property has been sold out and the sale consideration is for Rs. 20,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-9-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Maya Devi W/o Late Shri Sunder Dass
r/o Mohal : Jwala Nagar, Distt : Saharanpur.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Shri Hazi Abdul Qyoom s/o Sri Mohd. Yasin
r/o Mohal : Atish Bajan, Saharanpur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 8th September 1980

Ref. No. 1988-A/PN/Saharanpur/79-80.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Saharanpur on 4-3-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 34 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property in question is a 3 storied shop with a basement bearing No. 6, Now Municipal No. 14/1651/6, situated on main road in Nehru Market, Saharanpur, 1/4 part of this property has been sold out and the sale consideration is for Rs. 20,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 8-9-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 30th August 1980

Ref. No. TR No. 963/Acq/Mainpuri/79-80.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mainpuri on 11-2-1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Shri Shyam Sunder Tapaiyer and Shobha Chandra Tapaiyer s/o Sri Kundan Mal Tapaiyer t/o Station Road, Mainpuri City Parg. Tehsil, Post Office and Distt. Mainpuri.

(Transferor)

(2) M/s. Shri Mahesh Oil Company Pvt. Ltd. through Sri Kesari Chandra Tosniwal, Director s/o Sri Ram Kumar Tosniwal r/o Station Road, Mainpuri City.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

In two part of Land (Open Plot) measuring 14300 Sq. Fts., and another 12975 Sq. Ft.=27275 Sq. Ft., situated at Devpura Teh : & Distt. Mainpuri which was sold for Rs. 1,77,288/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date : 30-8-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 23rd August 1980

Ref. No. 1930-A/Mussoorie/80-81.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing number AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mussoorie on 6-2-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) S/Shri Balraj Sahani s/o Late Shri Lajpath Sahani r/o 10 Summer House, Kulri, Mussoorie.

(Transferor)

(2) Shri Man Mohan Bhargava s/o Shri Trilek Nath 'B' Tagore Road, Santa Cruz, Bombay-54.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of Adare Estate (House Property) covering an area of 1.69 acre situated at Kulri, Mussoorie which was sold for Rs. 35,000/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 23-8-1980.

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Mahalaxmi Land & Finance Company Pvt. Ltd.,
8-B, Jindal Trust Building, Asaf Ali Road, New Delhi
through General Attorney Shri Ashok Kumar Chhabra
s/o Shri Deshraj Chhabra r/o 1, Ring Road, Lajpat
Nagar, Ghaziabad.

(Transferor)

(2) Shri Ishwar Mohan Khanna s/o Shri Govindram
Khanna r/o 61, Purwa Dulichand, Ghaziabad Teh &
Distt : Ghaziabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, KANPUR**

Kanpur, the 18th August 1980

Ref. No. 1846-A/Ghaziabad/79-80.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing number AS PER SCHEQUE situated at AS PER SCHEQUE

and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Ghaziabad on 13-2-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Two Open Plots bearing No. 47 measuring 272.11 Sq. Mtrs, situated in Nehru Nagar and another plot bearing No. 47(A), measuring 354.16 Sq. Mtrs, situated at Ashok Nagar Freehold Colony, Ghaziabad, which was sold for Rs. 45,000/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
22—306GT/80

Date : 18-8-1980.

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 14th August 1980

Ref. No. 1861-A/Dadri/79-80.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER
SCHEDULE

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dadri on 5-2-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Harnand s/o Bhagirath and Shri Banwari s/o Shri Umrao r/o Genjha Tilaptabad, Teh : Dadri, Distt : Ghaziabad.
(Transferor)

(2) Mahila Dhyan Vidyapeeth through Saint Shergill, E-9, Defence Colony, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

An Agricultural Land measuring 8/5-6-0 revenue for Rs. 26.48 yearly situated in Genjha Tilaptabad, Teh : Dadri, Distt : Ghaziabad, which was sold for Rs 54,060/-

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 14-8-1980.

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 14th August 1980

Ref. No. 106D-A/Dadri/79-80.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Dadri on at 5-2-80 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any monies or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Ram Chandra s/o Lakhpat, Harnand, Ran-Bax and Bhoole s/o Bhagirath, Banwari s/o Umrao, Vishambhar s/o Nihar r/o Genjha Tilapabad, Teh : Dadri, Distt : Ghaziabad.

(Transferors)

(2) Maharsi Dhyan Vidyapeeth U.P. Through Shri Saint Shergul, E-9, Defence Colony, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

'THE SCHEDULE'

An Agricultural Land measuring 5/5-2-0 and revenue for Rs. 23.45 yearly situated in Gejha Tilapabad Teh : Dadri, Distt : Ghaziabad which was sold for Rs. 52,020/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 14-8-1980.

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 18th August 1980

Ref No 1808-A/Anoopshahr/79 80—Whereas I, B C CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing number AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Anoopshahr on 15-2-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of.—

(1) Vishambati Singh s/o Lala Shri Jainarain r/o Kasba : Diwal, Par Diwal, Majua Chhota Bazar, Teh : Anoopshahr, Distt . Bulandshahar.
(Transferor)

(2) Jamaluddin s/o Shit Ilyakat r/o Kasba : Diwal, Parg Diwal, Moh Kasyawan, Teh Anoopshahar, Distt Bulandshahar
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

An Agricultural Land bearing No 1137 measuring 8(4+15+18), situated at Kasba Diwal, Parg Diwal, Teh Anoopshahr, Distt Bulandshahar which was sold for Rs 37,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date 18-8-1980
Seal .

FORM ITNS

(1) Shri Fateh Bahadur Srivastava s/o Lala Shri Jang Bahadur, Srivastava r/o Kadora, Parg : Kalpi, Distt Jalaun.

(Transferor)

(2) Shri Rajendra Pal Singh s/o Shri Jagmohan Singh r/o Mauja : Bahina, Parg : Kalpi, Distt Jalaun, Shri Layak Singh s/o Shri Shiv Singh r/o Ram Nagar, Urai, Shri Brajnarain Singh s/o Shri Rajaram Singh r/o Bara Kalpi and Shri Balwant Singh s/o Shri Pooran Singh r/o Taharpur Parg : Kalpi, Distt : Jalaun.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in Chapter.

Ref. No. 119/Acq/Kalpi Jalaun/79-80.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing number AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Kalpi on 23-2-80 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money, or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A House Property of Kasba : Kadora Kalpi, Distt : Jalaun on land measuring 923 Sq. Yards, which was sold for Rs. 38,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-8-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Baboo Lal s/o Shri Banshidhar Jain and Jitendra Kumar s/o Shri Phool Chandra Jain r/o Moh. Mauthanapura, Lalitpur, Distt. Lalitpur.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 12th August 1980

Ref. No. 74/Acq. Lalitpur/79-80.—Whereas, I,
B. C. CHATURVEDI,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per Schedule, situated at as per Schedule (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lalitpur on 4-2-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Smt. Naraini Devi Widow of Shri Sri Krishna Agarwal, Ram Babu s/o Late Shri Sri Krishna Agarwal and Kumari Rama D/o Shri Sri Krishna Agarwal r/o G-5, Krish Colony, Station Road, Lashkar Gwalior (M.P.).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A House Property bearing Old No. 163 and New No. 169 measuring 331.03 Sq. Mtrs., situated at Subhash Nagar, Lalitpur, Parg. Teh. & Distt. Lalitpur.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Kanpur.

Date : 12-8-1980

Seal :

Now therefore in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Smt. Helan D/o Late Shri M. G. Neal r/o 7/109,
Swaroopnagar, Kanpur.
(Transferor)

(2) Jameel Ahmed s/o Shri Mohd. Khaleel r/o Halim
Market, Chamanganj, Kanpur.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
KANPUR**

Kanpur, the 21st August 1980

Ref. No. TR.961/Kanpur/79-80.—Whereas, I,
B. C. CHATURVEDI,
being the Competent Authority under section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
as per schedule situated at as per schedule
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Kanpur on 5-2-1980
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as and defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A Part of House Property bearing No. 7/109, measuring 532.44 Sq. Yds., situated at Swaroopnagar, Kanpur which was sold for Rs. 53,244/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date: 21-8-1980.
Scal:

FORM ITNS

(1) Ram Lubhaya s/o Jamaiyat R.
1/o H. No. 5/31, Patel Nagar, Saharanpur.
(Transferor)

(2) Indrajit s/o Shri Desraj
r/o Khalsi Line, Saharanpur.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 18th August 1980

Ref. No. 1986-A/Saharanpur/79-80.—Whereas, I,
B. C. CHATURVEDI,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.
As per Schedule situated at As Per Schedule
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer
at Saharanpur on 20-2-1980
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

An open Plot bearing No. 7 measuring 755 Sq. Yds., situated at Shivpuri Sambad, Idgah Road, Saharanpur which was sold for Rs. 33,975/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 18-8-1980.
Seal :

FORM ITNS

(1) Chhattar Singh s/o Iala Jainarain r/o Diwai,
Mauja : Chhotota Bazar, Parg: Diwai, Teh. Anupshahr,
Distt. Bulandshahr.

(Transferor)

(2) Iamaluddin s/o Liyakat
r/o Diwai, Mauja: Kasyawan, Parg: Diwai, Teh.
Anupshahr, Distt. Bulandshahr.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE KANPUR

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Kanpur, the 18th August 1980

Ref No. 1887-A/Bulandshahr/79-80—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at As Per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Anoopshahr on 8-2-1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

An Agricultural Land No. 1137 measuring 8-4-15-10 situated in Kasba, Diwai, Parg: Diwai, Teh. Anupshahr, Distt. Bulandshahr which was sold for Rs. 37,000/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

23—306GI/80

Date : 18-8-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Shashi Kaur Widow of Shri Khacheru
r/o V'l Lalpur, Post : Jai, Distt Meerut.
(Transferor)

(2) Shri Ramesh Chand and Ajbir
s/o Shri Shauraj Singh r/o Shahjapur, Post : Jai
Distt : Meerut
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

KANPUR

Kanpur, the 18th August 1980

Ref. No. 1816-A/Meerut/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule, situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1918) in the office of the Registering Officer at Mawana on 13-2-1980. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property. and I have reason to believe that the fair market value of the property exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

An Agricultural Land bearing Khasra No. 466 measuring 8 Bigha, 19 Biswa and 17 Biswansi situated in Village : Navi-puri Amanatnagar, Teh. Mawana, Distt. Meerut which was sold for Rs. 58,000/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Kanpur.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 18-8-1980.
Seal :

FORM ITNS

(1) Rama Kant Mittal s/o Shri Visheshwar Dayal Mittal
r/o 17-B, Naya Ganj, Ghaziabad.
(Transferor)

(2) Shri Nand Lal Kathpalia
s/o Shri Moti Ram Kathpalia
r/o 219-C, Aarya Nagar, Railway Colony, Ghaziab-
ad.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 18th August 1980

Ref. No. 1881-A Ghaziabad/79-80.—Whereas, I,
B. C. CHATURVEDI,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at As Pci Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad on 20-2-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

An Open Plot bearing No A/201, measuring 465-13 Sq. Mtrs situated in Sector 2, Block-A, Nehru Nagar, Ghaziabad which was sold for Rs. 32,559.10 N.P.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date . 18 8-1980.

Seal .

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
KANPUR**

Kanpur, the 18th August 1980

Ref. No. 1877-A/Ghaziabad/79-80.—Whereas, I,
B. C. CHATURVEDI,
being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at As Per Schedule (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad on 19-2-1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) M/s. Mahalaxmi Land & Finance Co. Pvt. Ltd., 8-B, Jindal Trust Building Asaf Ali Road, New Delhi through General Attorney Shri Ashok Kumar Chhabra s/o Shri Deshraj Chhabra r/o 1, Ring Road, Lajpat Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) S/Shri Sanjay Kumar (Balig) and Vinai Kumar (Nabalig) s/o Shri Asaram through Mother and Guardian Smt. Raj Bala w/o Shri Asaram r/o Village: Budhana Post Modi Nagar, Teh. & Distt. Ghaziabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

An Open Plot bearing No. 51, measuring 464-888 Sq. Mtrs. situated in Nehru Nagar and Ashok Nagar, Ghaziabad, which was sold for Rs. 32,542.16.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 18-8-1980.

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 12th September 1980

Ref. No. 567/Acq/Banda/80-81.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No

As per Schedule situated at per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Banda on 4-2-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Hariji Nigam s/o
Shri Baboo Lal Nigam,
r/o Moh. Katra, City and
Distt. Banda.

(Transferor)

(2) Shri Basant Lal, Tulsiram and Anil Kumar,
(all Nabalig), s/o Shri Daya Shankar, and
Guardian of all Nabaligs Shri Sravan Kumar
s/o Shri Ram Sewak,
r/o Raipura, Majra and Post Gadaria,
Parg. & Distt. Banda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as also defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any Moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

An Agricultural Land, situated in Village Gadaria, Post Gadaria, Distt. Banda which was sold for Rs. 40,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 12-9-1980
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Ram Kumar and Vinod Kumar,
s/o Shri Madan Lal Baishy, Agarwal,
r/o Kila Dwar, Hathras,
Distt. Aligarh.

(Transferor)

(2) Smt. Sushila Devi w/o
Shri Sunder Lal Baishya Agarwal,
r/o Sadabad Dwar, Hathras,
Distt. Aligarh.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE,
KANPUR**

Kanpur, the 4th September 1980

Ref. No. TR. No. 1000/Acq/Hathras/79-80.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI, being the competent authority under Section 269 B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (herein after referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at as per Schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Hathras on 8-3-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A house, Property with three Story has been purchased 2/3 part of the land area of full house is 120.25 Sq. Metres, situated in Gali Chhapeti, Sasni Dwar, Hathras which was sold for Rs. 66.666.66.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 4-9-1980
Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
KANPUR**

Kanpur, the 29th July 1980

Ref. No. 187/Acq/Firozabad/80-81.—Whereas, I,
B. C. CHATURVEDI,
being the Competent Authority under Section 269B of the
income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe
that the immovable property having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule
situated at as per schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Firozabad on 31-3-1980
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(1) S/Shri Jagdish Prasad and Om Prakash,
s/o Lala Har Dayal and
Smt. Surajmukhi w/o Lala Har Dayal,
r/o Gher Halwayan, Firozabad,
Distt Agra.

(Transferor)

(2) Shri Purshottam Dass s/o
Shri Braj Mohan Lal Bansal,
r/o Gher Halwayan, Firozabad,
Distt Agra.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used
herein as are defined in Chapter XXA of
the said Act, shall have the same meaning
as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A house property bearing No. 3, measuring 1400 Sq. Ft.
situated in Gher Halwayan, Firozabad, Distt. Agra which
was sold for Rs. 36,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date : 29-7-1980
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 22nd September 1980

Ref. No. 1963-A/PN/Saharanpur/80-81.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Saharanpur on 26-3-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Shri Chiranjit Lal s/o Khemkaran, r/o Village Chini, Post Office and Pargana Islamnagar, Distt. Badaun.

(Transferor)

(2) Shri Om Prakash Sharma s/o Shri Lal Singh Sharma, r/o Gil Colony, Saharanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

An open Plot measuring 500 Sq. yards, situated in Pathanpura, Saharanpur which was sold for Rs. 50,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 22-9-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) S/Shri Raj Mohan Mehra, Kamal Mehra,
Lalit Mohan Mehra and
Vijai Mohan Mehra,
r/o 8, Mall, Amritsar Cantt, (Punjab).

(Transferor)

(2) Shri Dhani Ram Thapliyal,
r/o Kenilworth Estate,
Library Kinreich Motor Road Mussoorie,
Distt. Dehradun.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
KANPUR**

Kanpur, the 22nd September 1980

Ref. No. 1951-A/P.N./Dehradun/80-81.—Whereas I,

B. C. CHATURVEDI,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No

as per Schedule situated as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 908), in the office of the Registering Officer at

Mussoorie on 11-3-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A double storied house property known as "Kenilworth Estate", situated at Library Kinreich Motor Road, Mussoorie, Distt. Dehradun which was sold for Rs. 72,500/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
24—306GI/80

Date : 22-9-1980
Seal :

FORM NO. ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE.
KANPUR

Kanpur, the 8th September 1980

Ref. No. 337-A/Kanpur/Kanpur/80-81.—Whereas I,
B. C. CHATURVEDI,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule
situated at ~~as~~ per Schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
Kanpur on 28-7-1980

for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly
stated in the said instrument of transfer with the object
of :—

(1) Shri Ram Lal Shukla s/o
Shri Krishna Bihari,
Govind Nagar, Kanpur.

(Transferor)

(2) Shri Shital Prasad Misra, r/o
117/540, Pandunagar,
Kanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein, as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A house property bearing No. 120/511, measuring 294 sq.
yards, situated in Shivaji Nagar, Kanpur which was sold for
Rs. 1,00,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 8-9-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE.
KANPUR

Kanpur, the 29th August 1980

Ref. No. 299-B/Bilhaur/79-80.—Whereas J. B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule

situated at as per Schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bilhaur on 15-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) S/Shri Rajjan Lal s/o Shri Ram Swarup, Lalit Kumar s/o Shri Harisharan Lal, r/o Sahgapur, Teh. Kannauj, Distt. Farrukhabad.

(Transferors)

(2) S/Shri Baboo Lal, Ram Amar, Ram Adhar, Rameshwar, Ram Sewak, and Ujiyare Lall all s/o Shri Ram Sahai, r/o Saphiapur, Teh. Bilhaur, Distt. Kanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or,

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

An agricultural land measuring 14 bigha 15 biswa, situated in Village Saphiapur, Teh. Bilhaur, Distt. Kanpur which was sold for Rs. 6,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 29-8-1980
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE.
KANPUR

Kanpur, the 30th August 1980

Ref. No. 1514-A/Dehradun/79-80.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Dehradun on 26-3-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Shri Durga Prasad Khosla s/o
Shri Ganga Prasad Khosla, r/o
47-B- Jukhan, Rajpur Road,
Dehradun.

(Transferors)

(2) Smt. Rajeshwari Devi w/o
Shri Vijai Pal Singh,
r/o 140-G, Rajpur Road,
Dehradun.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A house property bearing No. 47-B, Jukhan, Rajpur Road, Dehradun, which was sold for Rs. 45,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date : 30-8-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Smt. Kamla Devi alias Kamal Kumari, w/o
Shri Yogendra Pal,
r/o Village Bhaina,
Distt. Meerut.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 18th August 1980

Ref. No. 1976-A/Bulandshahr/79-80.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at as per Schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bulandshahr on 7-3-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Shri Akshay Kumar and Rakesh Pratap Singh,
S/o Shri Amar Singh,
r/o Village Sarawa, Post. Sarawa,
Parg. Shikarpur,
Distt. Bulandshahr.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

An agricultural land bearing No. 430, situated in village Sarawa, Parg. Shikarpur, Distt. Bulandshahr which was sold for Rs. 50,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 18-8-1980
Seal : .

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 18th August 1980

Ref. No. 1975-A/Bulandshahr/79-80.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule

situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shikandrabad on 17-3-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) S/Shri Daya Nand Sarup s/o Shri Bhagwat Sarup self and vali Ramanand real brother and Umanand Sarup s/o Shri Bhagwat Sarup, r/o Deputygani, Bulandshahr.

(Transferor)

(2) Shri Dharm Singh and Beer Singh s/o Shri Chainsukh, r/o Haldauna, Parg. Dankaur, Teh. Shikandrabad, Distt. Bulandshahr.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

An agricultural land, situated in village Haldauna, Parg. Dankaur, Teh. Shikandrabad, Distt. Bulandshahr which was sold for Rs. 8,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 18-8-1980

Seal :

FORM ITNS—

(1) Wypberg Homes Society,
Mussoorie, Dehradun.

(Transferor)

(2) The South East Asian Missions, Trust of India.
Registered No. 205/75, Sikandrabad,
Andhra Pradesh, India.

(Transferees)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 22nd September 1980

Ref. No. 1929-A/D. Dun/80-81.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule

situated at per Schedule
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Mussoorie on 22-3-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A partly double storied building named Ralston maner, situated in Barlow Ganj, Mussoorie, Distt. Dehradun which was sold for Rs. 50. 000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Date : 22-9-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, names :—

FORM ITNS— — —

(1) Shri Heera Lal Jaiswal s/o
Nohari Lal Jaiswal, r/o
13/120, Parmat, Kanpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 21st August 1980

Ref. No. 184-8/Kanpur/79-80.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing As per Schedule situated at per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kanpur on 5-3-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A house property bearing No. 13/187, measuring 365 sq. yards, situated at Parmat, Kanpur which was sold for Rs. 45,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Date : 21-8-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

(1) Matri Prasad s/o Satya Murti,
r/o Charthawal,
Present Address : Arvindo Ashram,
Pandacheri.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 19th August 1980

Ref. No. 2006-A/Muzaffarnagar/79-80.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule, situated at As per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Muzaffarnagar on 21-3-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) S/Shri Jai Prakash, Rajendra Prasad and Narendra Kumar,
all ss/o Shri Tara Chandra r/o Charthawal,
Parg. Charthawal,
Distt. Muzaffarnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

An agricultural land bearing No. 3897, situated in Village Charthawal, Parg. Charthawal, Distt. Muzaffarnagar which was sold for Rs. 80,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 19-8-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Jaidev s/o Shri Ram Swaroop,
r/o Charthawal,
Distt. Muzaffarnagar.

(Transferor)

(2) S/Shri Matri Prasad s/o Dr. Satya Murti,
r/o Charthawal,
Present Address : Arvindo Ashram Panda Cheri.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 19th August 1980

Ref. No. 2007-A/Muzaffarnagar/79-80.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing As per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muzaffarnagar on 21-3-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An agricultural land bearing No. 1457, situated in Village Charthawal, Parg. Charthawal, Distt. Muzaffarnagar which was sold for Rs. 40,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 19-8-1980

Seal :

FORM NO. ITNS—

(1) Shri Ballu s/o Shri Tareef,
r/o Kasba Kairana,
Parg., Post and Teh. Kairana,
Distt. Muzaffarnagar.

(Transferor)

(2) S/Shri Mohd. Yasin s/o Shri Mohd. Ismile,
Mohd. Umar s/o Shri Dilla,
Nasim Ahmed s/o Shri Vashir Ahmed,
r/o Kasba Kairana,
Parg., Post and Teh. Kairana,
Distt. Muzaffarnagar.

(Transferees)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 19th August 1980

Ref. No. 2010-A/Muzaffarnagar/79-80.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the competent authority under Section 269B of the Income Tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

As per Schedule

situated at as per Schedule
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Kairana on 25-3-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or the assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

An agricultural land bearing No. 105, situated in Kasba Kairana, Parg. Kairana, Distt. Mazaffarnagar which was sold for Rs. 44,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 19-8-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Nicholas Andrew Pascol D'Mello.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
BOMBAY

Bombay, the 29th September 1980

Ref. No. AR-II/2962-13/Mar' 80.—Whereas, I, A. H. TEJALE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 282, H. No. 1, Side No. 14, 17 & 17A situated at Danda Bandra (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 24-3-80, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 2188/79 and registered with the Joint Sub-Registrar-IV, Bandra, on 24/3/1980.

A. H. TEJALE,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Bombay.

Date : 29-9-80

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—